राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार,17 मई 2023 वर्ष–6,अंक–112 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त

कांस फिल्म फेस्टिवल के लिए रवाना हुई उर्वशी रौतेला

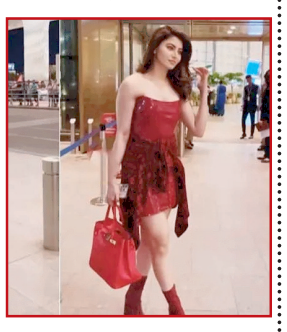

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला कांस फिल्म फेस्टिवल के लिए फ्रांस रवाना हो चुकी हैं। सोमवार रात एक्ट्रेस को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया, जहां से उन्होंने फ्लाइट ली। इस दौरान एक्ट्रेस शॉर्ट रेड ड्रेस और मैचिंग बूट्स में नजर आईं। ड्रेस के साथ एक्ट्रेस ने कमर में एक चेक शर्ट भी बांधी हुई थी। फ्रांस में उर्वशी परवीन बाबी की बायोपिक के फोटोकॉल में शामिल होंगी, जिसमें वो लीड रोल निभाएंगी। सोशल मीडिया पर उर्वशी का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वो बेहद स्टाइलिश अंदाज में एंट्री गेट की तरफ जाते हुए नजर आ रही हैं। इस दौरान एक्ट्रेस पैपराजी के सामने पोज भी दिए। कांस फिल्म फेस्टिवल में अपने अपियरेंस के बारे में बात करते हुए उर्वशी ने कहा- ह्यजी हां आपने सही सुना है। मैंने परवीन बाबी की बॉयोपिक साइन कर ली है। इसमें मैं लीड रोल निभाने वाली हूं। मैं बहुत लकी हूं कि मुझे कांस फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बनने का मौका मिला। यह दुनिया के सबसे बड़े फेस्टिवल में से एक है। बता दें कि उर्वशी ने पिछले साल कांस में अपना डेब्यू किया था। इस दौरान एक्ट्रेस ने रफल्ड व्हाइट गाउन पहना था। इसके अलावा उर्वशी ने पिछले साल फॉरएवर यंग की स्क्रीनिंग में हिस्सा लिया था, इस दौरान एक्ट्रेस ब्लैक गाउन में बेहद खूबसूरत नजर आईं थीं। एक्ट्रेस ने अपने कांस डेब्यू की कई तस्वीरें शेयर की थीं।

पूरे ज्ञानवापी परिसर के एएसआई से सर्वे की याचिका को जिला कोर्ट की मंजूरी, 22 मई को होगी अगली सुनवाई

पूरे ज्ञानवापी परिसर के एएसआई से सर्वे की याचिका को जिला कोर्ट की मंजूरी, अब 22 मई को होगी अगली सुनवाई ज्ञानवापी की अरक सर्वे की मांग वाली हिंदू पक्ष की याचिका वाराणसी कोर्ट ने मंजूर कर ली है। इस पर अगली सुनवाई 22 मई को होगी। कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को 19 मई तक आपत्ति दाखिल करने का समय दिया है। आज यानी मंगलवार सुबह ही 11 बजे कोर्ट में चारों वादिनी महिलाओं ने फ्रेश याचिका दाखिल की थी। इसमें ज्ञानवापी परिसर के आर्केलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया यानी अरक सर्वे की मांग की थी। याचिका दाखिल करने से पहले सुबह विष्णु जैन के साथ 4 वादिनी महिलाओं (रेखा, सीता, मंजू, लक्ष्मी) ने काशी विश्वनाथ धाम के दर्शन किए। इससे पहले शुक्रवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने ज्ञानवापी परिसर में कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग और साइंटिफिक सर्वे कराने के आदेश दिए थे। विष्णु जैन ने आगे कहा, " राणा पीबी सिंह की किताब, ट्रैवलर्स और कई विद्वानों की किताबों में इस बात का जिक्र है कि यह हिंदू मंदिर का भग्नावशेष है। कमीशन की कार्रवाई में जो फैक्ट मिले हैं, वो सब हिंदू मंदिर के हैं। अयोध्या के राम मंदिर केस में 2002 में अरक ने सर्वे रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में साक्ष्यों को प्रस्तुत किया था। 14 कसोटी के पिलर मिले थे, जिस पर बाबरी मस्जिद बनी थी। इस पर ऐतिहासिक फैसला दिया गया था और अब राम मंदिर बनकर तैयार हो रहा है।

वैसे ही जब ज्ञानवापी में अरक जांच करेगी तो उम्मीद से परे चीजें निकलकर बाहर आएंगी।" काशी विश्वनाथ ज्ञानवापी केस में 1991 में वाराणसी कोर्ट में पहला मुकदमा दाखिल हुआ था। इस याचिका में ज्ञानवापी परिसर में पूजा की अनुमति मांगी गई। प्राचीन मूर्ति स्वयंभू भगवान विश्वेश्वर की याचिका के विरोध में मस्जिद कमेटी ने याचिका को हाईकोर्ट में चुनौती दी। 1993 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्टे लगाकर यथास्थिति कायम रखने का आदेश दिया था। 2019 में वाराणसी कोर्ट में फिर से इस मामले में सुनवाई शुरू हुई। 2021 में वाराणसी की सिविल जज सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट से ज्ञानवापी मस्जिद के पुरातात्विक सर्वेक्षण की मंजूरी दे दी। 1991 में इसका मामला अदालत में चल रहा था। ज्ञानवापी विवाद को लेकर अदालत ने कोर्ट कमिश्नर नियुक्त करते हुए आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया एएसआई की एक टीम बनाई। इस टीम को ज्ञानवापी परिसर का सर्वे करने के लिए कहा गया था। वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर वुजूखाने में 16 मई 2022 को शिवलिंगनुमा आकृति मिली थी। मस्जिद के ठीक बगल में काशी विश्वनाथ मंदिर है। दावा है कि इस मस्जिद को औरंगजेब ने एक मंदिर तोड़कर बनवाया था। हिंदू पक्ष ने शिवलिंग बताकर स्थापना की बात कही, तो वाराणसी जिला जज ने कार्बन डेटिंग की मांग वाली अर्जी को खारिज कर दिया था। अब हाईकोर्ट प्रयागराज ने इसकी अनुमति दी है, जिसकी तारीख जल्द तय होगी।

हिंदू पक्ष का दावा है कि वहां आदि विश्वेश्वर का स्वयंभू ज्योतिर्लिंग है। काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण करीब 2050 साल पहले महाराजा विक्रमादित्य ने करवाया था। मुगल सम्राट औरंगजेब ने साल 1664 में मंदिर को तुड़वा दिया। दावे में कहा गया है कि मस्जिद का निर्माण मंदिर को तोड़कर उसकी भूमि पर किया गया है। जो कि अब ज्ञानवापी मस्जिद के रूप में जाना जाता है।

बम होने की सूचना मिलने पर स्कूल परिसर को खाली कराया गया

नई दिल्ली, । दक्षिण दिल्ली के पुष्प विहार इलाके में स्थित एक स्कूल में बम होने की सूचना मिलने के बाद पुलिस को इसकी जानकारी दी गई और स्कूल को खाली करा लिया गया। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। स्कूल में बम होने की सूचना एक ईमेल के जरिए दी गई थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि स्कूल प्रशासन की ओर से सूचना मिलने के बाद दिल्ली पुलिस और बम निरोधक दस्ते को तुरंत ह्यअमृता स्कूलह्ल भेजा गया। अधिकारी ने बताया कि स्कूल को तुरंत खाली करा लिया गया और इमारतों की जांच की गई लेकिन अभी तक कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। मामले की जांच की जा रही है।

प्रधानमंत्री ने रोजगार मेले के तहत 71,000 कर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपे

नई दिल्ली,। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को रोजगार मेले के तहत करीब 71 हजार नवनियुक्त कर्मियों को नियुक्ति पत्र सौंपे और कहा कि सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी और निष्पक्ष बनाया है जिससे भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद खत्म हुआ है। ये नियुक्तियां केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों के साथ-साथ राज्य सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों में भी हुई हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने इन नवनियुक्त कर्मियों को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से संबोधित भी किया और उन्हें सरकारी नौकरी मिलने पर बधाई दी। रोजगार मेला देश भर में 45 स्थानों पर आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा, पिछले नौ वर्षों में भारत सरकार ने सरकारी भर्ती प्रक्रिया को ज्यादा तेज करने, ज्यादा पारदर्शी और निपक्ष्ष बनाने को भी प्राथमिकता दी है। आज

आवेदन करने से लेकर नतीजे आने तक की पूरी प्रक्रिया ऑनलाइन हो गई है। मोदी ने कहा कि आज दस्तावेजों को स्व-सत्यापित (सेल्फ अटेस्ट) करना भी पर्याप्त होता है और ग्रुप सी और ग्रुप डी के पदों पर भर्ती के लिए साक्षात्कार भी खत्म हो गए हैं। उन्होंने कहा, इन सारे प्रयासों से भ्रष्टाचार और भाई-भतीजावाद खत्म हुआ है। ये नई भर्तियां केंद्र सरकार के विभिन्न विभागों व मंत्रालयों के साथ ही राज्य सरकारों व केंद्र शासित प्रदेशों में ग्रामीण डाक सेवक, डाक निरीक्षक, वाणिज्यिक-सह-टिकट क्लर्क, जूनियर क्लर्क-सह-टाइपिस्ट, जूनियर लेखा क्लर्क, ट्रैक मेंटेनर, सहायक अनुभाग अधिकारी, लोअर डिवीजन क्लर्क, सब डिवीजनल ऑफिसर, कर सहायक, सहायक प्रवर्तन अधिकारी, निरीक्षक, नर्सिंग अधिकारी, सहायक सुरक्षा अधिकारी, फायरमैन, सहायक लेखा अधिकारी, संभागीय लेखाकार, लेखा परीक्षक, कांस्टेबल, हेड कांस्टेबल, सहायक कमांडेंट, प्रधानाचार्य, प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक, सहायक रजिस्ट्रार औरसहायक प्रोफेसर आदि पदों पर हुई हैं।

देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना से नौ मरीजों की मौत

नई दिल्ली, । देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना संक्रमण के 1,456 सक्रिय मामले घटे हैं, जिससे अब सक्रिय मामलों की कुल संख्या घटकर 13,037 हो गयी है और इसी अवधि में नौ मरीजों की मौत हो गयी। इस बीच, देश में कोरोना टीकाकरण भी जारी है और इसी क्रम में पिछले 24 घंटों में 1,010 लोगों को टीका लगाया गया है। अब तक देश में 2,20,66,93,069 लोगों का टीकाकरण किया जा चुका है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में कुल संक्रमितों की संख्या 4,49,82,131 हो गयी है। वहीं मृतकों की संख्या बढ़कर 5,31,790 हो गयी है। इसी अवधि में कोरोना संक्रमण से स्वस्थ होने वालों का आंकड़ा 2100 बढ़कर 4,44,37,304 पर पहुंच गया है। देश में पिछले 24 घंटों के दौरान त्रिपुरा में दो

सक्रिय मामले बढ़े हैं। इसके अलावा, पिछले 24 घंटे में ओडिशा में सबसे ज्यादा 595 कोरोना मामलों में गिरावट दर्ज की गयी है। इसी अवधि में केरल में 153, पश्चिम बंगाल में 105 तथा अन्य राज्यों आन्ध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, लद्दाख, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, मिजोरम, पुडुचेरी, पंजाब,राजस्थान, सिक्किम तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश में कोरोना के मामलों में कमी पायी गयी है।

शिवकुमार कर्नाटक में सरकार गठन पर चर्चा के लिए दिल्ली रवाना

बेंगलुरु, । कर्नाटक के मुख्यमंत्री पद के लिए वरिष्ठ नेता सिद्धरमैया से कड़े मुकाबले के बीच कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष डी के शिवकुमार राज्य में सरकार गठन के मुद्दे पर पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से चर्चा करने के लिए मंगलवार सुबह दिल्ली रवाना हो गए। कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व ने शिवकुमार और सिद्दरमैया दोनों को चर्चा के लिए दिल्ली बुलाया है। शिवकुमार ने शुरूआत में सोमवार शाम को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए राष्ट्रीय राजधानी के अपने दौरे को रद्द कर दिया था। मंगलवार को दिल्ली के लिए रवाना होने से पहले शिवकुमार ने कहा, कांग्रेस महासचिव ने मुझे अकेले आने का निर्देश दिया है, मैं अकेले दिल्ली जा रहा हूं। वहीं, सिद्धरमैया सोमवार से दिल्ली में हैं। शिवकुमार ने कहा, मैं दिल्ली जा रहा हूं। कांग्रेस महासचिव ने मुझे अकेले आने का निर्देश दिया है। मैं अकेले दिल्ली जा रहा हूं। मेरा स्वास्थ्य अच्छा है। कांग्रेस पार्टी मेरा मंदिर है, कांग्रेस पार्टी हमारी सबसे बड़ी ताकत है इसलिए किसी को चिंता करने की जरूरत नहीं है। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा, लोगों ने हमें (कांग्रेस) आशीर्वाद दिया

है। हमें लोगों का भरोसा बनाए रखने तथा उसे बढ़ाने के लिए एकजुट होकर प्रयास करने होंगे कन्नड़ नाडु के लोग, मां भुवनेश्वरी और मां चामुंडेश्वरी संविधान की रक्षा करने तथा कर्नाटक को सर्व जनांगदा शांतिय तोटा (बागीचा, जहां सभी समुदाय सौहार्द्रपूर्वक रहते हैं) बनाने के लिए हमें आशीर्वाद देती रहें। यह पूछने पर कि क्या वह आलाकमान को उन्हें मुख्यमंत्री बनाने के लिए कहेंगे, इस पर शिवकुमार ने कहा, मैंने अपना काम किया है कांग्रेस पार्टी हमारी मां, मंदिर, सबकुछ है। महासचिव ने कहा डीके आप अकेले आएं। मैं अकेले जा रहा हूं। मुख्यमंत्री पद के चुनाव के लिए नव निर्वाचित विधायकों से बातचीत करने वाले कांग्रेस के तीन केंद्रीय पर्यवेक्षकों ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को इसकी जानकारी दी और सोमवार को अपनी रिपोर्ट सौंपी। कांग्रेस विधायक दल ने रविवार को बेंगलुरु में एक होटल में हुई बैठक में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को विधायक दल का नेता चुनने के लिए अधिकृत किया था। मुख्यमंत्री पद को लेकर शिवकुमार और सिद्धरमैया के बीच कड़ा मुकाबला है। कांग्रेस ने 224 सदस्यीय विधानसभा के लिए 10 मई को हुए चुनाव में 135 सीटें जीतकर सत्ता में वापसी की है। शिवकुमार तथा सिद्धरमैया को समर्थन दे रहे विधायकों की संख्या के बारे में अटकलों के बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सोमवार को कहा था कि उनका संख्याबल 135 है क्योंकि उनके नेतृत्व में ही पार्टी ने 135 सीटें जीती हैं।

सिक्किम के स्थापना दिवस पर योगी आदित्यनाथ ने बधाई दी

लखनऊ,। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को सिक्किम राज्य के स्थापना दिवस पर वहां के निवासियों को हार्दिक बधाई और शुभकामना देते हुए कहा कि सिक्किम में अतुल्य भारत का दर्शन होता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को ट्वीट किया, सिक्किम के स्थापना दिवस पर राज्य के सभी निवासियों को हार्दिक बधाई एवं अनंत शुभकामनाएं! सिक्किम में अतुल्य भारत का साक्षात दर्शन होता है। इसी ट्वीट में योगी ने

कहा, प्रकृति की असीम अनुकंपा से समृद्ध, लोक-परंपराओं की यह अनुपम धरा विकास के नए प्रतिमान गढ़ती रहे, यही कामना है। गौरतलब है कि आज से 48 वर्ष पहले 1975 में 16 मई को देश के 22वें राज्य के रूप में सिक्किम को मान्यता मिली।

बहन-बेटी की जिंदगी आसान बनाने भाजपा सरकार ने उठाए कई कदम : शिवराज

भोपाल, । मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने बेटी और बहन की जिंदगी आसान बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं। श्री चौहान झाबुआ जिले में मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना अंतर्गत आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार ने तय किया कि बेटी के विवाह को बोझ नहीं रहने देंगे, इसलिए मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में बेटियों की शादी में हम एक बेटी पर 56 हजार

रुपए खर्च करते हैं। बेटी को 49 हजार रुपए का सीधा चेक देते हैं। ये चेक इसलिए दे रहे हैं, कई बार सामान की उन्हें जरूरत है या नहीं है। खरीदने में कोई घटिया सामान ना आ जाए, इसलिए सरकार ने तय किया है कि दूल्हा-दुल्हन खुद अपनी पसंद का सामान खरीदें। उनकी जो जरूरत हो, उसे पूरी करें।

भोपाल में तेज धूप के बाद बारिश, गिरे ओले

रिकॉर्डतोड़ गर्मी के बीच मध्यप्रदेश में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदला। भोपाल में दोपहर 3 बजे बादल छा गए। इसके 15 मिनट बाद बूंदाबांदी शुरू हो गई। कुछ इलाकों में ओले भी गिरे। सागर, रायसेन, नर्मदापुरम और दतिया में भी दोपहर बाद बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, ग्वालियर-चंबल, जबलपुर, अनूपपुर, सिवनी, मंडला और छिंदवाड़ा में भी बूंदाबांदी होने के आसार हैं। वहीं, इंदौर-उज्जैन समेत अन्य शहरों में तेज गर्मी है। सीनियर मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि आज से प्रदेश में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस (पश्चिमी विक्षोभ) एक्टिव हो गया है। इस कारण ग्वालियर, चंबल, सागर समेत अन्य संभागों में 20 मई तक हल्की बारिश का दौर जारी रह सकता है। बारिश और बादल छाने से प्रदेश के शहरों में दिन के तापमान में 1 से 2 डिग्री तक गिरावट आई है। शाम तक ग्वालियर, अशोकनगर, शिवपुरी, दतिया, गुना, मुरैना, भिंड, श्योपुरकलां, सागर, छतरपुर, दमोह, पन्ना और टीकमगढ़ में कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। जबलपुर, अनूपपुर, सिवनी, मंडला, छिंदवाड़ा में भी बूंदाबांदी होने का अनुमान है। इससे पहले सोमवार दोपहर में खंडवा के ओंकारेश्वर में तेज बारिश हुई। तेज आंधी की वजह से नर्मदा नदी में नाव पलट गई। इससे एक ही परिवार के छह लोग पानी में

गिर गए। इनमें से चार को बचा लिया गया, जबकि दो साल के बच्चे की डूबने से मौत हो गई। एक सदस्य लापता है। दोपहर तक श्योपुरकलां, मंदसौर और छतरपुर में भी हल्की बारिश हुई।सोमवार को सबसे ज्यादा गर्मी टीकमगढ़ में रही। यहां पहली बार पारा 44.5 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दो दिन से प्रदेश में सबसे गर्म खरगोन में पारा लुढ़ककर 42 डिग्री पर आ गया। रतलाम में भी पारे में गिरावट हुई है। यहां तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। प्रदेश के अन्य शहरों में भी दो से तीन डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है। भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में तापमान 41 डिग्री के पार रहा, जबकि इंदौर में पारा 39.4 डिग्री पर आ गया। खजुराहो और दमोह में पारा 43 डिग्री से ज्यादा रहा। गुना, उमरिया, नौगांव, मलांजखंड, सागर, मंडला, सीधी, रीवा, सतना, खंडवा और सिवनी में तापमान 40 डिग्री से ज्यादा ही रहा। बाकी शहरों में इससे कम तापमान रहा।

गहलोत के बयान से बैक फुट पर वसुंधरा

रमेश सर्राफ धमोरा

मुख्यमंत्री गहलोत के बयान के बाद माउंट आबू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में वसुंधरा राजे उनके बगल की सीट पर बैठी थी। इसके बावजूद भी ना तो उनकी प्रधानमंत्री से कोई विशेष चर्चा हुई और ना ही उनको जनसभा को संबोधित करने का मौका दिया गया। जबकि प्रधानमंत्री से पहले प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने जनसभा को संबोधित किया था। इन सब बातों से लगता है कि आने वाला समय वसुंधरा राजे के लिए राजनीतिक रूप से कुछ अच्छा नहीं रहने वाला है। उन्हें समय रहते अपनी गहलोत समर्थक छवी को तोड़ना होगा तभी वह राजनीति के मैदान में आगे बढ़ पाएगी।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने वरिष्ठ भाजपा नेता व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से अपने संबंधों को लेकर खुलासा क्या किया वसुंधरा राजे चुनाव से पहले ही परेशान नजर आने लगी है। राजस्थान में पिछले 25 वर्षों से एक बार अशोक गहलोत तो दूसरी बार वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री बनते आ रहें है। इस बार वसुंधरा राजे फिर मुख्यमंत्री बनना चाहती है। मगर अशोक गहलोत ने बयान देकर उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया है।

हाल ही में धौलपुर जिले में आयोजित एक कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने खुलासा किया था कि 2020 में सचिन पायलट द्वारा उनकी सरकार के खिलाफ बगावत करने के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे व उनके समर्थक विधायकों ने सहयोग कर उनकी सरकार को गिरने से बचाया था। गहलोत ने कहा था कि धौलपुर से भाजपा विधायक शोभा रानी कुशवाहा ने तो राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार प्रमोद तिवारी के पक्ष में क्रॉस वोटिंग कर खुले आम पार्टी नेतृत्व की अनदेखी की थी। शोभा रानी कुशवाहा वसुंधरा समर्थक विधायक मानी जाती रही है। इसके साथ ही गहलोत ने वसुंधरा समर्थक माने जाने वाले पूर्व विधानसभा अध्यक्ष कैलाश मेघवाल का भी नाम लिया था।

विधानसभा में बजट पास करवाने के दौरान मुख्यमंत्री गहलोत ने प्रदेश में 17 नए जिले बनाने की घोषणा की थी। जिसमें उन्होंने कैलाश मेघवाल के विधानसभा क्षेत्र शाहपुरा को भी जिला बनाया है। विधानसभा में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कैलाश मेघवाल को शाहपुरा के जिला बनने पर बधाई देते हुए कहा था कि आप की मांग पूरी कर दी गई है। उस समय भी गहलोत के बयान की काफी चर्चा हुई थी तथा भाजपा बैकफुट पर आ गई थी।

राजस्थान की राजनीति में लोगों की धारणा रही है कि अंदर खाने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे मिले हुए हैं। इसी के चलते जब कांग्रेस की सरकार बनती है तो अशोक गहलोत मुख्यमंत्री बन जाते हैं और जब भाजपा की सरकार बनती है तो वसुंधरा राजे मुख्यमंत्री बन जाती है। मुख्यमंत्री पद पर रहते दोनों नेता एक दूसरे के हितों का ख्याल रखते हैं तथा जरूरत पड़ने पर मदद भी करते हैं।

नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल तो खुलकर यह आरोप लगाते रहे हैं। पिछले कुछ महीनों से कांग्रेस नेता सचिन पायलट भी

गहलोत को पत्र लिखकर वसुंधरा सरकार के दौरान हुए घोटालों की जांच की मांग कर रहे हैं। मगर मुख्यमंत्री गहलोत ने पायलट की मांगों पर कोई कार्यवाही नहीं की। जबकि एक माह पूर्व सचिन पायलट अपनी इसी मांग को लेकर जयपुर में एक दिन का धरना भी दिया था। इसके बाद पायलट ने इसी मांग को लेकर 5 दिनों तक अजमेर से जयपुर तक 125 किलोमीटर की जन संघर्ष पदयात्रा भी की है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा वसुंधरा राजे को लेकर किए गए खुलासे के बाद वसुंधरा राजे अपनी ही पार्टी के नेताओं पर के निशाने पर आ गई है। राजस्थान में वसुंधरा विरोधी खेमे के नेता गहलोत के बयान को लेकर मुखर हो रहे हैं। उनका कहना है कि वसुंधरा राजे समर्थक विधायकों के दम पर ही गहलोत बेखौफ होकर सरकार चला रहे हैं। राजस्थान में पिछले राज्यसभा चुनाव के दौरान कई वसुंधरा समर्थक विधायकों को मतदान से पहले गुजरात भेजा गया था। ताकि वह गहलोत के प्रभाव में आकर क्रास वोटिंग नहीं कर सकें।

हालांकि राजस्थान भाजपा में वसुंधरा राजे सबसे बड़े कद के नेता मानी जाती है। दो बार प्रदेश की मुख्यमंत्री, तीन बार प्रदेश भाजपा अध्यक्ष व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तथा केंद्र में मंत्री रहने के कारण उनका पूरे प्रदेश में व्यापक जनाधार माना जाता है। पिछले विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री रहते वसुंधरा राजे को अपने ही राजपूत समाज के विरोध का सामना करना पड़ा था। राजपूत समाज के लोगों की गैंगेस्टर आनंदपाल सिंह के एनकाउंटर करने को लेकर वसुंधरा राजे सरकार से गहरी नाराजगी थी। 2018 के विधानसभा चुनाव में राजपूत समाज ने कांग्रेस को वोट देकर जिताया था। उस समय चुनावी सभाओं में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में भीड़ से वसुंधरा तेरी खैर नहीं मोदी तुम से बैर नहीं के नारे लगते थे। जो चुनावी परिणाम में सही साबित भी हुए थे। वसुंधरा राजे के मुख्यमंत्री रहते हुए उनके नेतृत्व में लड़े गए 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा 163 सीटों से सीमट का 73 सीटों पर पहुंच गई थी। उसके कुछ महीने बाद ही हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने प्रदेश की सभी 25 सीटों पर जीत दर्ज की थी। पिछले कुछ समय से वसुंधरा राजे व उनके समर्थक विधायक भाजपा आलाकमान पर लगातार दबाव बना रहे थे कि वसुंधरा को नेता घोषित कर उनके नेतृत्व में ही अगला विधानसभा चुनाव लड़ा जाए। वसुंधरा राजे के विरोध के चलते ही डॉक्टर सतीश पूनिया को प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाया गया था। पार्टी के नेताओं को भी लगने लगा था कि वसुंधरा राजे के बिना विधानसभा चुनाव जितना मुश्किल होगा। ऐसे में ऐसे में उन्हें चुनाव के दौरान महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जाएगी। मगर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान ने वसुंधरा राजे व उनके समर्थकों के पूरे मंसूबों पर पानी फेर दिया। अब वसुंधरा राजे व उनके समर्थकों की स्थिति ना निगलते बन रही है ना उगलते बन रही है वाली हो गई है। आम जनता में भी गहलोत के बयान से वसुंधरा राजे के प्रति नकारात्मकता पैदा हुई है। 2018 में विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान कांग्रेस के नेता सत्ता में आने पर वसुंधरा राजे सरकार द्वारा किए गए हजारों करोड़ के भ्रष्टाचार की जांच करवाने की बातें कहते थे। मगर सरकार बनने के बाद वसुंधरा राजे के खिलाफ किसी भी तरह की कोई जांच नहीं की गई। इससे लोगों को विश्वास हो गया कि अशोक गहलोत वसुंधरा राजे आपस में मिले हुए हैं। राजस्थान विधानसभा के चुनाव में कुछ महीनों का ही समय रह गया है। ऐसे में मौके की नजाकतता को भांपकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी चाल चल दी है। गहलोत को पता है कि वसुंधरा राजे के नेतृत्व में चुनाव लड़ने पर भाजपा का पलड़ा भारी रह सकता है। इसीलिए उन्होंने बड़े सलीके से वसुंधरा राजे को ठिकाने लगा दिया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत फिर से राज बनाने के लिए पूरी ताकत से जुटे हुए हैं। उनका पूरा प्रयास है कि इस बार प्रदेश में हर पांच साल बाद सत्ता बदलने के रिवाज को बदला जाए। इसीलिए वह अपनी सधी हुई चाले चल रहे हैं। मुख्यमंत्री गहलोत ने पहले पार्टी में सचिन पायलट को किनारे लगा कर पार्टी के एकछत्र नेता बन गए। अब विपक्ष की मजबूत नेता वसुंधरा राजे के खिलाफ बयान देखकर उनको भी संदिग्ध बना दिया है। मुख्यमंत्री गहलोत के बयान के बाद माउंट आबू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा में वसुंधरा राजे उनके बगल की सीट पर बैठी थी। इसके बावजूद भी ना तो उनकी प्रधानमंत्री से कोई विशेष चर्चा हुई और ना ही उनको जनसभा को संबोधित करने का मौका दिया गया। जबकि प्रधानमंत्री से पहले प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने जनसभा को संबोधित किया था। इन सब बातों से लगता है कि आने वाला समय वसुंधरा राजे के लिए राजनीतिक रूप से कुछ अच्छा नहीं रहने वाला है। उन्हें समय रहते अपनी गहलोत समर्थक छवी को तोड़ना होगा तभी वह राजनीति के मैदान में आगे बढ़ पाएगी।

संपादकीय

बहुरंगा जनादेश

निस्संदेह, यह भारतीय लोकतंत्र के परिवक्व होने का संदेश है कि एक ही दिन में उसने अलग-अलग राज्यों में अलग तरह का जनादेश देकर साबित किया कि सत्ताधीश उसे अपनी बपौती मानकर न चलें। जहां कर्नाटक में कांग्रेस ने स्पष्ट बहुमत हासिल करके भाजपा के दक्षिण के द्वार पर अवरोधक लगा दिया है। वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश में निकाय चुनावों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हुआ है। उ.प्र. में मुख्यमंत्री योगी की साधना सफल हुई है और पार्टी की अप्रत्याशित जीत से भाजपा में उनका कद बढ़ा है। दूसरी ओर पंजाब की जालंधर लोकसभा सीट के उप चुनाव में आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस की परंपरागत सीट पर कब्जा करके भविष्य की राजनीति में बदलावकारी घटक के रूप में अपनी उपस्थिति दर्ज की है। निस्संदेह, राज्य की सत्ता में रहने का लाभ आप को मिला है। कर्नाटक में कांग्रेस की जीत व भाजपा की हार के सौ कारण बताये जा सकते हैं। लेकिन इतना तय है कर्नाटक की जनता ने राज्य में भाजपा के शासन को नकारा है। भले ही कांग्रेस करिश्माई नेतृत्व की कमी से जूझ रही हो, लेकिन इस बात का श्रेय इस दल को दिया जाना चाहिए कि वह भारत की विविधता की संस्कृति को स्वीकारती है। यह भी सर्वविदित है कि कर्नाटक कांग्रेस का हमेशा से गढ़ रहा है। एक निश्चित प्रतिशत जनादेश उसके हिस्से में हमेशा रहा है। वैसे तो भाजपा का जनादेश पिछले चुनाव के जनादेश के प्रतिशत के ही अनुरूप है, लेकिन जो निर्णायक वोट प्रतिशत है उसे हासिल करने में कांग्रेस सफल रही है। जो जेडीएस के हिस्से का वोट था। अच्छी बात यह है कि कर्नाटक की जनता ने ध्रुवीकरण की राजनीति को नकारा है। यह बात अलग है कि राज्य में मुस्लिम आरक्षण को खत्म करने से तिलमिलाए मुस्लिम मतदाताओं ने एकजुटता से वोट देकर कांग्रेसी जीत की राह को सुनिश्चित किया है। बहरहाल बजरंग दल पर प्रतिबंध समेत अन्य मुद्दों को लेकर भाजपा ने बहुसंख्यकों के ध्रुवीकरण की जो कोशिश की थी, वो सिरे नहीं चढ़ पायी। यह कहना मुश्किल है कि कांग्रेस ने भी चुनाव में पूरी तरह धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांतों का पालन किया। अगर भाजपा ने मुस्लिम आरक्षण खत्म करने को वोट पाने का मुद्दा बनाया तो कांग्रेस ने भी उसकी बहाली को चुनावी मुद्दा बनाया। फिर भाजपा की तर्ज पर भी कांग्रेसी नेता धार्मिक स्थलों पर खूब शीष नवाते नजर आये हैं। बहरहाल, कर्नाटक के इन चुनाव परिणामों ने भारतीय राजनीतिक परिदृश्य में जहां कई तरह के निष्कर्ष दिये हैं, वहीं कई सवालों को भी जन्म दिया है। निश्चित रूप से इन चुनाव परिणामों को लेकर राहुल गांधी की राजनीतिक नेतृत्व की सर्वमान्य स्वीकार्यता को लेकर भी चर्चा होगी। यह भी कहा जायेगा कि राहुल गांधी की पदयात्रा इस जीत की ऊर्जा बनी है। हमें यह नहीं भूलना होगा कि कर्नाटक कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का गृह राज्य है। खड़गे के राज्य से होने का लाभ मिला और स्थानीय भाषा में वे मतदाताओं को पार्टी की बात समझाने में कामयाब हुए। फिर वे उस वंचित वर्ग से आते हैं, जिसको भाजपा ने प्राथमिकता नहीं बनाया। भाजपा सिर्फ दो बड़े जातीय समूहों को आकर्षित करने को प्राथमिकता देती रही है, जो राज्य की राजनीति में वर्चस्व रखते हैं। वैसे राज्य में कांग्रेस की वापसी के लिये प्रदेश अध्यक्ष डी.के. शिवकुमार के अथक प्रयासों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। वे लंबे समय से पदयात्रा और जमीनी कार्यक्रमों के जरिये ग्रासरूट पर काम करते रहे। उनकी मुख्यमंत्री पद के लिये दावेदारी का आधार तार्किक कहा जा सकता है। राज्य में कांग्रेस सरकार के नेतृत्व तय करने में हुआ कुछ विलंब इन्हीं महत्वाकांक्षाओं के टकराव की देन है। बहरहाल, राज्य में कांग्रेस के लिये चुनौतियां भी कम नहीं हैं।

चिंतन-मनन

आत्मज्ञान के लिए पात्रता

एक बार की बात है। एक धनिक सेठ एक पहुंचे हुए संत के पास पहुंचा और उनसे बोला, महाराज, मैं आत्मज्ञान प्राप्त करने के लिए साधना का प्रयास करता हूं। परंतु मेरा मन ध्यान में एकाग्र ही नहीं हो पाता। आप मुझे मेरे मन को एकाग्र करने का कोई मंत्र बताएं। धनिक सेठ की बात सुनकर संत बोले, मैं कल तुम्हारे घर आऊंगा और वहां पर तुम्हें एकाग्रता का मंत्र प्रदान करूंगा। यह सुनकर सेठ बहुत खुश हुआ कि एक पहुंचे हुए संत उसके घर पधारेंगे। उसने अपनी हवेली की सफाई करवाई और संत के लिए अच्छे-अच्छे पकवान तैयार करवाए। नियत समय पर संत उसकी हवेली पर पधारे। सेठ ने उनका बहुत स्वागत सत्कार किया। सेठ की पत्नी ने मेवों व शुद्ध घी से स्वादिष्ट हलवा तैयार किया था। चांदी के पात्र में हलवा सजाकर संत को दिया गया तो संत ने फौरन अपना कमंडल आगे कर दिया और बोले, यह हलवा इस कमंडल में डाल दो। सेठ ने देखा कि कमंडल में पहले ही कूड़ा-करकट भरा हुआ है। यह देखकर वह बोला, महाराज, यह हलवा मैं इसमें कैसे डाल सकता हूं। कमंडल में तो कूड़ा-करकट भरा हुआ है। इसमें हलवा डालने पर भला वह खाने योग्य कहां रह जाएगा, अपितु वह भी कूड़े-करकट के साथ मिलकर दूषित हो जाएगा। यह सुनकर संत मुस्कराते हुए बोले, वत्स, तुम ठीक कहते हो। सबसे पहले पात्रता विकसित करो, तभी तो आत्मज्ञान के योग्य बन पाओगे। यदि मन-मस्तिष्क में विकार तथा कुसंस्कार भरे हैं, तो वे आत्मज्ञान को आत्मसात कैसे कर पाएंगे? एकाग्रता भी तभी बनती है, जब व्यक्ति शुद्धता से कार्य करने का संकल्प करता है। संत की बातें सुनकर धनिक सेठ ने उसी समय संकल्प लिया कि वह शुद्ध आचरण से तथा परोपकार के द्वारा पहले अपने को सुपात्र बनाएगा, ताकि उसे आत्मज्ञान सहजता से प्राप्त हो सके।

कर्नाटक चुनाव में नहीं चला, हिंदुत्व का फामूर्ला

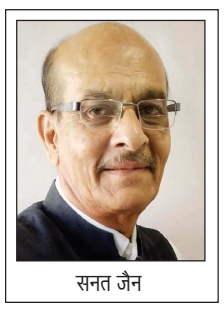

सनत जैन

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के परिणाम आ गए हैं। पिछले 8 वर्षों से कर्नाटक में हिंदुत्व की विचारधारा और हिंदुओं को एकजुट करने के लिए, कर्नाटक में टीपू सुल्तान और हिन्दुत्व को लेकर सुनियोजित रूप से, पिछले 8 वर्षों से अभियान चलाया जा रहा था। जिसमें टीपू सुल्तान ने आठ सौ से ज्यादा हिंदुओं की हत्या की है। टीपू सुल्तान दुर्दांत हत्यारा था। श्रीरंगपट्टनम में हनुमान मंदिर को तोड़कर जामा मस्जिद बनाई गई है। कर्नाटक में हिजाब और अन्य तरीके से मुस्लिमों के खिलाफ एक वातावरण बनाया गया। हिंदुओं को एकजुट करने के लिए बड़े पैमाने पर पिछले 8 वर्षों में प्रयास किए गए। जामा मस्जिद में पुराना हनुमान मंदिर मानकर, वहां पूजा पाठ भी शुरू कर दी गई थी। जिसके कारण कर्नाटक में धार्मिक आधार पर बड़ा ध्रुवीकरण करने की तैयारी की गई थी। कर्नाटक विधानसभा के चुनाव संपन्न हुए। धार्मिक ध्रुवीकरण को कर्नाटक के मतदाताओं ने पसंद नहीं किया। जिन-जिन क्षेत्रों में विवाद पैदा किया गया था। वहां पर भाजपा के उम्मीदवार इस चुनाव में बुरी तरह से हारे। मलयकोट में भाजपा उम्मीदवार की जमानत जप्त हो गई। अन्य स्थानों पर भी मतदाताओं ने भाजपा के उम्मीदवारों को हराने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। कर्नाटक के मतदाता सामाजिक सद्भाव को लेकर ज्यादा सजग थे। चुनाव परिणाम से स्पष्ट हो गया है, कि कर्नाटक सहित दक्षिण के राज्यों में हिंदुत्व का मुद्दा, चुनाव जिताने का कारण नहीं बन सकता है। जैसा कि उत्तर भारत के राज्यों में बना था। टीपू सुल्तान द्वारा मलयकोट में 800 से ज्यादा हिंदुओं के नरसंहार को लेकर पिछले 8 वर्षों में धार्मिक धुव्रीकरण कयो लेकर जबरदस्त माहौल बनाया गया था। यहां से दर्शन पुतेनैया कांग्रेस के उम्मीदवार थे। इन्हें यहां से 49.97 फीसदी, 91151 वोट मिले। वहीं इसी विधानसभा क्षेत्र से भाजपा के इंद्रेश कुमार को मात्र 3 फीसदी, 6470 वोट मिले। इनकी जमानत जप्त हो गई। इसी तरह श्रीरंगपट्टनम में जामा मस्जिद का मामला पिछले 8 वर्षों से तूल पकड़ रहा था। इस जामा मस्जिद की देखरेख पुरातत्व विभाग कर रहा है। यहां पर कहा गया कि हनुमान मंदिर को तोड़कर जामा मस्जिद बनाई गई थी। हिंदू संगठनों द्वारा यहां पूजा पाठ भी शुरू कर दी गई थी। यहां पर नमाज बंद करने का आंदोलन चलाया गया। विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस के रमेश गौड़ा को यहां से 72817 वोट 39.92 फीसदी मत प्राप्त हुए। वहीं भाजपा के एस सच्चिदानंद को 42000 वोट 22।84 फीसदी प्राप्त हुए रामनगर में भव्य राम मंदिर बनाने का आंदोलन चलाया जा रहा था। इस प्राचीन मंदिर को भव्य राम मंदिर बनाने के लिए कर्नाटक सरकार ने 40 लाख रुपए का बजट भी दिया। इस विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस के इकबाल हुसैन को 87690 मत 47.96 फीसदी वोट प्राप्त हुए हैं। भाजपा के उम्मीदवार गौतम घोड़ा को मात्र 12912 वोट 7.07 फीसदी मत प्राप्त हुए। इनकी भी करारी पराजय हुई है। कर्नाटक के माइनिंग टायकून जनार्दन रेड्डी के भाई सोमशेखर रेडी, भाजपा की टिकट पर खड़े हुए थे। यह भी तीसरे नंबर पर आए। इन्हें मात्र 37155 वोट मिले। यहां से भी कांग्रेस उम्मीदवार ने जीत दर्ज कराई है। कर्नाटक चुनाव में इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि का असर होता हुआ नहीं दिखा है। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान 91 बार गालियां देने की बात करके, मतदाताओं की सहानुभूति अर्जित करने की कोशिश की। जो निष्फल साबित हुई। प्रियंका गांधी वाड्रा ने प्रधानमंत्री इतने शक्तिशाली हैं, इसके बाद भी वह जनता की समस्याओं की लिस्ट नहीं बना रहे हैं, गालियों की लिस्ट बना रहे हैं। इसने मतदाताओं को ज्यादा प्रभावित किया। इसी तरह बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने की बात को बजरंगबली से जोड़कर हिंदुत्व की लहर पैदा करने की कोशिश की गई। उसका भी उल्टा असर हुआ। आम जनता के बीच में बजरंग दल की अलग छवि है। बजरंगबली की, भगवान के रूप में छवि है। इन सब बातों में गौर करने पर दक्षिण के राज्यों में हिंदुत्व को लेकर भाजपा अपना जनाधार बनाना चाहती थी। उसमें वह विफल साबित हुई है। केरल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सक्रिय है। तमिलनाडु में भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की शाखाएं लगाई जा रही हैं। किंतु दक्षिण के राज्यों में कहीं पर भी हिंदुत्व के मुद्दे पर धुव्रीकरण नहीं हो पा रहा है। यह चुनाव परिणामों ने स्पष्ट कर दिया है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने भी लोगों की सोच को बदलने का काम किया है। मोहब्बत और नफरत की बातें अब आम आदमी भी समझने लगा है। सत्ता के खेल को भी अब आम आदमी समझ रहा है। कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में दो बातें स्पष्ट हो गई। हिंदुत्व का कार्ड दक्षिण के राज्यों में नहीं चलेगा। वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हिंदू सम्राट के रूप में मतदाताओं में जो विश्वास था, वह भी डगमगाने लगा है। लोगों को जीवन यापन में भारी मुसीबतों का सामना करना पड़ रहा है। महंगाई और बेरोजगारी अब धर्म से भारी पड़ रही है। भाजपा को लोकसभा चुनाव जीतने के लिए अब नई रणनीति तैयार करना होगी। अन्यथा धार्मिक ध्रुवीकरण के बल पर जो हो सकता था, वह हो चुका है। काठ की हांडी बार-बार नहीं चढ़ती है। इस वास्तविकता को समझने की जरूरत है।

आखिर क्यों बरकरार रहा उप्र निकाय चुनाव में योगी मैजिक

आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले हरेक विधनासभा और नगर निगम चुनाव पर सारे देश की निगाहें रहने वाली हैं। इस परिप्रेक्ष्य में कर्नाटक विधानसभा और उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव का नतीजा देखना होगा। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी को निराशा हाथ लगी लेकिन उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव ने पार्टी को जश्न मनाने का पूरा मौका दिया है। अभी देश में सिर्फ और सिर्फ कर्नाटक चुनाव की ही चर्चा हो रही है । जबकि, उत्तर प्रदेश नगर निकाय चुनाव में कर्नाटक में जितने मतदाताओं ने भाग लिया उससे कहीं ज्यादा मतदाताओं ने अपने मताधिकार का उपयोग किया । अतः मैं तो आज उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव की ही चर्चा करूंगा ।

भारतीय जनता पार्टी ने उत्तर प्रदेश में अभूतपूर्व जीत हासिल करते हुए सभी 17 नगर निगम में अपना परचम लहराया है। इसके अतिरिक्त सभी अन्य निकाय में भाजपा का प्रदर्शन अत्यंत ही प्रभावशाली रहा है । सपा, कांग्रेस और बसपा का सूपड़ा साफ हो गया , ऐसा कहें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी । बेशक, इस चुनाव परिणाम से भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं का तो हौसला बढ़ेगा ही, ताज्जुब नहीं की लोकसभा चुनाव प्रचार में योगी के ह्यउत्तर प्रदेश मॉडलह्ण की गूंज सुनाई दे ।

सर्वाधिक लोकसभा सीट वाले प्रदेश उत्तर प्रदेश के निकाय चुनाव को लोकसभा चुनाव की तैयारियों के तौर पर देखा जा रहा था। चाहे सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दल हों, विपक्षी दल समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी या कांग्रेस हों। प्रत्येक राजनीतिक दल के लिए यह निकाय चुनाव उतना ही मायने रखता था। सभी दल अपने-अपने हिसाब से जोर भी खूब लगा रहे थे।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के लिए निकाय चुनाव किसी अग्निपरीक्षा से कम नहीं था। क्योंकि यह पहला चुनाव था, जो ह्यअकेलेह्ण योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी लड़ रही थी। योगी के ऊपर पूरे चुनाव का दारोमदार था। ऐसे में जीत का श्रेय भी योगी आदित्यनाथ को ही मिलना स्वाभाविक है। उत्तर प्रदेश नगर चुनाव में भारतीय जनता

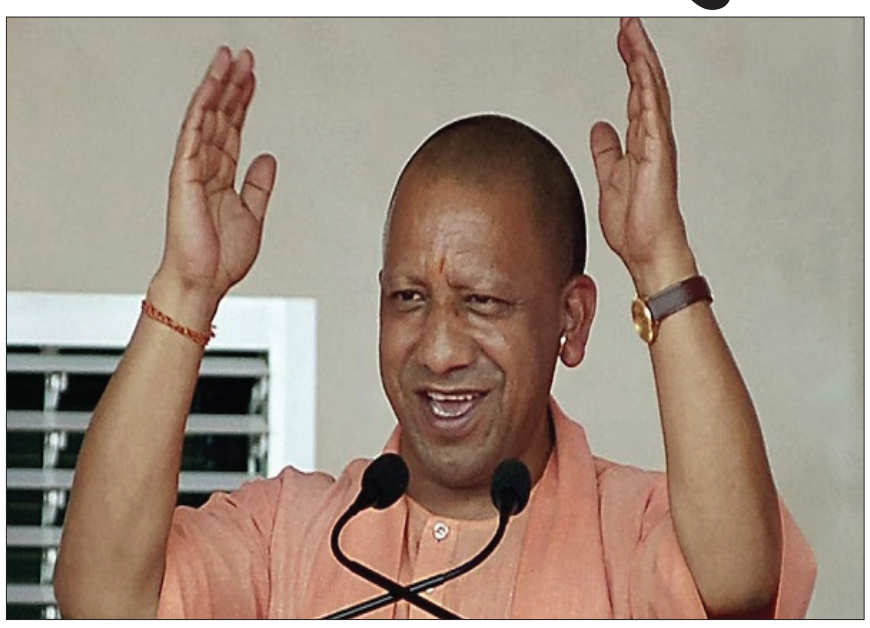

पार्टी ने अभूतपूर्व जीत हासिल करते हुए सभी 17 नगर निगमों में अपना परचम लहराया है।

2017 के विधानसभा चुनाव से लेकर उत्तर प्रदेश में हुए अब तक के हर चुनाव पर नजर डालें तो योगी की छवि कद्दावर नेता के तौर पर उभरी है। 2017 में योगी आदित्यनाथ जब भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत के बाद मुख्यमंत्री बनाए गए तो उनकी अगुवाई में भारतीय जनता पार्टी ने पहला चुनाव, नगर निकाय का ही लड़ा था। उस चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने कुल 14 नगर निगमों में जीत हासिल की थी, यही नहीं 70 नगर पालिका अध्यक्ष और नगर पंचायतों में 100 सीटों पर जीत के साथ बढ़िया प्रदर्शन किया था। भले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने खुद इस परिणाम के बाद योगी आदित्यनाथ और उनकी टीम की प्रशंसा की थी लेकिन चुनावी पंडितों ने जीत की वजह ह्यमोदी मैजिकह्ण को ही बताया था। इसके पांच साल बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए दोबारा उत्तर प्रदेश की सत्ता हासिल की। इस प्रचंड जीत से योगी की बेहतर प्रशासक की छवि पुष्ट हुई । लेकिन राजनीतिक पंडित अभी भी इस सवाल से जूझ रहे थे कि क्या योगी अकेले पार्टी की चुनावी नैया पार लगा सकते हैं?

कर्नाटक विधानसभा और उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव एक साथ हुए। चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी की पूरी केंद्रीय टीम ने कर्नाटक में ताकत झोंक रखी थी। योगी आदित्यनाथ निकाय चुनाव में अकेले ही मोर्चे पर डटे रहे। वह अपने मंत्रियों, विधायकों के साथ राज्य भारतीय जनता पार्टी टीम की अगुवाई कर रहे थे। निकाय चुनाव की योगी के लिए क्या अहमियत थी इसका अंदाजा चुनावी रैलियों से लगाया जा सकता है। योगी आदित्यनाथ ने महज 13 दिन में ह्यसंवाद का अर्धशतकह्ण लगाया, 50 रैलियां की। सपा मुखिया अखिलेश यादव से लेकर तमाम दूसरी पार्टियों की तुलना में योगी ने चुनाव प्रचार में कहीं ज्यादा पसीना बहाया। हर दिन वो अलग-अलग जिलों के दौरे पर रहे। इतना ही नहीं निकाय चुनाव के बीच में तीन दिन कर्नाटक में भी चुनाव प्रचार किया ।

मुख्यमंत्री ने प्रत्येक चुनावी रैली में उत्तर प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की सफलता, उत्तर प्रदेश में नए मेडिकल कॉलेज, हाइवे समेत इंफ्रास्ट्रक्चर एवं चौतरफा विकास पर खूब बोला । लेकिन , सबसे ज्यादा जोर अपराधियों के खिलाफ एक्शन पर दिया। पूरे चुनाव में ह्यमाफियाओं को मिट्टी में मिला देंगेह्ण वाला बयान सर्वाधिक चर्चा में रहा। उमेश पाल हत्याकांड के बाद उत्तर प्रदेश सरकार का बुलडोजर एक्शन से लेकर शूटर्स का एनकाउंटर हो या माफिया अतीक अहमद और उसके भाई की पुलिस कस्टडी में हत्या। भारतीय जनता पार्टी ने हाल के इन घटनाक्रमों को इस तरह से पेश किया जैसे योगी सरकार में ही यह संभव था।

अतीक-अशरफ की हत्या के बाद प्रयागराज पहुंचे योगी आदित्यनाथ ने किसी का नाम लिए बिना कहा भी था कि यहां की धरती अत्याचार बर्दाश्त नहीं करती। प्रकृति न्याय जरूर करती है। जो जैसा करेगा, उसको वैसा ही फल मिलता है। जिन लोगों ने अन्याय किया था प्रकृति ने उनके साथ न्याय कर दिया। इसी निकाय चुनाव के दौरान पश्चिम उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने दुर्दांत गैंगस्टर अनिल दुजाना को एनकाउंटर में मार गिराया, जिसकी खूब चर्चा हुई। अपनी रैलियों में योगी ने ह्नो कर्फ्यू, नो दंगा, उत्तर प्रदेश में सब चंगाह्ण और ह्गुरंगदारी न फिरौती, अब उत्तर प्रदेश नहीं है किसी की बपौतीह्ण, जैसे लोकप्रिय नारे गढ़े। योगी आदित्यनाथ ने तो नगर निकाय चुनाव को देवासुर संग्राम तक कह डाला था। सहारनपुर की जनसभा में मुख्यमंत्री ने कहा था कि यह चुनाव देवासुर संग्राम से कम नहीं है। चुनाव में दानव के रूप में भ्रष्टाचारी हैं, दुराचारी हैं और अपराधी प्रवृत्ति के लोग हैं। जनता की मदद से निकाय चुनाव में ऐसी ताकतों को किनारे लगा देना है। सहारनपुर में बसपा उम्मीदवार इमरान मसूद चुनाव को हिंदू-मुसलमान में बांटने की कोशिश करते रहे। पर वे नाकाम रहे। वे हारे, भारतीय जनता पार्टी जीती।

-आर.के. सिन्हा

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

लालू यादव के करीबियों के यहां सीबीआई की छापेमारी, दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम समेत 9 जगहों पर रेड

नई दिल्ली। लैंड फॉर जॉब स्कैममामले में सीबीआई दिल्ली, नोएडा और गुरुगाम समेत 9 जगहों पर छापेमारी कर रही है। जानकारी के मुताबिक, इस

मामले में आरा के अगिआंव विधानसभा के राजद विधायक किरण देवी और राजद के पूर्व विधायक अरूण यादव के पैतृक आवास सहित कई ठिकानों पर सीबीआई छापेमारी कर रही है। किरण देवी पूर्व राजद विधायक अरुण यादव की पत्नी हैं। सीबीआई की कई टीम उनके पैतृक आवास अगिआंव पहुंची है। इस दौरान मौके पर भारी संख्या में राजद कार्यकर्ता भी जुटे हैं। छापेमारी को लेकर स्थिति तनावपूर्ण है।

मेट्रो में स्टंट और अश्लील हरकतें करने वालों की खैर नहीं, सादे कपड़ों में 100 पुलिस वाले होंगे तैनात

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के अंदर स्टंट और अश्लील हरकतें करने वालों पर नकेल कसने के लिए दिल्ली पुलिस अब अपने 100 से अधिक कर्मियों को सादे कपड़ों में पूर्व निर्धारित स्टेशनों पर डिब्बों के अंदर तैनात करेगी। अधिकारियों ने कहा कि डीएमआरसी और सीआईएसएफ के

अधिकारियों के साथ ये पुलिस कर्मी अपराधियों को पकड़कर कानूनी कार्रवाई करेंगे। दरअसल, कुछ लोग मेट्रो में स्टंटबाजी, डांस और बेहद शर्मनाक अश्लील हरकतें करने लगते हैं। ऐसे अनेक वीडियो भी वायरल हो चुके हैं। कई लोग यूट्यूब के लिए या शॉर्ट फिल्म आदि के उद्देश्य से मेट्रो में वीडियो बनाने लगते हैं। कई बार सरेआम अश्लील हरकतें करते हैं, जिससे यात्रियों को बहुत बुरा लगता है। मेट्रो में बेहद अश्लीलता करने वाला एक वीडियो हाल ही में वायरल हुआ तो तमाम यात्रियों ने अपने-अपने ढंग से आपत्तियां व्यक्त की थीं।

पूर्व आईएएस रमेश अभिषेक की आय से अधिक संपत्ति का मामला, लोकपाल कार्यवाही में हस्तक्षेप करने से कोर्ट का

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में पूर्व आईएएस अधिकारी रमेश अभिषेक के खिलाफ शुरू की गई लोकपाल कार्यवाही में हस्तक्षेप करने से इन्कार कर दिया। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम सिंह के समक्ष फॉरवर्ड मार्केट्स कमीशन के पूर्व अध्यक्ष ने लोकपाल द्वारा पारित एक आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें प्रवर्तन निदेशालय को जांच का निर्देश

दिया गया था। अदालत ने कहा कि लोकपाल के समक्ष कार्यवाही को रोकने के लिए बार-बार याचिकाएं कानून के उद्देश्य को विफल कर देंगी। याचिकाकर्ता जुलाई 2019 में सेवानिवृत्त हुए हैं। याची ने लोकपाल की कार्यवाही को कई आधारों पर चुनौती दी।

न्यायाधीश ने वर्तमान मामले में कहा कि याचिकाकर्ता के खिलाफ अभियोजन शुरू करने का आदेश अभी पारित किया जाना बाकी है और जांच एजेंसी को भी इस मामले में अपनी अंतिम रिपोर्ट दाखिल करनी है। यह स्पष्ट है कि याचिकाकर्ता लोकपाल के समक्ष एक उचित स्तर पर निष्कर्षों से निपटने के लिए एक उपयुक्त आवेदन दायर कर सकता है।

बीजेपी सांसद प्रवेश सिंह ने वीडियो शेयर कर आप पार्षद पर लगाए उगाही के आरोप

नई दिल्ली। बीजेपी सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए एक बार फिर आप पर हमला बोला है. बीजेपी सांसद ने एक वीडियो जारी करते हुए रेहड़ी पटरी वालो से पैसों की उगाही का आरोप लगाया है.

बीजेपी सांसद प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने कहा कि कुछ दिनों पहलेआप के निगम पार्षद को बीजेपी जॉइन करवाने के दौरान मैंने रेहड़ी पटरी वालो से पैसों की उगाही की बात कही थी, जिसपरआप ने मुझे और वीरेंद्र सचदेवा को लीगल नोटिस भेज दिया. साथ ही आरोपों को निराधार बताया.

बीजेपी सांसद नेआप पर आरोप लगाते हुए कहा कि दिल्ली में शराब घोटाला करते हैं, MCD में आते ही सारे निगम पार्षदों ने बिल्डर के साथ समाज के आम आदमी जो वीकली बाजार लगाता है उससे पैसे लेने शुरू कर दिए. बीजेपी सांसद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान एक वीडियो जारी किया, जिसमें इस बात का दावा किया गया है कि इसमें नजर आ रहा शख्स निगम अध्यक्ष देसराज और मंडल अध्यक्ष राकेश अग्रवाल हैं. इस दौरान बीजेपी सांसद ने राकेश अग्रवाल का फेसबुक फोटो भी दिखाया, जिसमें निगम पार्षद देसराज और संजय सिंह भी साथ हैं.

निगम पार्षद को बर्खास्त करने की मांग

बीजेपी सांसद ने आरोप लगाया कि एक रेहड़ी वाले से 500 रुपये लिए जा रहे हैं. वार्ड अध्यक्ष खुलेआम रेहड़ी वालो से पैसे ले रहे हैं.दिल्ली में ऐसे हजारों वीकली बजार लगते हैं.आप को टारगेट मिला हुआ है ये किसकी जेब में जा रहा है? सांसद ने कहा, मैंने क्षेत्र के DCP को शिकायत की है, साथ ही इस आदमी की गिरफ्तारी की मांग भी की है.आप को निगम पार्षद देसराज राघव को बर्खास्त करना चाहिए.

बीजेपी सांसद ने कहा कि केजरीवाल खुद रिकॉर्डिंग करने की बात करते थे, आज हम वीडियो दिखा रहे हैं. बंद कमरों में पैसे ले रहे होंगे, लेकिन सबसे गरीब आदमी को भी नही छोड़ा जा रहा. वार्ड अध्यक्ष रोज का 500 रु ले रहे हैं, दिल्ली की जनता को ये वीडियो दिखाया जाना चाहिए. दिल्ली की जनता की आंखे खुलनी चाहिए. सरकार ने शराब घोटाला किया, अब स्वच्छ में रेहड़ी पटरी वालो से उगाही. वार्ड अध्यक्ष खुद अपनी मर्जी से पैसे नही ले सकता. आखिर इसके पीछे कौन है?

जल्द जेल जाएंगे केजरीवाल

बीजेपी सांसद ने इस बात का भी दावा किया कि छ्टरू केजरीवाल जल्द जेल जाने वाले हैं. जांच एजेंसी के पास पर्याप्त सबूत है, जिसमें ये साबित होता है कि गैंग लीडर केजरीवाल हैं. केजरीवाल का डर हमें दिखाई देता है. इस दौरान बीजेपी सांसद ने कहा की हमें ऐसे पार्षदों को निकालने में एक मिनट का भी समय नहीं लगेगा.आप कार्यकर्ता हमें ऐसे वीडियो भेजें.

गांधीनगर में कारोबारी से लूट, पुलिस की गिरफ्त में छेनू गैंग के दो बदमाश

नई दिल्ली। दिल्ली के कुख्यात छेनू गैंग के दो लूटेरों को शाहदरा जिला की गांधी नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार आरोपी की पहचान जाफराबाद निवासी नफीस और कैलाश नगर निवासी अर्जुन कश्यप के तौर पर हुई है. इसको लेकर 9 मई को रात 8 बजे पुलिस स्टेशन गांधी नगर में लूटपाट की कॉल प्राप्त हुई थी.

बता दें कि ललित कुमार ने शिकायत दी कि उनका गांधी नगर के अशोक गली में अंडरगारमेंट्स का कारोबार है. रात लगभग 8 बजे अपनी दुकान और गोदाम बंद करने के बाद वह घर जाने के लिए मेट्रो स्टेशन के लिए रिक्शा पकड़ने जा रहे था. उसके पास एक बैग था, जिसमें कार्यालय और गोदाम की चाबी और 2000 रुपये थे. जब वह शिव शक्ति मंदिर के पास पहुंचा तो अचानक पीछे से दो लोग हेलमेट पहनकर स्कूटी पर आए और टक्कर मार दी. जिससे वह गिर गया. तब एक आरोपी स्कूटी से उतरा और उसका बैग छीन लिया. जब उसने विरोध किया तो उसने बंदूक दिखा कर मारने की धमकी दी. शोर-शराबा सुनकर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए. लोगों को देखकर दोनों बदमाश स्कूटी छोड़कर भाग गए.

मौके पर स्कूटी पर रजिस्ट्रेशन नंबर यूपी 65 एबी 2326 पाया गया. जांच करने पर नंबर फर्जी पाया गया और स्कूटी का मूल नंबर डीएल 5एस एसी 2267 पाया गया.

शिकायतकर्ता की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया और जांच शुरू की गई. जांच के लिए एसआई सचिन, क्रैक टीम स्टाफ एचसी (हेड कांस्टेबल) धर्मेंद्र, एचसी श्यामवीर और एचसी राहुल के साथ-साथ बीट स्टाफ एचसी रोहित, एचसी शांतनु और कांस्टेबल महेंद्र की एक समर्पित टीम का गठन किया गया. 200 से अधिक सीसीटीवी कैमरों को बारीकी से खंगाला तो एक आरोपी को ई-रिक्शा पर भागते हुए नजर आया, जिसकी पहचान अर्जुन कश्यप के रूप में हुई. आरोपी को उसके कैलाश नगर स्थित घर से गिरफ्तार किया गया है.

वहीं पुलिस द्वारा लगातार पूछताछ में उसने मामले में अपनी संलिप्तता को कबूला और आगे की पूछताछ में उसने अपने सहयोगी का नाम जाफराबाद निवासी नफीस बताया. जिसके बाद आरोपी नफीस के घर पर छापा मारा गया और उसे भी गिरफ्तार कर लिया गया. आरोपी से पूछताछ करने पर पता चला कि वह सीलमपुर के कुख्यात छेनू पहलवान गैंग का सदस्य है. आरोपियों की निशानदेही पर उनके कब्जे से शिकायतकर्ता की दुकान की चाबी के साथ-साथ अन्य दस्तावेजों से भरा बैग बरामद किया गया.

दिल्ली सरकार का नोटिस मिलते ही ड्यूटी पर लौटे आईएएस आशीष मोरे, सुप्रीमकोर्ट का निर्णय मानने पर हुए राजी

नई दिल्ली। दिल्ली के सेवा सचिव आशीष मोरे कई दिनों तक गायब रहने के बाद आखिरकार आज सामने आ गए और उच्चतम न्यायालय के आदेशों का पालन करने पर सहमत हो गए। दिल्ली सरकार के सेवा विभाग के मंत्री सौरभ भारद्वाज की ओर से सेवा विभाग के सचिव आशीष मोरे को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। श्री मोरे पर कथित रूप से तबादले की फाइल चलाने के बजाय ड्यूटी से बिना सूचना गायब रहने का आरोप था। आशीष मोरे आज अचानक सचिवालय स्थिति अपने दफ्तर में आए और उन्होंने उच्चतम न्यायालय के निर्णय को मानने और नए सेवा सचिव की तैनाती को औपचारिक रूप से आगे बढ़ाने की बात कही।

सौरभ भारद्वाज ने श्री मोरे को कारण बताओ नोटिस जारी किया था। मंत्री की ओर से यह कदम आशीष मोरे द्वारा सेवा सचिव की पोस्टिंग के संबंध में मंत्री के निर्देशों का पालन करने से इन्कार करने और बिना बताए कार्यालय से अनुपस्थित रहने के बाद उठाया गया था।

गौरतलब है कि 11 मई को उच्चतम न्यायालय की ओर से तबादले और तैनाती का अधिकार दिल्ली सरकार को देने के फ़ैसले के बाद श्री भारद्वाज ने आशीष मोरे को उनके पद से हटाकर अन्य अधिकारी को तैनात कर दिया था। आशीष मोरे ने मंत्री को आश्वासन दिया था कि वह नए अधिकारी की संबंधित फाइल को जल्द पेश कर देंगे लेकिन ऐसा करने के बजाय वह मंत्री या उनके कार्यालय को सूचित किए बिना सचिवालय से गायब हो गए थे।

निर्माण के 8 साल भी नहीं शुरू हो सका 'आम आदमी पॉलीक्लिनिक', इलाज के लिए भटकने को मजबूर लोग

नई दिल्ली। बदरपुर विधानसभा क्षेत्र के गौतमपुरी इलाके में आम आदमी पॉलीक्लिनिक का निर्माण किए जाने के बाद भी अब तक उसे लोगों के लिए शुरू नहीं किया गया है, जिसको लेकर लोगों ने दिल्ली सरकार से गुहार लगाई है. लोगों का कहना है कि गौतमपुरी इलाके में बना पॉलीक्लिनिक जल्द से जल्द लोगों के उपचार के लिए शुरू किया जाना चाहिए, ताकि लोगों को अपनी छोटी-छोटी बीमारियों के लिए एम्स और सफदरजंग जैसे अस्पताल के चक्कर नहीं काटना पड़ें.

दिल्ली सरकार के द्वारा गौतमपुरी इलाके में बनाए गए आम आदमी पॉलीक्लिनिक की बिल्डिंग पूरी तरह से तैयार हो चुकी है, जिसमें लोगों के लिए जरूरी सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं. बावजूद इसके अभी तक इसे लोगों के लिए नहीं शुरू किया जा सका है. दरअसल इस पॉलीक्लिनिक का शिलान्यास 26 मई 2013 को कांग्रेस के सांसद रमेश कुमार के द्वारा किया गया था, जिसके बाद इस

पॉलीक्लिनिक का निर्माण दिल्ली सरकार के द्वारा किया गया. पॉलीक्लिनिक की निर्माण के बाद भी इसे खोला नहीं गया, वहीं पॉलीक्लिनिक की इस बिल्डिंग के कई सामान को असामाजिक तत्वों के द्वारा चोरी भी कर लिया गया है. लोगों ने बताया कि यहां पर लगे ष्टष्ठङ्क को भी चोर चुराकर ले गए. वहीं पॉलीक्लिनिक के बारे में जब स्थानीय लोगों से बात की गई तो उनका कहना है कि इस पॉलीक्लिनिक के निर्माण के बाद हम लोग बहुत खुश थे.लोगों को छोटी-छोटी बीमारियों को दिखाने के लिए एम्स और सफदरजंग जैसे अस्पतालों का चक्कर लगाना पड़ता है. सबसे ज्यादा दिक्कत महिला की डिलीवरी के समय होती है, तब उसे या तो उसे प्राइवेट अस्पताल ले जाना पड़ता है या फिर एम्स और सफदरजंग. इस पॉलीक्लिनिक के निर्माण के बाद हमें लगा था कि सभी प्रकार की परेशानियों से निजात मिल जाएगा, लेकिन पिछले 8 सालों से ये महज इमारत बनकर खड़ी है. यहां के लोगों का सवाल है कि जब बिल्डिंग पूरी तरह से तैयार हो चुकी है तो उसे शुरू क्यों नहीं किया जा रहा. इसके शुरू होने से गौतमपुरी और इसके आस-पास के लोगों को इसका फायदा मिलेगा. इस पॉलीक्लिनिक का निर्माण निदेशालय स्वास्थ्य सेवा दिल्ली सरकार द्वारा किया गया है, इसका निर्माण कार्य पूरा किए जाने के बाद भी अभी तक इस पॉलीक्लिनिक के गेट पर दिल्ली सरकार द्वारा ताला लगाया गया है. इस आम आदमी पॉलीक्लिनिक के निर्माण को लगभग 8 वर्ष बीत चुके हैं, यहां लगाया गया आधे से ज्यादा सामान अब तक चोरी हो चुक है, बावजूद इसके, क्क सरकार द्वारा इसे शुरू करने का फैसला क्यों नहीं लिया जा रहा ये सभी की समझ से परे है.

परिवार पर चाकू से हमला कर शख्स ने लगाई फांसी, तीन की हुई मौत; बेटे की हालत नाजुक

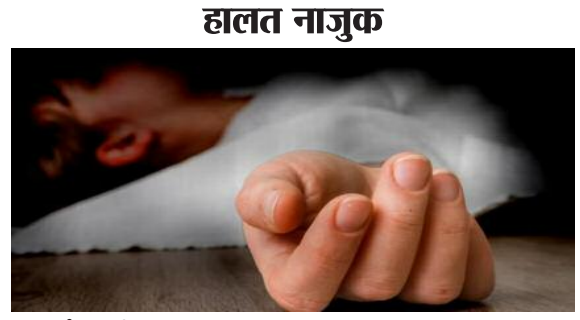

नई दिल्ली। शाहदरा इलाके मे ज्योति कॉलोनी में एक शख्स ने अपने परिवार के तीन सदस्यों को चाकू मारकर खुदकुशी की कर ली। बताया जा रहा है कि शख्स ने अपनी पत्नी, बेटी और बेटे पर चाकू से हमला करने के बाद आत्महत्या कर ली। बेटे की हालत नाजुक बताई जा रही है, उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के मुताबिक, शाहदरा के पुलिस उपायुक्त रोहित मीणा ने बताया कि सुशील वेस्ट विनोद नगर स्थित डीएमआरसी डिपो में सुपरवाइजर थे। पत्नी अनुराधा, बेटी अदिति और बेटे युवराज पर चाकू से हमला किया। इसके बाद खुद फंदे से लटक गया। तीन की मौत हुई है, जबकि बेटे युवराज का जीटीबी अस्पताल में इलाज चल रहा है।

आबकारी घोटाला मामले में सीबीआई ने दूसरे आरोपपत्र में किया खुलासा, 'सिसोदिया ने नष्ट की थी कानूनी राय वाली कैबिनेट नोट फाइल'

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले के सिलसिले में दायर अपने पूरक आरोपपत्र में आरोप लगाया है कि दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आबकारी विभाग द्वारा तैयार उस कैबिनेट नोट के मसौदे को 'नष्ट' कर दिया, जो 28 जनवरी, 2021 को आयोजित बैठक में मंत्रिपरिषद के समक्ष रखा गया था। कैबिनेट नोट का मसौदा कानूनी राय लेने के लिए रंजन गोगोई और के.जी. बालकृष्णन (दोनों भारत के पूर्व प्रधान न्यायाधीश), वरिष्ठ अधिवक्ता और भारत के पूर्व अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी और अन्य को भेजा गया था।

सीबीआई ने दावा किया है कि उनकी कानूनी राय ज्यादातर यथास्थिति बनाए रखने के पक्ष में थी, जिसका मतलब है कि जो नीति लाई जा रही थी, उसे रोक दिया जाना चाहिए। 28 जनवरी, 2021 को कैबिनेट नोट वाली एक फाइल कैंप ऑफिस (दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद

केजरीवाल के सरकारी आवास) ले जाई गई। इधर, दिल्ली आबकारी विभाग के अधिकारियों ने केजरीवाल के अतिरिक्त सचिव प्रवेश झा को फाइल सौंपी। के.पी. गुप्ता, जो वित्त सचिव का काम देख रहे थे, ने फाइल पर हस्ताक्षर किए, इसमें सिसोदिया को चिह्नित किया गया और झा को वापस दे दिया गया। इसके बाद सिसोदिया को झा ने मंत्रिपरिषद की बैठक के समक्ष रखने से पहले मुख्यमंत्री की मंजूरी लेने के लिए फाइल दी थी। हालांकि बैठक में मंत्रियों की ओर से इस फाइल पर विचार नहीं किया गया। सूत्र ने चार्जशीट का हवाला देते हुए कहा, 'सिसोदिया ने दिल्ली आबकारी आयुक्त राहुल सिंह को फोन किया, और कैबिनेट नोट में कानूनी विशेषज्ञों की टिप्पणियों को शामिल करने पर अपना गुस्सा प्रकट किया। सिसोदिया ने दिल्ली आबकारी विभाग या आबकारी अधिकारियों को कैबिनेट नोट वाली फाइल वापस नहीं की। बाद में जब सीबीआई ने कैबिनेट नोट फाइल के बारे में पूछताछ की, तो वित्त विभाग ने बताया कि फाइल गायब है।÷

सीबीआई ने यह भी आरोप लगाया है कि बाद में उनके डिजिटल साक्ष्यों ने पुष्टि की कि फाइल आबकारी विभाग द्वारा सिसोदिया को सौंपी गई थी। सीबीआई ने कहा कि बाद में 2 फरवरी, 2021 को सिसोदिया ने एक नया नोट बनाया, लेकिन वहां उन्होंने पिछले कैबिनेट नोट का कोई जिक्र नहीं किया। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि ऐसा कैबिनेट नोट को प्रस्तुत करने को दबाने के इरादे से किया गया था।

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि सिसोदिया ने तब नए आबकारी आयुक्त को भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश की कानूनी राय का कोई संदर्भ दिए बिना एक नया कैबिनेट नोट तैयार करने का निर्देश दिया था और 5 फरवरी, 2021 को एक नया कैबिनेट नोट मंत्रिपरिषद की बैठक के समक्ष रखा गया।सूत्र ने कहा, 'यह स्पष्ट रूप से इंगित करता है कि सिसोदिया मामले में शामिल अभियुक्तों की मदद करना चाहते थे और सह-अभियुक्तों के डिजाइन के अनुरूप एक विशेष तरीके से आबकारी नीति तैयार करने के लिए पूर्व-कल्पित विचार के साथ काम कर रहे थे और मूल कैबिनेट को बेईमानी से नहीं रखा था। 28 जनवरी, 2021 की कैबिनेट बैठक में नोट किया और कैबिनेट नोट की फाइल को भी नष्ट कर दिया, क्योंकि यह उनके गुप्त डिजाइन के अनुरूप नहीं था।'

पीसीआर वैन पर दिल्ली में झुग्गी निवासियों ने किया हमला, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस के तीन सब इंस्पेक्टर पर कथित झुग्गीवालों ने हमला बोल दिया। इस हमले में पुलिस की पीसीआर वैन टूट गई। साथ में तीन पुलिस वाले घायल हो गए, जिनको अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना राजधानी के शास्त्री पार्क इलाके की है। मामले की जानकारी पुलिस के आला अधिकारियों ने दी। पुलिस ने बताया कि इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनकी पहचान अब्दुल खालिद (74), मोहम्मद हसीन (28) और फूल बाबू (25) के तौर पर हुई है।

पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, सोमवार को रात करीब पौने दस बजे जानकारी मिली कि कुछ झुग्गी वालों ने पुलिस की वैन पर हमला कर दिया है, जिसमें पीसीआर वैन को नुकसान हुआ है। जानकारी मिलने के साथ ही स्थानीय थाने से पुलिस मौके पर पहुंची। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि जानकारी मिली कि पेट्रोल पंप कब्रिस्तान के पास कोई

झगड़ा हुआ है। जैसे ही पुलिस घटनास्थल के लिए रवाना होने लगी, उसी दौरान कुछ अराजक तत्वों ने वैन को घेर लिया और उसपर हमला कर दिया जिससे वैन क्षतिग्रस्त हो गई। वैन में सवार जवान भी घायल हो गए। उन्होंने आगे बताया कि राजधानी के शास्त्री पार्क में आईपीसी की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं इस मामले में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इस घटना में शामिल अन्य की तलाश जारी है। सब इंस्पेक्टर पप्पू लाल मीना, राजकुमार और रोबिन को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है।

संजय सिंह ने शराब घोटाले की जांच पर उठाए सवाल, बोले- मारपीट कर गन प्वाइंट पर लेते हैं झूठे बयान

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने आज मंगलवार को प्रेस कॉन्फेंस कर भाजपा पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने कहा, '100 करोड़ रुपये के तथाकथित शराब घोटाले में देशभर में 8 महीने की जांच के बाद पहले कोर्ट में बोले 30 करोड़ का घोटाला है फिर जब कोर्ट ने पूछा साक्ष्य रखें तो बोले 6 लाख के सबूत हैं। ये क्या मजाक है? अब दो दिन से बोल रहे हैं 17 करोड़ के सबूत मिल गए। ये जांच है या कॉमेडी?'

उन्होंने आगे कहा, 'पीएम मोदी के आदेश पर CBI-ED अरविंद केजरीवाल को बदनाम करने और उनसे जुड़े नेताओं को प्रताड़ित करने का काम कर रही है। इस काम में ईडी डारेक्टर संजय मिश्रा, अधिकारी भानू प्रिया और अनमोल सचान लगे हैं। ये लोगों से मारपीट कर,'बेटी कॉलेज कैसे जाएगी' की धमकी देकर गन प्वाइंट पर झूठे बयान लेते हैं। हमारे पास बहुत सारे साक्ष्य आ गए हैं, समय आने पर उजागर करेंगे।'

'राहुल सिंह की जगह लिख दिया था संजय सिंह'

उन्होंने कहा कि ईडी-सीबीआई ने कहा कि एक व्यक्ति की केजरीवाल से मुलाकात हुई। हकीकत- उसके मां-पत्नी को धमका कर झूठा बयान लिया गया। ईडी-सीबीआई के पास कोई सुबूत नहीं तो कोर्ट ने राजेश जोशी, गौतम मल्होत्रा को बेल दे दी। अब 17 करोड़ की मनोहर कहानी ले आए हैं जो एक साल तक चलाएंगे। आप नेता ने कहा कि इन्होंने हाल ही में गलती मानी, राहुल सिंह की जगह संजय सिंह लिख दिया था।

इन्होंने एक नहीं तीन चार्जशीट में मेरा नाम गलती से लिखा। जब मैंने मानहानि नोटिस दिया तब गलती मानी। इसका मतलब इंफॉर्मेशन नोटिस न देता तो एक सांसद को बिना बात पर ये जेल में डाल देते।

संक्षेप खबर

आयरलैंड को पांच रन से हराकर बांग्लादेश ने वनडे श्रृंखला जीती

चेम्सफोर्ड। कप्तान तामिम इकबाल के 69 रन और मुस्ताफिजूर रहमान के चार विकेट की मदद से बांग्लादेश ने आयरलैंड को पांच रन से हराकर एक दिवसीय क्रिकेट श्रृंखला जीत ली। बांग्लादेश ने 48.5 ओवर में 274 रन बनाये। जवाब में आयरलैंड जीत के करीब पहुंच रहा था और उसे आखिरी ओवर में दस रन की जरूरत थी। उसने हसन महमूद के इस ओवर में तीन गेंद में दो विकेट गंवा दिये और नौ विकेट पर 269 रन ही बना सकी। बांग्लादेश ने दूसरा वनडे तीन विकेट से जीता था जबकि पहला मैच बारिश में धुल गया था। इकबाल ने दूसरे विकेट के लिये नजमुल हुसैन शांतो (35) के साथ 49 और तीसरे विकेट के लिये लिटन दास (35) के साथ 70 रन की साझेदारी की। मुशफिकुर रहीम ने 45 और मेहदी हसन मिराज ने 37 रन बनाये। आयरलैंड के लिये सलामी बल्लेबाज पॉल स्टर्लिंग ने 60 और कप्तान एंडी बालबर्नी ने 53 रन बनाये।

शाकिब अल हसन अंगुली में लगी चोट के कारण छह सप्ताह के लिए हुए क्रिकेट से दूर

ढाका। बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी शाकिब अल हसन अंगुली में लगी चोट के कारण करीब छह हफ्ते के लिए क्रिकेट से दूर हो गए हैं। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने रविवार को उक्त जानकारी दी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने कहा कि इंग्लैंड के चेम्सफोर्ड में आयरलैंड के खिलाफ शुक्रवार को दूसरे एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच के दौरान शाकिब को कैच लेने के प्रयास में दाहिनी तर्जनी की नोक पर चोट लग गई। राष्ट्रीय टीम के फिजियो बायजेदुल इस्लाम खान ने कहा, शनिवार को एक्स-रे के जरिए अंगुली में फ्रैक्चर की पुष्टि हुई। इस तरह की चोटों को ठीक होने में आमतौर पर छह सप्ताह लगते हैं।

ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज की मेजबानी करेगा

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलियाई पुरुष क्रिकेट टीम इन गर्मियों में पाकिस्तान और वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज की मेजबानी करेगी। ऑस्ट्रेलियाई टीम 14 दिसंबर से 7 जनवरी तक पाकिस्तान के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। इसके बाद टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ 17 से 29 जनवरी तक दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला खेलेगी। पाकिस्तान श्रृंखला पर्थ में शुरू होती है, उसके बाद मेलबर्न और सिडनी में बॉक्सिंग डे और न्यू ईयर टेस्ट खेली जाएगी। वेस्टइंडीज श्रृंखला का पहला टेस्ट एडिलेड में होगा, इससे पहले टीमें डे-नाइट टेस्ट के लिए ब्रिस्बेन जाएंगी। संयुक्त राज्य अमेरिका और वेस्ट इंडीज में अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया फरवरी में वेस्ट इंडीज के खिलाफ तीन एक दिवसीय और तीन ट्वेंटी-20 मैच खेलेगा। ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम वेस्ट इंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैच भी खेलेगी, इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एक बहु-प्रारूप श्रृंखला होगी।

हरियाणा ने जीता सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप का खिताब

राउरकेला। गत चैंपियन हॉकी हरियाणा ने 13वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर महिला राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2023 का खिताब जीत लिया है। वहीं, हॉकी झारखंड दूसरे स्थान पर रहा। हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने विश्व स्तरीय बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में उत्तर प्रदेश हॉकी को हराकर टूर्नामेंट में तीसरा स्थान हासिल किया। इस11-दिवसीय टूर्नामेंट में 28 टीमों ने हिस्सा लिया था। रविवार शाम खेले गए खिताबी मुकाबले में हॉकी हरियाणा ने फाइनल में हॉकी झारखंड को 3-2 से हराकर ट्रॉफी जीती। हरियाणा की टीम टूर्नामेंट में अजेय रही। मैच में झारखंड के लिए संगीता कुमारी (7%) और अंकिता मिंज (27%) ने गोल किया, जबकि हरियाणा के लिए भाव्या (25%, 58%) ने दो और मीनाक्षी (36%) ने एक गोल किया। इससे पहले दिन में, हॉकी एसोसिएशन ऑफ ओडिशा ने उत्तर प्रदेश हॉकी को पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हरा कर तीसरा स्थान हासिल किया। दोनों टीमें इस कड़े मुकाबले में तय समय तक 1-1 से बराबरी पर रहीं। उत्तर प्रदेश के लिए रश्मी रायकवार (6%) ने मैच का पहला गोल किया, हालांकि सोनाली एक्का (43%) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर ओडिशा को 1-1 से बराबरी दिला दी। पेनल्टी शूट आउट में ओडिशा के लिए कुल्लू ने पांच में से दो गोल बचाए और कप्तान तनुजा टोप्पो, बिनती मिंज, अमीषा एक्का और सोनाली एक्का ने गोल कर अपनी टीम को शूटआउट में 4-3 से जीत दिला दी।

अदिति फाउंडर्स कप में संयुक्त पांचवें स्थान पर

क्लिफ्टन। पहले तीन दिन खिताब की दौड़ में रहने के बाद भारत की अदिति अशोक एक ओवर 73 के निराशाजनक स्कोर के बाद फाउंडर्स कप गोल्फ में संयुक्त पांचवें स्थान पर रही। इससे पहले अदिति जेएम ईगल एलए चैम्पियनशिप में उपविजेता रही थी। इस प्रदर्शन के बाद वह रेस टू सीएमई ग्लोब में शीर्ष 20 में पहुंच जायेगी लेकिन एलपीजीए टूर पर खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनने के लिये अभी उन्हें और इंतजार करना होगा। अगले सप्ताह वह आरामको सीरिज फ्लोरिडा में खेलेंगी। कोरिया की जिन यंग को ने पांच साल में तीसरी बार खिताब जीता और गत चैम्पियन मिंजी ली दूसरे स्थान पर रही।

बार्सिलोना ने पांच साल बाद जीता ला लीगा खिताब

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना ने स्पैनिश फुटबॉल चैंपियनशिप के 34वें चरण में आरसीडी एस्पेन्योल को हराकर ला लीगा का खिताब जीत लिया है। कॉर्नेला एल-प्रैट स्टेडियम पर रविवार को खेले गये मुकाबले में बार्सिलोना ने 4-2 की जीत के साथ पांच साल बाद ला लीगा की ट्रॉफी अपने नाम की। इस जीत के साथ बार्सिलोना ने अंक तालिका में 85 अंक हासिल कर लिये। तालिका में दूसरे स्थान पर मौजूद रियल मैड्रिड (71 अंक) के लिये यहां तक पहुंचना असंभव है। बार्सिलोना ने जीत के बाद ट्वीट किया, ला लीगा हमारा है, और भविष्य भी।

गुजरात टाइटंस को नंबर 3 पर एक सेट बल्लेबाज की जरूरत : इरफान पठान

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में लीग चरण का आखिरी हफ्ता शुरू हो गया है और प्लेऑफ के लिए कोई भी टीम क्वालीफाई नहीं कर पाई है। आज शाम गुजरात टाइटंस की टीम सनराइजर्स हैदराबाद की मेजबानी करेगी जो लीग चरण में उसका आखिरी घरेलू मैच होगा। हार्दिक पांड्या की अगुवाई वाली टीम यदि हैदराबाद को हरा देती है, तो वे प्लेऑफ़ के लिए क्वालीफाई कर जाएंगे। भारत के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ ने कहा कि गुजरात की इस सीज़न में शीर्ष चार में प्रवेश करने वाली पहली टीम बन सकती है। स्टार स्पोर्ट्स के शो क्रिकेट लाइव में कैफ ने कहा, हैदराबाद के खिलाफ जीत के साथ गुजरात टाइटन्स प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करने वाली पहली टीम हो सकती है। कप्तान हार्दिक पांड्या पिछले गेम में अपने और अपनी टीम के प्रदर्शन से नाखुश दिखे और वे इस पर ध्यान देंगे। घर से बाहर उनका प्रदर्शन अच्छा रहा है और वे इस बार घर में जीत का रिकॉर्ड सुधारना चाहेंगे। भारत के पूर्व क्रिकेटर इरफान पठान ने कहा कि इस आईपीएल में गुजरात की बल्लेबाजी लाइन-अप में तीसरे नंबर पर एक सेट बल्लेबाज की जरूरत है। इरफान ने कहा, गुजरात टाइटंस को नंबर 3 पर बल्लेबाजी की समस्या का सामना करना पड़ रहा है। हार्दिक इस साल बल्ले से उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाए हैं। लेकिन अगर वह तीन नंबर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। टीम प्रबंधन के लिए तीसरे नंबर पर किस बल्लेबाज को भेजा जाए, इसकी समस्या आ रही है।

चक्रवर्ती को नीलामी में नहीं खरीद पाने का अब तक है मलाल : फ्लेमिंग

चेन्नई। चेन्नई सुपर किंग्स के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने कहा कि आईपीएल नीलामी में पूर्व नेट गेंदबाज वरूण चक्रवर्ती को नहीं खरीद पाने का मलाल उन्हें आज तक है। चक्रवर्ती कुछ साल तक चेन्नई के नेट गेंदबाज रहे और कप्तान महेंद्र सिंह धोनी समेत चेन्नइ के बल्लेबाजों को काफी परेशान किया। चेपॉक पर आईपीएल का अपना पहला मैच खेलते हुए कोलकाता नाइट राइडर्स के आफ स्पिनर ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

सुनील गावस्कर ने धोनी से लिया सीने पर ऑटोग्राफ, बोलेः

धोनी जैसा खिलाड़ी सदी में एक ही आता है

चेन्नई। एजेंसी

भारतीय क्रिकेट के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक सुनील गावस्कर ने रविवार को देश के सबसे सफल क्रिकेट कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का ऑटोग्राफ लिया. टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों के सामने 10 हजार से ज्यादा रन बनाने वाले गावस्कर ने कोलकाता नाइटराइडर्स और चेन्नई सुपरकिंग्स के बीच यहां खेले गये मैच के बाद धोनी ने अपने सीने के पास शर्ट पर ऑटोग्राफ लिया । चेन्नई सुपरकिंग्स का मौजूदा सत्र में यह चेपॉक मैदान पर यह आखिरी मैच था. मैच के बाद 41 साल के धोनी टेनिस रैकेट और ऑटोग्राफ वाली टेनिस गेंदों के साथ मैदान में आये और वहां मौजूद दर्शकों को रैकेट की मदद से गेंद देने लगे। धोनी के साथ चेन्नई सुपरकिंग्स के दूसरे खिलाड़ी भी मैदान का चक्कर लगाकर दर्शकों को गेंद और टी-शर्ट दे रहे थे तभी गावस्कर पीछे से दौड़ते हुए उनके पास पहुंचे और फिर धोनी ने उनके सीने के पास शर्ट पर अपना हस्ताक्षर किया. इसके बाद सुनील गावस्कर ने कहा कि, ÷धोनी जैसा खिलाड़ी सदी में कोई एक ही आता है.÷ मौजूदा सत्र में धोनी ने कप्तान के तौर पर जब चेन्नई के लिए 200वां मैच खेला था तब गावस्कर ने उन्हें आईपीएल इतिहास का सर्वश्रेष्ठ कप्तान करार दिया था। गावस्कर ने इस साल 17 अप्रैल को कहा था, %%चेन्नई सुपर किंग्स की टीम कठिन परिस्थितियों से बाहर निकलना जानती है और ऐसा धोनी की कप्तानी में ही संभव हो पाया है. किसी एक फ्रेंचाइजी के लिए 200 मैचों में कप्तानी करना काफी मुश्किल होता है, कप्तानी एक बोझ की तरह है जो खिलाड़ी के प्रदर्शन को प्रभावित करता है लेकिन माही अलग हैं, वह एक अलग कप्तान हैं. उनके जैसा कप्तान कभी नहीं हुआ और ना ही भविष्य में कोई उनके जैसा होगा.%% धोनी टी20 और एकदिवसीय विश्व कप के अलावा चैम्पियंस ट्रॉफी जीतने वाले दुनिया के इकलौते कप्तान है. आईपीएल में भी उन्होंने चार खिताब जीते है और उनकी टीम मुंबई इंडियंस (पांच खिताब) के बाद इस लीग की दूसरी सबसे सफल टीम है.

दिल को छू लेने वाला क्षण

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से अपनी टीम की हार के बाद, चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान एमएस धोनी को महान भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर के साथ क्रिकेट के मैदान में दिल को छू लेने वाला क्षण शेयर करते हुए देखा गया. इस दौरान धोनी गावस्कर के सीने पर ऑटोग्राफ दे रहे थे. रिंकू सिंह और नितीश राणा के अर्धशतक ने कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के प्लेऑफ की उम्मीद को जिंदा रखा क्योंकि उन्होंने रविवार को यहां एमए चिदंबरम स्टेडियम में इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 के मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) पर 6 विकेट से जीत दर्ज की. फिर धोनी ने गावस्कर की शर्ट पर मैदान में खड़े होकर सिग्नेचर किया. सीएसके के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट किया गया, यह सीधे हमारे दिल में जाता है! गावस्कर ने 1971-1987 तक 125 टेस्ट में भारत का प्रतिनिधित्व किया, जिसमें 51.12 के औसत से 34 शतक और 45 अर्द्धशतक के साथ 10,122 रन बनाए हैं. उन्होंने 108 एकदिवसीय मैच भी खेले, जिसमें 35 से अधिक की औसत से एक शतक और 13 अर्द्धशतक के साथ 3,092 रन बनाए. उन्हें अब तक के सबसे महान बल्लेबाजों में से एक माना जाता है. सीएसके ने पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुना और अपने 20 ओवरों में 144/6 तक ही सीमित हो गया. शिवम दूबे (34 गेंदों में 48 *), डेवोन कॉनवे (28 गेंदों में 30) और रवींद्र जडेजा (20) ने मजबूत बल्लेबाजी की. दुबे और जडेजा के बीच छठे विकेट के लिए 68 रन की पार्टनरशिप हुई. सुनील नारायण केकेआर के लिए गेंदबाजों में से एक थे, जिन्होंने अपने चार ओवरों में 2/15 रन दिए. स्पिनर वरुण चक्रवर्ती (2/36) को भी दो विकेट मिले. वैभव अरोड़ा और शार्दुल ठाकुर को एक-एक विकेट मिला। 145 रनों का पीछा करते हुए केकेआर एक बार जहां 33/3 पर था. फिर कप्तान नीतीश राणा और रिंकू सिंह के बीच 99 रनों की साझेदारी हुई, जिसने केकेआर को खेल में वापस ला दिया. नीतीश ने 44 गेंदों में छह चौकों और एक छक्के की मदद से नाबाद 57 रन बनाए जबकि रिंकू ने 43 गेंदों में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से 54 रन बनाए. केकेआर ने 18.3 ओवर में छह विकेट शेष रहते लक्ष्य का पीछा कर लिया। दीपक चाहर (3/27) सीएसके के लिए सबसे अच्छे गेंदबाज साबित हुए और उन्होंने केकेआर के शीर्ष क्रम को शुरुआती नुकसान पहुंचाया. सीएसके सात जीत, पांच हार और एक नतीजे के साथ दूसरे स्थान पर है. उनके कुल 15 अंक हैं. केकेआर छह जीत, सात हार और कुल 12 अंकों के साथ सातवें स्थान पर है. रिंकू को उनकी फिफ्टी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' दिया गया।

हमें 180 रन बनाने चाहिए थे : धोनी

चेन्नई । एजेंसी

कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग टी20 मैच को छह विकेट से गंवाने के बाद चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने कहा कि जब उनकी टीम गेंदबाजी के लिए उतरी तभी उन्होंने अंदाजा लगा लिया था कि टीम को 180 के करीब रन बनाने चाहिए थे। चेन्नई को छह विकेट पर 144 रन पर रोकने के बाद केकेआर ने 18.3 ओवर में चार विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर लिया। धोनी ने मैच के बाद प्रसारकों से कहा, दूसरी पारी में जब हमने पहली गेंद फेंकी तभी हमें पता चल गया था कि हमें 180 के करीब रन बनाने चाहिए थे। उन्होंने हालांकि टीम की हार के लिए किसी खिलाड़ी पर दोष मढ़ने की जगह परिस्थितियों को जिम्मेदार बताया। धोनी ने कहा, हमारी गेंदबाजी के समय ओस ने बड़ा अंतर पैदा किया। हम वास्तव में अपने किसी भी गेंदबाज को दोष नहीं दे सकते। बस परिस्थितियों का खेल पर बड़ा प्रभाव पड़ा। धोनी ने इस मौके पर 34 गेंद में नाबाद 48 रन की पारी खेलने वाले शिवम दुबे और तीन विकेट लेने वाले दीपक चाहर की तारीफ की। उन्होंने कहा, शिवम ने जो किया है उससे बहुत खुश हूं, लेकिन महत्वपूर्ण यह है कि वह संतुष्ट नहीं है और सुधार करता रहता है। दीपक चाहर गेंद को स्विंग करने में माहिर है। उसे पता होता है कि कहा गेंदबाजी करनी है, कहां क्षेत्ररक्षक है और वह उसी के अनुसार गेंदबाजी करता हैं।

जोकोविच ने इटालियन ओपन में दिमित्रोव को हराया, स्वियातेक भी जीती

रोम। एजेंसी

बाईस बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन नोवाक जोकोविच ने दूसरा सेट गंवाने के बाद वापसी करते हुए ग्रिगोर दिमित्रोव को 6.3, 4.6, 6.1 से हराकर इटालियन ओपन टेनिस के चौथे दौर में प्रवेश किया। लाल बजर पर पिछले दो टूर्नामेंटों में जोकोविच जल्दी बाहर हो गए जिसके मायने हैं कि इस टूर्नामेंट के बाद वह एक बार फिर नंबर एक रैंकिंग कार्लोस अलकाराज को गंवा देंगे। जोकोविच का सामना अब 13वीं वरीयता प्राप्त कैमरन नॉरी से होगा जिसने मार्टोन फुस्कोविक्स को 6.2, 7.6 से हराया। इससे पहले दो बार की चैम्पियन इगा स्वियातेक ने लेसिया सुरेंको को 6.2, 6.0 से हराया। पिछले मैच में उन्होंने अनास्तासिया पी को 6.0, 6.0 से मात दी थी। अब उनका सामना 21वीं वरीयता प्राप्त डोन्ना वेकिच से होगा जिसने 16वीं वरीयता प्राप्त लियुडमिला सैमसोनोवा को 2.6, 7.6, 6.2 से हराया। फ्रेंच ओपन 2022 उपविजेता कोको गॉ को 27वीं वरीयता प्राप्त मैरी बूजकोवा ने 4.6, 6.2, 6.2 से मात दी।वहीं मार्केटा वोंड्रूसोवा ने नौवीं वरीयता प्राप्त मारिया सक्कारी को 7.5, 6.3 से हराया।

चोट के कारण हिमा दास फेड कप एथलेटिक्स चैंपियनशिप से बाहर, तूर, अन्नू पर होगी नजर

रांची। एजेंसी

एशियाई खेलों के चैंपियन शॉट पुटर तेजिंदरपाल सिंह तूर और राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता भाला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी आज से यहां शुरू हो रही फेडरेशन कप सीनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में शिरकत करेंगे। बिरसा मुंडा स्टेडियम में आयोजित इस चैम्पियनशिप में 5000 से अधिक एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। बर्मिंघम राष्ट्र मंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता ट्रिपल जम्पर एल्डहोज पॉल, रजत पदक विजेता अविनाश सेबल (300 मीटर स्टीपलचेज) और मुरली श्रीशंकर (लंबी कूद) सहित कई शीर्ष एथलीट चार दिवसीय मीट में शामिल नहीं होंगे। पिछले महीने हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण स्टार स्प्रिंटर हिमा दास भी चैंपियनशिप से बाहर हो गई हैं। सीजन का यह पहला बड़ा घरेलू ट्रैक और फील्ड इवेंट बैंकॉक में 12 से 16 जुलाई तक होने वाले एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाइंग इवेंट है। यह सितंबर-अक्टूबर में होने वाले बुडापेस्ट विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप और हांग्जो एशियाई खेलों के लिए योग्यता मानकों को हासिल करने के इच्छुक एथलीटों के लिए भी एक अच्छा मंच होगा। इस प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं ले रहे कुछ अन्य शीर्ष एथलीटों में पुरुषों की लंबी कूद के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक जेसविन एल्ड्रिन, राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक लंबी कूद की प्रतिभाशाली खिलाड़ी शैली सिंह और ट्रिपल जम्पर प्रवीण चित्रवेल शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में अपने राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर बनाया है। इनमें से अधिकांश एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप की तैयारी के लिए विदेशों में प्रशिक्षण या प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक 30 वर्षीय अनु फरवरी से ऑफेनबर्ग, जर्मनी में प्रशिक्षण ले रही हैं और वह अपना 2023 सत्र शुरू करेंगी। इस प्रतियोगिता के पहले दिन यानि आज सोमवार को प्रतियोगी पांच स्पर्धाओं में पदक के लिए भिड़ेंगे, जिसमें सुबह के सत्र के लिए निर्धारित पुरुषों और महिलाओं दोनों वर्ग में 10,000 मीटर की कठिन ट्रैक दौड़ शामिल है। शाम के सत्र में महिलाओं के हैमर थ्रो और 3000 मीटर पुरुषों और महिलाओं की स्टीपलचेज स्पर्धाओं का फाइनल होगा।

भारत को टी20 में रोहित, कोहली से आगे बढ़ना होगा : शास्त्री

मुंबई। एजेंसी

भारतीय टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री चाहते हैं कि भारत अब टी20 अंतराष्ट्रीय में विराट कोहली और रोहित शर्मा से आगे बढ़कर अच्छा प्रदर्शन करने वाले युवा खिलाड़ियों को मौका दे। मौजूदा आईपीएल सीजन में युवाओं के प्रदर्शन से प्रभावित शास्त्री ने ईएसपीएन क्रिकइन्फो के एक कार्यक्रम पर कहा, आने वाली टी20 सीरीज में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया जाना चाहिए, उन्हें अनुभव लेने देना चाहिये। चयनकर्ताओं को अभी से ही इसके लिए काम शुरू कर देना चाहिए। उल्लेखनीय है कि यशस्वी जायसवाल, जितेश शर्मा, तिलक वर्मा और प्रभसिमरन सिंह जैसे युवाओं ने आईपीएल 2023 में अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। शास्त्री का कहना है कि अगर वह चयनकर्ता होते तो आईपीएल प्रदर्शन के आधार पर खिलाड़ियों को टीम में जगह देते, जबकि विराट और रोहित जैसे बड़े खिलाड़ियों को खेल के लंबे प्रारूपों के लिये रखते।

आईपीएल 2023 : रिंकू-नीतीश ने केकेआर को प्लेऑफ की दौड़ में बरकरार रखा

चेन्नई। एजेंसी

कप्तान नीतीश राणा (57 नाबाद) और रिंकू सिंह (54) के शानदार अर्द्धशतकों की बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के करो या मरो मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को सात विकेट से मात दी। चेन्नई ने शिवम दूबे (48 नाबाद) की मदद से केकेआर के सामने 145 रन का लक्ष्य रखा। केकेआर ने यह लक्ष्य 18.3 ओवर में हासिल कर लिया। चेन्नई के अन्य बल्लेबाज केकेआर की स्पिन के आगे संघर्ष करते नजर आये, लेकिन जुझारू बल्लेबाज दूबे ने 34 गेंद पर एक चौके और तीन छक्कों के साथ नाबाद 48 रन की पारी खेलकर अपनी टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। केकेआर ने इसके जवाब में अपने शुरुआती तीन विकेट 33 रन पर गंवा दिये, लेकिन रिंकू और नीतीश ने 99 रन की साझेदारी कर मेहमान टीम को जीत दिलाई। इस जीत के बाद केकेआर 13 मैचों में 12 अंक अर्जित कर लिये हैं और उसकी प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें पूरी तरह समाप्त नहीं हुई हैं। चेन्नई 13 मैचों में 15 अंकों के साथ तालिका में दूसरे स्थान पर बरकरार है। टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने वाली चेन्नई को चेपौक की धीमी पिच पर रन बनाने के लिये संघर्ष करना पड़ा।

मेज़बान टीम को पहला झटका रुतुराज गायकवाड़ (13 गेंद, 17 रन) के रूप में लगा जब वह वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की कोशिश में शॉर्ट थर्ड मैन को कैच दे बैठे। चेन्नई ने पावरप्ले में एक विकेट के नुकसान पर 52 रन बना भी लिये, हालांकि फील्ड खुलने के बाद चौकों-छक्कों का सूखा पड़ गया। अजिंक्य रहाणे (11 गेंद, 16 रन) रनगति बढ़ाने की कोशिश में चक्रवर्ती को अपना विकेट दे बैठे, जबकि धैर्य के साथ खेल रहे डेवन कॉनवे (28 गेंद, 30 रन) को शार्दुल ठाकुर ने आउट कर दिया। सुनील नरेन ने चेन्नई पर दबाव बढ़ाते हुए अंबाती रायडू और मोईन अली के रूप में चेन्नई का चौथा और पांचवां विकेट गिरा दिया। पारी के 11वें ओवर तक मात्र 72 रन बनने के बाद चेन्नई को बड़े ओवरों की जरूरत थी। दूबे ने 12वें ओवर में छक्का जड़कर पारी की रफ्तार बढ़ाने की शुरुआत की। दूबे ने रवींद्र जडेजा के साथ छठे विकेट के लिये 68 रन की साझेदारी की, हालांकि जडेजा 24 गेंद पर एक छक्के के साथ 20 रन का योगदान ही दे सके। दूसरे छोर पर खड़े दूबे ने 18वें ओवर में चक्रवर्ती को निशाना बनाकर 15 रन बटोरे। दूबे अपने सातवें आईपीएल अर्द्धशतक तक पहुंच सकते थे लेकिन शार्दुल ने 19वें ओवर में मात्र पांच रन देकर उन्हें यह उपलब्धि हासिल नहीं करने दी। आखिरी ओवर में जडेजा का विकेट गिरने के बाद चेपौक दर्शकों के शोर से गूंज उठा क्योंकि महेंद्र सिंह धोनी बल्लेबाजी के लिये उतरे।

धोनी ने पारी की आखिरी गेंद पर दो रन लेकर चेन्नई की पारी को 144/6 के स्कोर पर समाप्त किया। नरेन ने केकेआर के लिये सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 15 रन देकर दो विकेट चटकाये। चक्रवर्ती को भी दो विकेट प्राप्त हुए, हालांकि चेन्नई ने उनके चार ओवरों में 36 रन बना लिये। वैभव अरोड़ा और शार्दुल को एक-एक सफलता हासिल हुई। चेन्नई ने इस छोटे स्कोर की रक्षा करने के लिये पावरप्ले का बखूबी इस्तेमाल किया। दीपक चाहर ने अपनी दर्शनीय स्विंग से रहमानुल्लाह गुरबाज़ (01), वेंकटेश अय्यर (09) और जेसन रॉय (12) को आउट किया। तुषार देशपांडे ने उनका बखूबी साथ निभाते हुए कसी हुई गेंदबाजी की और केकेआर को तेजी से रन बटोरने का मौका नहीं दिया। पावरप्ले में तीन विकेट के नुकसान पर सिर्फ 46 रन बना सकने के बावजूद केकेआर को करीब छह के रनरेट से रन बनाने की ही जरूरत थी। रिंकू और नीतीश ने इसके बाद से बिना कोई जोखिम उठाये साझेदारी बुनना शुरू की। राणा ने विकेट पर पांव जमाने में समय लिया, लेकिन रिंकू समय-समय पर चौकों की मदद से दबाव हटाते रहे। राणा जब 18 रन पर खेल रहे थे तब मथीशा पथिराना ने उनका कैच छोड़कर केकेआर के कप्तान को एक जीवनदान दिया। इस जीवनदान के बाद से केकेआर की गाड़ी नहीं रुकी। रिंकू ने 16वें ओवर में चौका लगाकर 39 गेंद पर अपना अर्द्धशतक पूरा किया। राणा ने भी 38 गेंद में पचासा जमाया। दोनों के बीच चौथे विकेट के लिये 99 रन की साझेदारी हुई। रिंकू जब इस साझेदारी का 100वां रन लेने के लिये भाग रहे थे तब मोईन अली ने एक शानदार थ्रो की मदद से उन्हें रनआउट कर दिया। इस समय तक हालांकि मैच चेन्नई के हाथ से निकल चुका था और केकेआर को जीत के लिये 17 गेंद पर सिर्फ 13 रन की जरूरत थी। राणा ने अपनी कप्तानी पारी का अंत 19वें ओवर में विजयी चौका लगाकर किया। चाहर तीन विकेट लेकर चेन्नई के एकमात्र सफल गेंदबाज रहे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

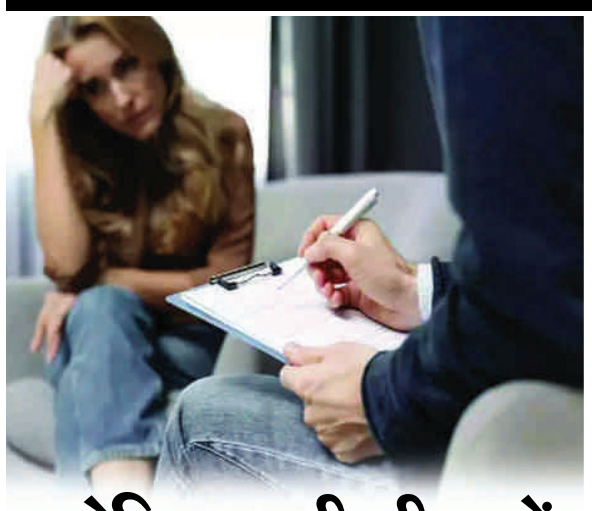

मनोविज्ञान की फील्ड में बना सकते हैं करियर

मनोविज्ञान का क्षेत्र है, जिसमें प्रत्येक आयुवर्ग के लोग विशेषज्ञता हासिल कर अपना करियर बना सकते हैं। इसमें मानव मन और व्यवहार का अध्ययन किया जाता है। मसलन, मस्तिष्क तनाव में कैसे काम करता है, यह कैसे भाषा सीखता है, तथ्यों को कैसे याद रखता है या किसी भी तरह की मानसिक बीमारी इसके काम करने के तरीके को कैसे प्रभावित कर सकती है। इस सेक्टर में विशेषज्ञता और रुचियों के आधार पर मनोविज्ञान डिग्री धारकों के लिए कई अलग-अलग विकल्प उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार हैं-

◗ मनोविज्ञानी ◗ मनोचिकित्सक ◗ समाज सेवक ◗ काउंसलर ◗ शैक्षिक मनोवैज्ञानिक ◗ मानव संसाधन प्रबंधक ◗ अध्यापक ◗ अनुसंधान भूमिकाएं ◗ मीडिया भूमिकाएं ◗ मनोविज्ञान में करियर

मनोविज्ञान का कोर्स करने के बाद छात्र पब्लिक और प्राइवेट हेल्थ केयर, एजुकेशन, मेंटल हेल्थ स्पोर्ट्स, सोशल वर्क, थेरेपी एंड काउंसलिंग जैसे कई सेक्टर में करियर बना सकते हैं। यहां पर वे सलाहकार, अनुसंधान-आधारित, उपचार-आधारित या चिकित्सीय की भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा मीडिया और अन्य रचनात्मक फील्ड में नौकरियों सहित मनोविज्ञान स्नातकों के लिए कई ऑप्शन भी हैं।

चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक

एक चार्टर्ड मनोवैज्ञानिक के तौर पर आप व्यावसायिक मनोविज्ञान, शैक्षिक मनोविज्ञान, खेल और मानसिक स्वास्थ्य जैसे कई क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल कर सकते हैं। यहां आप सभी पृष्ठभूमि के लोगों, रोगियों और क्लाइंट के साथ काम कर सकते हैं। इसके अंतर्गत आप कुछ मनोवैज्ञानिक मुद्दों पर बेहतर ढंग से समझने और सलाह देने के लिए आप व्यवहार, विचारों और भावनाओं का विश्लेषण कर सकते हैं। हालांकि यदि आप मनोचिकित्सक बनना चाहते हैं तो इसके लिए आपको मेडिकल डिग्री हासिल करने की आवश्यकता होगी।

मनोचिकित्सक

एक मनोचिकित्सक के तौर आपको व्यक्तियों, जोड़ों, समूहों या परिवारों के साथ काम करता होगा। जिससे आप अपने क्लाइंट्स को भावनात्मक और रिश्ते से संबंधित मुद्दों, तनाव और यहां तक कि व्यसन सहित मनोवैज्ञानिक परेशानियों को दूर करने में मदद कर सके। इनमें संज्ञानात्मक व्यवहार विधियां, मनोविश्लेषणात्मक और मनोगतिक चिकित्सा, साथ ही कला चिकित्सा, नाटक चिकित्सा, ह्यूमनिस्टिक और एकीकृत मनोचिकित्सा, सम्मोहन-मनोचिकित्सा और अनुभवात्मक चिकित्सा शामिल हैं।

समाज सेवक

एक सामाजिक कार्यकर्ता के तौर पर आपको ऐसे लोगों की स्थितियों में सुधार लाने के लिए काम करना होगा, जो अपने जीवन में कठिन दौर से गुजर रहे हैं। ये कोई भी हो सकते हैं जैसे बच्चों या बुजुर्गों का या ऐसा ही अन्य कोई ग्रुप, विकलांग लोगों और अपराध और दुर्व्यवहार के शिकार लोगों सहित अन्य कई। सामाजिक कार्यकर्ता स्कूलों, घरों, अस्पतालों या अन्य सार्वजनिक एजेंसियों के भीतर काम कर सकते हैं।

काउंसलर

एक काउंसलर लोगों को उनके जीवन, भावनाओं और अनुभवों के साथ बेहतर तरीके से सामंजस्य बिठाने में मदद करता है। यहां पर क्लाइंट की बातों को ध्यान से सुनना एक काउंसलर के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। एक काउंसलर में सुनने, सहानुभूति देने, सम्मान और धैर्य प्रदान करने की क्षमता साथ विश्लेषण करने की क्षमता होनी जरूरी है, ताकि क्लाइंट को उनकी स्थिति से बेहतर तरीके से निपटने में सक्षम बनाया जा सके। एक काउंसलर अक्सर विवाह और परिवार, स्वास्थ्य, दुर्व्यवहार, पुनर्वास, शिक्षा, दुख, मानसिक स्वास्थ्य, करियर मार्गदर्शन और बाल रोग सहित अनेक क्षेत्र शामिल हैं।

शिक्षा में मनोविज्ञान करियर

मनोविज्ञान कोर्स के बाद आप शिक्षा के क्षेत्र में भी जा सकते हैं। यहां आप शिक्षा के साथ-साथ शैक्षिक चिकित्सा, शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षा के भीतर सामाजिक कार्य, मनोविज्ञान स्नातक प्राथमिक, माध्यमिक या कॉलेज, यूनिवर्सिटी स्तर की शिक्षा में काम कर रहे शिक्षकों के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा जेल के अंदर के युवा अपराधियों को ठीक करने के लिए काम कर सकते हैं। वहीं महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में करियर में प्रवेश करने के लिए आपको मास्टर / पीएचडी योग्यता की आवश्यकता होगी। उच्च शिक्षा के अंतर्गत आप शिक्षण या रिसर्च दोनों ही क्षेत्र में करियर बना सकते हैं।

रिसर्च में करियर

मनोविज्ञान के तौर पर आप रिसर्च एजेंसियों, पब्लिक और प्राइवेट ऑर्गनाइजेशन या विश्वविद्यालयों में रिसर्च कर सकते हैं। सभी क्षेत्रों के भीतर रिसर्च करियर और भी व्यापक हैं, इसमें सरकारी नीति विकास या उद्योग के लिए काम कर सकते हैं। आप एक चैरिटी या अन्य गैर-लाभकारी संगठन के लिए भी काम कर सकते हैं जो भाषण बाधाओं, मस्तिष्क क्षति, बाल विकास या मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य पर कानूनी और अवैध दवाओं के प्रभाव जैसी चुनौतियों को हल करने के लिए रिसर्च कर रहे हैं।

मीडिया और विज्ञापन करियर

मनोविज्ञान डिग्री होल्डरों के लिए मीडिया में भी विविध करियर हैं। मनोविज्ञान स्नातक मानव व्यवहार को लेकर कंपनी के लिए कई महत्वपूर्ण बातें बता सकते हैं। साथ ही समस्याओं का विश्लेषण करने, ध्यान से सुनने, प्रतिक्रिया देने और सहानुभूति और कारण के साथ कार्य करने की क्षमता प्रदान कर सकते हैं। इस वजह से, प्रबंधन, उत्पादन, शेड्यूलिंग और लेखन सहित सभी विभागों के भीतर मनोविज्ञान स्नातकों की मांग होती है।

मानव संसाधन और संचार करियर

मनोविज्ञान की डिग्री के साथ ह्यूमन रिसोर्स और कम्युनिकेशन करियर भी एक अच्छा विकल्प है। पब्लिक और प्राइवेट दोनों क्षेत्रों में उपलब्ध इन भूमिकाओं में कर्मचारी संतुष्टि, व्यावसायिक विकास, प्रशिक्षण, भर्ती, पीआर, पेरोल और आंतरिक संचार जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते हैं क्या है प्रवेश प्रक्रिया

इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए।

अगर आप भी इंटरनेशनल रिलेशन में पीएचडी करना चाहते है तो मास्टर्स में न्यूनतम 55% अंक आवश्यक है। इसके अलावा इंटरनेशनल रिलेशन से संबंधित विषयों में पोस्ट ग्रेजुएशन या एम. फिल की डिग्री होनी चाहिए। यह 3-5 साल का कोर्स होता है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, अंतर्राष्ट्रीय संबन्ध, और विभिन्न देशों के बीच सम्बन्ध के कारकों और पहलुओं का अध्ययन और विश्लेषण किया जाता है। अगर आप भी इंटरनेशनल स्टडीज में पीएचडी करके राजनयिक के तौर पर काम करना चाहते है तो आइये जानते है इसमें नामांकन के लिए क्या योग्यताएं होनी चाहिये।

योग्यता

- संबंधित विषय में एम फिल की डिग्री या पोस्ट ग्रेजुएशन होना चाहिए।
- उम्मीदवार के पास मास्टर डिग्री में न्यूनतम 55% अंक होना आवश्यक है।
- विश्वविद्यालयों द्वारा भी परीक्षाएं आयोजित कराई जाती है।
- आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों के लिए 5% अंकों की छूट दी जाती है।
- यूजीसी-नेट जैसी राष्ट्रीय परीक्षाओं भी आयोजित की जाती हैं।
- प्रवेश परीक्षा के बाद साक्षात्कार होता है अगर आपने उसमें अच्छा स्कोर किया तो आपको स्कॉलरशिप भी मिल सकती है।

रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज के लिए भारत के टॉप कॉलेजों द्वारा अपनाई जाने वाली एडमिशन प्रोसेस इस प्रकार है

- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाएं।
- ऑफिशयल वेबसाइट पर जाने के बाद आवेदन फॉर्म भरें।
- फार्म को ध्यान से भरें नहीं तो आपका फार्म रिजेक्ट हो सकता है
- सभी दस्तावेज जो भी मांगे गए है उनको अपलोड करिये।
- ऑनलाइन फॉर्म की फीस जमा करें।
- फार्म को सबमिट करें।

प्रवेश परीक्षा

अगर आप किसी अच्छी यूनिवर्सिटी में प्रवेश लेना चाहते है तो प्रवेश परीक्षा में अच्छा स्कोर करना पड़ेगा। रजिस्ट्रेशन के बाद एडमिट कार्ड जारी किये जाते है। जिनमे परीक्षा की सारी जानकारी होती है। प्रवेश प्रक्रिया सीएसआईआर यूजीसी नेट, एसआईयू पीईटी, एमिटी यूनिवर्सिटी पीईटी जैसे एंट्रेंस एग्जाम पर निर्भर करती है।

प्रवेश प्रक्रिया

परीक्षा परिणाम के लिए आप वेबसाइट से जानकारी प्राप्त कर सकते है, प्रवेश परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जाता है। साक्षात्कार में सफल होने के बाद डॉक्टरेट स्तर पर इंटरनेशनल स्टडीज का अध्ययन करने के लिए एडमिशन दिया जाता है।

पीएचडी इन इंटरनेशनल स्टडीज- सिलेबस

- एडवांस्ड थ्योरी ऑफ इंटरनेशनल रिलेशन
- एडवांस्ड रिसर्च मेथेड
- फेमिनिस्ट इंटरनेशनल रिलेशन
- थिसिस
- शांति और संघर्ष अध्ययन

देश के कुछ टॉप कॉलेज

- झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय
- सिम्बायोसिस लॉ स्कूल, पुणे
- लाजपत राय लॉ कॉलेज
- शिव नादर विश्वविद्यालय
- गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय
- रॉयल ग्लोबल यूनिवर्सिटी
- एमिटी यूनिवर्सिटी, नोएडा
- कलिंग विश्वविद्यालय
- पंजाब विश्वविद्यालय
- पी.पी. सवानी विश्वविद्यालय
- यूएनओएम, मद्रास विश्वविद्यालय
- गुरु नानक देव विश्वविद्यालय

क्रिएटिव राइटिंग सिर्फ शौक ही नहीं, करियर भी बन सकता है। इसी के साथ जुड़ा हुआ है एक और करियर, जो है ट्रांसलेटर यानी अनुवादक का। इसके लिए तो अनेक संस्थानों में काफी स्कोप रहता है।

करियर भी बना सकता है क्रिएटिव राइटिंग का शौक

कहां है मांग?

रेलवे, बैंक, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) आदि में अनुवादकों की अच्छी डिमांड रहती है। आप चाहें, तो फीलांसर के तौर पर भी काम कर सकते हैं। वहीं इंटरप्रेटर के रूप में खुद को तैयार करके आप विभिन्न देशों के दूतावासों तथा विदेशी कंपनियों में जॉब पा सकते हैं। यह एक दिलचस्प जॉब है, जिसमें हर दिन कुछ नया सीखने को मिलता है। अभ्यास बहुत जरूरी लेखक बनने का हुनर कई लोगों में जन्मजात होता है मगर इस हुनर को मांजना बहुत जरूरी है। हर लिखने वाला प्रभावशाली नहीं होता। अगर आप भी बतौर क्रिएटिव राइटर करियर बनाना चाहते हैं, तो सरल, सहज और प्रभावी लिखने का अभ्यास करते रहें। पुराने क्लासिक्स से लेकर नए, प्रमुख लेखकों की किताबें तथा पत्र-पत्रिकाओं मे छपने वाले उनके कॉलम जरूर पढ़ते रहें। आप जितना ज्यादा पढ़ेंगे, उतना ही आपका लेखन निखरेगा। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि आप सीखें सबसे लेकिन लिखते समय अपनी मौलिक पहचान जरूर बनाए रखें। आपके लेखन में किसी अन्य लेखक की नकल या प्रभाव नहीं दिखना चाहिए।

कहां से पढ़ें?

यदि आप करियर के तौर पर क्रिएटिव राइटिंग या ट्रांसलेशन को अपनाना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप इसके लिए बाकायदा कोर्स कर लें। क्रिएटिव राइटिंग का कोर्स इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय तथा अन्य प्रमुख विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है। वहीं ट्रांसलेटर या इंटरप्रेटर बनने के लिए आपको केंद्रीय हिंदी संस्थान या किसी अन्य आधिकारिक संस्थान से अनुवाद का कोर्स करना होगा।

अगर आप सक्सेसफुल करियर बनाना चाहते हैं, तो आपके अंदर बेहतर कम्युनिकेशन स्किल का होना बेहद जरूरी है। क्योंकि एक अच्छी कम्युनिकेशन स्किल से आप अपने करियर को उच्च स्तर तक ले जा सकते हैं। कम्युनिकेशन स्किल आपकी पर्सनेलिटी का ही हिस्सा है, इसलिए अपनी पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए आपको अपनी कम्यूनिकेशन स्किल भी बेहतर करनी होगी।

पर्सनालिटी को इंप्रूव करने के लिए जरूरी है कम्युनिकेशन स्किल

कम्युनिकेशन स्किल बातचीत करना की एक कला है। ये बिल्कुल भी जरूरी नही है कि हर इंसान को बात करने की कला या सही तरीका आता हो। कम्युनिकेशन स्किल का डिग्री और पढ़ाई-लिखाई से भी कुछ लेना देना नहीं है, क्योंकि ये जरूरी नही है कि हर पढ़े-लिखे और डिग्रीधारी शख्स की कम्युनिकेशन स्किल अच्छी ही हो। लेकिन कुछ बातों का ध्यान रखकर इसमें सुधार जरूर किया जा सकता है।

बॉडी लैंग्वेज सही रखें

यह एक तरह का नॉन-वर्बल कम्युनिकेशन होता है, जिसमें आप बिना कुछ बोले बॉडी के हाव-भाव से सब कुछ कह देते हैं। बॉडी लैंग्वेज को देखकर आप सामने वाले पर्सन के बारे में सब कुछ समझ जाते हैं, तो अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को बढ़ाना चाहते हैं तो आपको अपनी बॉडी लैंग्वेज को सही रखना जरूरी है। अपनी बॉडी लैंग्वेज के द्वारा आप सामने वाले को अपनी बात आसानी से समझा सकते हैं, लोगों से बात करते समय या मीटिंग्स में जेब में हाथ डालकर या हाथों को फोल्ड करने नहीं रखना चाहिए है आपको सामने वाले को अपनी बात समझाने के लिए अपनी बॉडी लैंग्वेज का सही तरह से यूज करना चाहिए।

दूसरों की बातें ध्यान से सुनें

अगर आप अपनी कम्युनिकेशन स्किल्स को इंप्रूव करना चाहते हैं तो आपको कोई दूसरों भी बात को भी बहुत ही ध्यान से सुनना होगा। इससे आप उसकी बातों को अच्छे से समझ सकेंगे। शुरुआत में बात करते समय आपसे कुछ गलतियां भी हो सकती हैं, लेकिन जब आप डेली प्रैक्टिस करते रहेंगे तो गलतियां कम होंगी और आप सही से कम्युनिकेशन कर सकेंगे। इसीलिए किसी भी बात को अच्छे से सुनिए फिर बोलना सीखिए।

सामने वाले को समझें

अगर आप किसी से कम्युनिकेशन कर रहे है, तो आपको उसकी बातों को अच्छे से समझने के साथ उसे भी समझना होगा कि वो आपसे क्या कहना चाहता है। तभी आप उसके साथ कम्युनिकेशन कर पाएंगे। इसलिए पहले सामने वाले पर्सन की बातों को अच्छे से समझें कि वो क्या कहना चाहता है, कैसा एक्सप्रेशन दे रहा है और उसको अच्छे से समझने के बाद आप अपना जवाब दें।

सही शब्दों का प्रयोग करें

किसी से बात करते समय आपको सही शब्दों का यूज करना चाहिए। इसके लिए डेली नये शब्दों को सीखें और उन्हें लोगों से बात करते समय यूज करें। स्टार्टिंग में आपको लोगों से बात करते समय अपनी आवाज को स्लो रखना है और सही शब्दों को बोलना है, बहुत बार ऐसा होता है कि जल्दी-जल्दी में लोग कम्युनिकेशन करते समय गलत शब्दों का प्रयोग कर जाते हैं, आपको धीरे बोलना है और अपने शब्दों को स्पष्ट बोलना है। जिससे सामने वाला व्यक्ति आपकी बात को अच्छे से समझ सके।

रोज प्रैक्टिस करें

अगर आप दिल से अपनी कम्युनिकेशन स्किल को इम्प्रूव करना चाहते हैं, तो आपको डेली प्रैक्टिस करनी होगी। आपको डेली कम्युनिकेशन के कुछ वर्ड्स याद करने होंगे और इन याद किये गये वर्ड्स को हफ्ते में 2 बार दोहराना होगा। क्योंकि अगर आप एक बार पढ़ने के बाद इन्हें दोबारा देखेंगे नहीं तो भूल जायेंगे। रोज थोड़ा टाइम अपनी कम्युनिकेशन पर दीजिए, डेली कुछ नये वर्ड्स सीखिए। इससे आपकी कम्युनिकेशन स्किल बेहतर होगी।

प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करें

चाहे आपका फ्रेंड हो या कोई अन्य व्यक्ति, किसी से भी बात करते समय ध्यान रखें कि आपको प्वॉइंट टू प्वॉइंट बात करना है। किसी से बात करना होता है तो आपको बिना डरे खुल कर बात करना चाहिए। अगर आप इधर उधर की बात करेंगे तो जिस प्वाइंट पर आप बात करना चाहते हैं, उसपर नहीं कर पाएंगे। साथ ही सामने वाला व्यक्ति भी कंफ्यूज रहेगा।

आई कांटेक्ट रखें

यह ध्यान रखें कि आप जब भी किसी से बात करें तो सामने वाले से आई कांटेक्ट बनाये रखें। इससे हमारी सिंसेरिटी और इंटरेस्ट दिखाई देता है और साथ ही हमारे इमोशन्स भी साफ-साफ दिखाई देते हैं। ये हमारी कम्युनिकेशन स्किल्स को भी इफेक्टिव बनती है। वहीं ऐसे बात करते समय आपका कॉन्फिडेंस भी बढ़ता है।

कॉफिडेंट रहें

किसी से बात करते समय कॉफिडेंट रहना जरूरी होता है। यह तभी हो पाएगा जब आप निडर होंगे, श्योर होंगे और जब आप बाहर की आवाजों पर डिपेंडेंट नहीं होंगे। इसीलिए स्टार्टिंग में जब भी आप किसी से बात करें, तो अपनी गलतियों से डरे नहीं, क्योंकि गलतियां होना एक नार्मल बात है, लेकिन जब धीरे-धीरे आप बोलना सीख लेंगे, आपकी कम्युनिकेशन स्किल्स अच्छी हो जाएगी तो आप पूरे कॉन्फिडेंस के साथ किसी भी फंक्शन में, पार्टी में, मीटिंग्स में या कहीं पर भी बोल सकेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षेप खबर

तुर्किये राष्ट्रपति चुनाव- एर्दोगन को मिले 49 प्रतिशत मत

इस्तांबुल। तुर्किये में राष्ट्रपति पद के लिए हुए चुनाव के 91 प्रतिशत से अधिक मतपत्रों की गिनती पूरी हो चुकी है और मौजूदा राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन ने इनमें से लगभग 49.50 प्रशित मत प्राप्त किए हैं। तुर्किये की सुप्रीम इलेक्शन काउंसिल (वाईएसके) के प्रमुख अहमत येनर ने यह जानकारी दी है। उन्होंने सोमवार को तड़के पत्रकारों को बताया कि श्री एर्दोगन को सत्तारूढ़ जस्टिस एंड डेवलपमेंट पार्टी और उसके गठबंधन सहयोगी राष्ट्रवादी आंदोलन पार्टी ने नामित किया गया था। उन्होंने 91.9 फीसदी मतपत्रों की गिनती होने पर 49.49 प्रतिशत मत हासिल किया है। वहीं छह दलों के विपक्षी गठबंधन के उम्मीदवार श्री किलिकडारोग्लू को 44.79 प्रतिशत वोट मिले हैं। तुर्किये के चुनावी अधिकारियों द्वारा घोषित यह पहला आधिकारिक परिणाम हैं सरकारी न्यूज चैनल टीआरटी हैबर के टैली के अनुसार, 99 फीसदी से अधिक मतपत्रों की गिनती पूरी हो चुकी है और श्री एर्दोगन को इनमें से 49.42 प्रतिशत मत मिले हैं, जबकि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी श्री किलिकडारोग्लू को 44.88 वोट हासिल हुए हैं गौरतलब है कि तुर्किये में रविवार को राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव हुए। यदि राष्ट्रपति पद के चुनाव में किसी भी उम्मीदवार 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल नहीं मिलता है, 28 मई को इसका दूसरा चरण पूरा कराया जाएगा।

मैक्सिको में सड़क हादसे में 13 की मौत

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको के पूर्वोत्तर राज्य तमुलिपास में एक ट्रेलर और ट्रक की टक्कर के बाद आग लग गई, जिसके कारण कम से कम 13 लोगों की मौत हो गयी। सार्वजनिक सुरक्षा के राज्य सचिवालय ने यह जानकारी दी है। एजेंसी ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, ÷दुर्घटना रविवार सुबह राजमार्ग 83 से जुड़े हिडाल्गो-ज़रागोज़ा खंड पर घटित हुई। दुर्घटना में वाहन को नष्ट हो गए और आग लगने से वाहनों में सवार लोग जल गए। राजमार्ग को यातायात के लिए खुल दिया गया है, लेकिन राज्य के अधिकारियों ने लोगों से सावधानी से वाहन चलाने और गति सीमा तथा संकेतों का पालन करने का आह्वान किया है।

तुर्किये में संसदीय चुनाव में 88 फीसदी मतदाताओं ने किया अपने मताधिकार का इस्तेमाल

इस्तांबुल। तुर्किये में रविवार को हुए राष्ट्रपति और संसदीय चुनावों में घरेलू स्तर पर 88 प्रतिशत और विदेशों में 45 फीसदी से अधिक मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। यह जानकारी टीआरटी न्यूज चैनल ने अपनी रिपोर्ट में दी है। न्यूज चैनल के मुताबिक तुर्किये में 88.19 प्रतिशत पात्र मतदाताओं ने मत डाले, जबकि 73 देशों और सीमा चौकियों में 45.5 फीसदी वोटरों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। तुर्किये में राष्ट्रपति और संसदीय चुनाव 14 मई को हुए हैं। तुर्किये के विपक्षी गठबंधन से राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार केमल किलिकडारोग्लू को तुर्की के मौजूदा राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन का मुख्य प्रतिद्वंद्वी माना जा रहा है। राष्ट्रपति चुनाव का दूसरा दौर (किसी भी उम्मीदवार को 50फीसदी वोट हासिल नहीं होने पर होगा) 28 मई को निर्धारित है।

तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोआन को चुनाव में जीत की उम्मीद

अंकारा। तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोआन ने कहा कि वह देश का राष्ट्रपति चुनाव अब भी जीत सकते हैं लेकिन अगर चुनाव दूसरे दौर में जाता है तो वह देश के फैसले का सम्मान करेंगे। अंकारा में समर्थकों से बातचीत में एर्दोआन ने कहा कि रविवार को हुए चुनाव के अनाधिकारिक नतीजे अभी स्पष्ट नहीं है लेकिन उन्होंने ''स्पष्ट बढ़त मिलने'' का दावा किया। एर्दोआन ने सोमवार सुबह कहा, ''हमें अभी तक नहीं पता कि क्या चुनाव पहले दौर में ही समाप्त हो जाएगाज्अगर हमारा देश दूसरे दौर में जाने का फैसला करता है तो उसका भी स्वागत है।'' उन्होंने कहा कि विदेश में रह रहे तुर्किये के नागरिकों के मतों की अभी गणना नहीं की गयी है। करीब दो दशक से सत्ता में बने रहने वाले एर्दोआन को रविवार को हुए चुनाव में कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ा। यह चुनाव मुख्यत÷ अर्थव्यवस्था, नागरिक अधिकार और फरवरी में आए भूकंप जैसे घरेलू मुद्दों पर ही केंद्रित रहा। अगर किसी उम्मीदवार को 50 प्रतिशत से अधिक वोट नहीं मिलते हैं तो पहले दौर के शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच 28 मई को निर्णायक मुकाबला होगा।

मेक्सिको के उत्तरी क्षेत्र में मालवाहक ट्रक और वैन की भीषण टक्कर में 26 लोगों की मौत

मेक्सिको सिटी। उत्तरी मेक्सिको में रविवार को एक राजमार्ग पर एक वैन और एक मालवाहक ट्रक की टक्कर में 26 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उत्तरी सीमावर्ती राज्य तमौलिपास में अभियोजकों और पुलिस ने कहा कि मालवाहक ट्रक को खींचने वाला वाहन घटनास्थल पर नहीं मिला, जिससे पता चलता है कि चालक ने उसे मालवाहक ट्रेलर से अलग कर दिया होगा और वहां से भाग गया होगा। अधिकारियों ने कहा कि दुर्घटना राज्य की राजधानी स्यूदाद विक्टोरिया के पास एक राजमार्ग पर हुई और कारणों की जांच की जा रही है। स्थानीय मीडिया ने बताया कि मृतकों में से कई लोग एक ही परिवार के सदस्य हो सकते हैं जो कहीं से लौट रहे थे, लेकिन अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की। मेक्सिको में पहले भी इस तरह की दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या में लोगों की मौत होती रही हैं जिनके लिए अक्सर तस्करी से जुड़े ऐसे वाहनों को जिम्मेदार ठहराया जाता रहा है जिन पर क्षमता से अधिक लोग सवार होते हैं।

चीन ने जासूसी के आरोपों में 78 वर्षीय अमेरिकी नागरिक को उम्रकैद की सजा सुनायी

बीजिंग। चीन ने जासूसी के आरोपों में सोमवार को अमेरिका के 78 वर्षीय नागरिक को उम्रकैद की सजा सुनायी। हांगकांग में स्थायी नागरिक का दर्जा रखने वाले जॉन शिंग-वान लेयुंग को दक्षिणपूर्वी शहर सुझोउ में 15 अप्रैल 2021 को हिरासत में लिया गया था। शहर की एक अदालत ने अपनी सोशल मीडिया वेबसाइट पर एक संक्षिप्त बयान में लेयुंग की सजा की घोषणा की लेकिन आरोपों की कोई जानकारी नहीं दी। ऐसी जांच और मुकदमे बंद कमरे में चलाए जाते हैं तथा इनके बारे में सार्वजनिक रूप से बहुत कम जानकारी दी जाती है। अमेरिका और चीन के बीच रिश्ते व्यापार, प्रौद्योगिकी, मानवाधिकारों और क्षेत्रीय दावों को लेकर बीजिंग की बढ़ती आक्रामकता के कारण ऐतिहासिक रूप से निचले स्तर पर हैं।

नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री रायमाझी को कोर्ट में पेश किया गया

काठमांडू। मानव तस्करी के आरोप में गिरफ्तार नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री टोप बहादुर रायमाझी को आज (सोमवार) अदालत में पेश किया गया। रायमाझी को रविवार रात काठमांडू से गिरफ्तार किया गया था। सीपीएन (यूएमएल) सचिव रायमाझी पर फर्जी भूटानी शरणार्थियों के मामले में ठगी का आरोप है। उनके बेटे संदीप रायमाझी को पुलिस ने दो हफ्ते पहले गिरफ्तार किया था। इस घटना में शामिल पूर्व गृह मंत्री बालकृष्ण खांड को बयान के लिए लोक अभियोजक कार्यालय ले जाया गया है। नेपाली नागरिकों को फर्जी भूटानी शरणार्थी बताकर अमेरिका भेजने वाले गिरोह के नेटवर्क को तोड़ते हुए पुलिस ने हाई प्रोफाइल लोगों को गिरफ्तार किया है। अब तक 13 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

जापान में किशिदा से मिलेंगे बाइडेनः व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन जापान की यात्रा के दौरान यहां के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ गुरुवार को मुलाकात करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के एक कार्यक्रम में सोमवार को यह जानकारी दी गयी। जी7 शिखर सम्मेलन 19-21 मई तक जापान के हिरोशिमा में होगा। व्हाइट हाउस के कार्यक्रम के अनुसार, श्री बाइडेन गुरुवार को हिरोशिमा पहुंचेंगे और उस दिन श्री किशिदा के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता करीन जीन-पियरे ने शुक्रवार को बताया था कि श्री बाइडेन बुधवार को जापान यात्रा पर जा रहे हैं, जहां वह जी7 शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। सुश्री जीन-पियरे ने बताया कि श्री बाइडेन ऋण सीमा बढ़ाने पर चर्चा करने के लिए अगले सप्ताह की शुरुआत में कांग्रेस के नेताओं से मिलेंगे। श्री बाइडेन ने रविवार को डेलावेयर में संवाददाताओं से कहा कि वह मंगलवार को कांग्रेस के नेताओं से मिलने की उम्मीद कर रहे हैं।

राजद्रोह के आरोप में मुझे 10 साल जेल में रखने की योजना बना रहा पाकिस्तान का सैन्य प्रतिष्ठान : इमरान

लाहौर (पाकिस्तान)। एजेंसी

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सोमवार को दावा किया कि देश के शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान ने उन्हें राजद्रोह के आरोप में अगले 10 साल तक जेल में रखने की योजना बनाई है। सोमवार तड़के सिलसिलेवार ट्वीट में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख ने कहा, ''तो अब लंदन की पूरी योजना सामने आ गई है। जब मैं जेल में था, तब हिंसा के बहाने उन्होंने न्यायाधीश, ज्यूरी और जल्लाद की भूमिका अपना ली। अब बुशरा बेगम (खान की पत्नी) को जेल में डाल कर और राजद्रोह कानून का इस्तेमाल करके अगले 10 साल तक जेल में रखकर मुझे अपमानित करने की योजना है।'' यह ट्वीट खान के लाहौर स्थित आवास पर पीटीआई नेताओं की बैठक के बाद आया है। सत्तर वर्षीय नेता 100 से अधिक मामलों में जमानत पर हैं। उन्होंने कहा, ''लोग कोई प्रतिक्रिया नहीं करें, यह सुनिश्चित करने के लिए उन्होंने दो काम किए हैं ङ्क पहला जानबूझकर न सिर्फ पीटीआई कार्यकर्ताओं बल्कि आम नागरिकों को भी आतंकित किया गया। दूसरा, मीडिया पूरी तरह से नियंत्रित और दबा हुआ है।'' उन्होंने कहा कि इन ''अपराधियों'' द्वारा जिस तरह से 'चादर और चार दिवारी' की पवित्रता का उल्लंघन किया जा रहा है, वैसा कभी नहीं किया गया है। पाकिस्तान के लोगों को अपना संदेश देते हुए खान ने कहा, ''पाकिस्तान के लोगों के लिए मेरा यही संदेश है कि मैं अपने खून की आखिरी बूंद तक हकीकी आजादी के लिए लड़ूंगा क्योंकि मेरे लिए इन अपराधियों का गुलाम होने से मौत बेहतर है।'' खान ने शुक्रवार को जमानत मिलने के बावजूद फिर से गिरफ्तारी की आशंका से खुद को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) परिसर में घंटों बंद रखा था, हालांकि शनिवार को वह अपने लाहौर स्थित घर लौट आए।

थाईलैंड के आम चुनाव में सैन्य शासन विरोधी दो राजनीतिक दल बड़ी ताकत के रूप में उभरे

बैंकाक । एजेंसी

थाईलैंड के आम चुनाव में सैन्य शासन विरोधी विपक्षी दल बड़ी ताकत के रूप में उभर रहे हैं। इससे यह उम्मीद जगी है कि एक दशक से सत्ता पर काबिज सेना समर्थित सरकार की विदाई हो सकती है। थाइलैंड में रविवार को हुए आम चुनाव के बाद 99 प्रतिशत से अधिक वोटों की गिनती हो चुकी है। अब तक की मतगणना में विपक्षी पार्टियों, मूव फॉरवर्ड पार्टी और फेयु थाई पार्टी को सर्वाधिक सीटें मिली हैं। चुनाव से पहले विपक्षी पार्टियों ने मतदाताओं से सैन्य शासन से मुक्ति दिलाने का वादा किया था। इस चुनाव में राजशाही अपमान कानून में सुधार और साफ-सफाई जैसे मुद्दे भी अहम रहे। संपूर्ण चुनाव परिणाम जारी होने में कुछ समय लग सकता है।

मतगणना के शुरुआती रुझानों से लग रहा है कि मूव फॉरवर्ड पार्टी को 400 में से 113 और फेयु थाई पार्टी को करीब 112 सीटों पर जीत मिल सकती है। 100 सीटों को पार्टियों को मिले वोट प्रतिशत के आधार पर वितरित किया जाएगा। फेयु थाई पार्टी देश की सबसे पुरानी पार्टियों में से एक है। इसके संस्थापक अरबपति उद्योगपति थाकसिन शिनेवात्रा हैं। थाकसिन शिनेवात्रा एक बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं। उनकी रिश्तेदार यिंगलुक शिनेवात्रा भी देश की बागडोर संभाल चुकी हैं।

शक्तिशाली चक्रवात मोखा के कारण म्यांमा में बाढ़, पश्चिमी इलाके संचार से कटे, करीब 700 लोग घायल

ढाका। एजेंसी

शक्तिशाली तूफान मोखा के म्यांमा में दस्तक देने के बाद देश के पश्चिमी तट के पास के इलाकों में 12 फुट तक समुद्र का पानी भर जाने के कारण वहां फंसे करीब 1,000 लोगों को सोमवार को बचावकर्मियों ने निकाला। चक्रवात के कारण म्यांमा के इस हिस्से में संचार संपर्क कट गया है और सैकड़ों लोग घायल हुए हैं। हालांकि चक्रवात से हुई क्षति और मृतकों की संख्या अभी ज्ञात नहीं है। सितवे में 'रखाइन यूथ्स फिलांथ्रोपिक एसोसिएशन' के एक नेता ने नाम नहीं जाहिर करने का अनुरोध करते हुए बताया कि तेज हवाएं चलने के कारण हुई घटनाओं में 700 से अधिक लोग घायल हो गए और करीब 20,000 लोगों ने सितवे में मठों, पैगोडा और स्कूलों जैसे स्थानों पर शरण ली है। उन्होंने बताया कि रविवार को चक्रवात मोखा के रखाइन राज्य में दस्तक देने के बाद तटीय क्षेत्र में निचले इलाकों में समुद्र का पानी घुस आया है। निवासी घरों की छतों पर और ऊपरी मंजिलों पर शरण लिए हुए हैं जबकि तेज हवाओं और आंधी के कारण तत्काल बचाव कार्य में बाधा आ रही है। बचाव समूह के नेता ने कहा, ''कल शाम चार बजे तूफान थोड़ा कमजोर हुआ था लेकिन पानी नीचे नहीं उतरा। अधिकतर लोगों ने छतों पर और अपने मकान की ऊपरी मंजिल पर रहकर रात बिताई। पूरी रात तेज हवाएं चलती रहीं।'' उन्होंने बताया कि बाढ़ वाले इलाकों में सोमवार को सुबह तक करीब पांच फुट पानी भरा रहा, लेकिन हवाओं के शांत होने और सूरज निकलने के बाद बचाव कार्य जारी रहा। उन्होंने नागरिक संगठनों और अधिकारियों से सहायता भेजने और निवासियों को वहां से निकालने की अपील की। इससे पहले चक्रवात के कारण म्यांमा में तीन लोगों की मौत होने और पड़ोसी बांग्लादेश में कई लोगों के घायल होने की सूचना मिली थी। हालांकि बांग्लादेश इस चक्रवात के असर से काफी हद तक बच गया है। म्यांमा के मौसम विभाग ने कहा कि चक्रवात मोखा के कारण रविवार दोपहर रखाइन राज्य में सितवे कस्बे के पास 209 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलीं। तूफान पहले बांग्लादेश के सेंट मार्टिन द्वीप से गुजरा, जिससे वहां काफी क्षति हुई और कई लोग हताहत हुए। इससे पहले दिन में तेज हवाओं के कारण कई मोबाइल टावर टूट गए, जिससे अधिकांश क्षेत्र में संचार संपर्क टूट गया। रखाइन में मीडिया की खबरों में कहा गया है कि चक्रवात के प्रभाव से हुई बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया जिससे निचले इलाकों में लोग अपने घरों में फंस गए। म्यांमा के सैन्य सूचना कार्यालय ने कहा कि तूफान ने सितवे, क्यौकप्यू और ग्वा कस्बों में घरों, बिजली के ट्रांसफार्मर, सेल फोन टावरों, नावों और लैम्पपोस्ट को नुकसान पहुंचाया है। इसने कहा कि तूफान के कारण देश के सबसे बड़े शहर यांगून से लगभग 425 किलोमीटर दक्षिण पश्चिम में कोको द्वीप पर खेल परिसरों की छतें भी गिर गई हैं।

सितवे में आश्रय स्थलों में सहायता कार्य कर रहे टिन नयेन ओ ने कहा कि 3,00,000 लोगों की आबादी वाले सितवे में 4,000 से अधिक लोगों को दूसरे शहरों से लाया गया है और 20,000 से अधिक लोगों ने मठों, पैगोडा और शहर के ऊंचाई वाले इलाकों में स्थित स्कूलों जैसी मजबूत इमारतों में आश्रय लिया है। एक स्थानीय चैरिटेबल फाउंडेशन के अध्यक्ष लिन लिन ने कहा कि अपेक्षा से अधिक लोगों के आने के बाद सितवे में आश्रय स्थलों में पर्याप्त भोजन नहीं है। म्यांमा में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के प्रतिनिधि टिटन मित्रा ने ट्वीट किया, ''मोखा ने दस्तक दे दी है। 20 लाख लोग खतरे में हैं। नुकसान और क्षति व्यापक होने की आशंका है। हम इससे निपटने के लिए तैयार हैं और सभी प्रभावित समुदायों तक निर्बाध सहायता पहुंचाने की आवश्यकता होगी।'' म्यांमा में रविवार को तेज हवाओं और बारिश के कारण कई लोगों के मारे जाने की सूचना मिली। चक्रवात मोखा के मार्ग में आए बांग्लादेश के कॉक्स बाजार में अधिकारियों ने पहले कहा था कि उन्होंने हजारों लोगों को निकालकर सुरक्षित जगह पहुंचाया। ढाका में बांग्लादेश मौसम विज्ञान विभाग के निदेशक अजीजुर रहमान ने कहा, ''हालांकि दोपहर तक ऐसा प्रतीत हुआ कि तूफान पूर्व की ओर बढ़ गया और देश का अधिकतर हिस्सा इससे अछूता रहा।'' उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''बांग्लादेश में जोखिम का स्तर काफी हद तक कम हो गया है।''

यूक्रेन के कई क्षेत्रों में हवाई हमले की चेतावनी

कीव। यूक्रेन के कई क्षेत्रों में हवाई हमले की चेतावनी दी गयी। देश के डिजिटल परिवर्तन मंत्रालय ने सोमवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गयी। जारी विज्ञप्ति के अनुसार सोमवार तड़के यूक्रेन के निप्रॉपेट्रोस, सुमी, पोल्टावा, मायकोलाइव और खार्किव के क्षेत्रों में हवाई हमले की चेतावनी दी गयी थी। इससे पहले, रविवार सुबह पूरे यूक्रेन में हवाई हमले के सायरन बजने लगे और कीव-नियंत्रित हिस्सों के यूक्रेनी क्षेत्रों सुमी, टेरनोपिल और खेरसॉन में विस्फोटों की गूंज सुनाई दी। गौरतलब है कि क्रीमिया ब्रिज पर आतंकवादी हमले के दो दिन बाद यानी कि 10 अक्टूबर से रूस ने यूक्रेन के बुनियादी ढांचे के खिलाफ सटीक हमले किए हैं। फरवरी में, यूक्रेनी पावर ग्रिड ऑपरेटर उक्रेनर्गो के प्रमुख ने कहा था कि रूसी हमलों से यूक्रेन के ऊर्जा बुनियादी ढांचे को करोड़ों डॉलर का नुकसान हो सकता है, जिसमें अरबों डालर का आर्थिक नुकसान हो सकता है।

थाइलैंड में आम चुनाव में विपक्षी दलों को बड़ी जीत

बैंकॉक। एजेंसी

थाइलैंड के मुख्य विपक्षी दलों ने रविवार को हुए आम चुनाव में शानदार जीत दर्ज की है। इसे 2014 के तख्तापलट के जरिये मौजूदा प्रधानमंत्री प्रयुत चान-ओचा के सत्ता में आने के नौ साल बाद बदलाव के एक अहम मौके के रूप में देखा जा रहा है।

सुबह तक 99 प्रतिशत मतों की गिनती के साथ विपक्षी दल 'मूव फॉरवर्ड पार्टी' ने एक अन्य विपक्षी दल 'फेयु थाई पार्टी' पर छोटी-सी बढ़त हासिल कर ली है। हालांकि, कहा नहीं जा सकता कि रविवार को हुए चुनाव का विजेता सरकार बना पाएगा। नए प्रधानमंत्री के चयन के लिए जुलाई में 500 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा और 250 सदस्यीय सीनेट का संयुक्त सत्र बुलाया जाएगा। इस प्रक्रिया को व्यापक रूप से अलोकतांत्रिक माना जाता है क्योंकि सीनेटर का चयन सेना द्वारा किया जाता है। रविवार को हुए मतदान में करीब 75 प्रतिशत पंजीकृत मतदाताओं ने वोट डाले। मूव फॉरवर्ड पार्टी ने प्रतिनिधि सभा के लिए 24 प्रतिशत से कुछ अधिक मत हासिल किए जबकि फेयु थाई पार्टी ने 23 प्रतिशत मत हासिल किए हैं। निर्वाचन आयोग के अनुसार, मूव फॉरवर्ड पार्टी ने 113 सीटों पर जीत दर्ज की है जबकि फेयु थाई पार्टी ने 112 सीटों पर जीत हासिल की है। निवर्तमान प्रधानमंत्री प्रयुत चान ओचा की 'यूनाइटेड थाई नेशनल पार्टी' करीब नौ प्रतिशत मत पाने के साथ ही पांचवें स्थान पर है। चुनाव पूर्व सर्वेक्षण में तीन दलों के नयी सरकार का नेतृत्व करने की संभावना जतायी गयी थी। पूर्व अरबपति प्रधानमंत्री थाकसिन शिनवात्रा की 36 वर्षीय बेटी पेतोंगतार्न शिनवात्रा को चुनाव पूर्व सर्वेक्षण में ज्यादातर लोगों ने देश के प्रधानमंत्री के रूप में देखने की इच्छा जतायी थी। सेना ने 2006 में तख्तापलट कर थाकसिन को सत्ता से बेदखल कर दिया था। उनकी रिश्तेदार यिंगलुक शिनवात्रा 2011 में प्रधानमंत्री बनी थीं, लेकिन प्रयुत की अगुवाई में तख्तापलट कर उन्हें सत्ता से हटा दिया गया था। फेयु थाई पार्टी ने 2019 के चुनाव में सबसे अधिक सीटें जीती थीं, लेकिन उसकी चिर प्रतिद्वंद्वी एवं सेना समर्थित पलांग प्रचारत पार्टी ने प्रयुत के साथ गठबंधन कर लिया था। अब मूव फॉरवर्ड के नेता 42 वर्षीय कारोबारी पिटा लिमजारोएनरत भी प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार दिखायी देते हैं। प्रधानमंत्री प्रयुत पर लड़खड़ाती अर्थव्यवस्था, महामारी से निपटने में रही खामियों को दूर न कर पाने और लोकतांत्रिक सुधारों को विफल करने का आरोप है।

सूडान ने विद्रोही अर्धसैनिकों के बैंक खाते किये सीज

काहिरा। सूडान में जनरल अब्दुल फत्तेह बुरहान के नेतृत्ववाले संक्रमणकालीन प्रशासन ने द पैरामिलिट्री रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (पीआरएसएफ) से संबंधित बैंक खातों को सीज करने का आदेश दिया है। यह आदेश रविवार को दिये गये। पीआरएसएफ मध्य अप्रैल से सूडान की सेना के संघर्ष कर रही है। पीआरएसएफ की ओर से बजटीय रकम की चिंता का हवाला देते हुए एक बयान में कहा गया, अब्दुल फतेह बुरहान ने आज विद्रोही रैपिड सपोर्ट फोर्सेज और उनकी कंपनियों के सभी सूडानी बैंकों तथा उनके विदेशों में स्थित शाखाओं के खातों को सीज करने का फैसला किया। सूडान की सरकार की ओर से यह फैसला मीडिया की उस रिपोर्ट के बाद आया है, जिसमें कहा गया था

सुनक ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का ब्रिटेन में किया स्वागत

लंदन। एजेंसी

ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने सोमवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की का स्वागत किया और युद्धग्रस्त यूरोपीय राष्ट्र के प्रति अपने समर्थन की पुष्टि की। ब्रिटेन चौथा यूरोपीय देश है जिसकी पिछले कुछ दिन में जेलेंस्की ने यात्रा की है। जर्मनी और इटली की यात्रा के बाद उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मिलने के लिए रविवार को पेरिस की एक अघोषित यात्रा की थी। जर्मनी और इटली की यात्रा के दौरान उन्होंने देश के वरिष्ठ नेताओं और पोप फ्रांसिस से मुलाकात की थी। डाउनिंग स्ट्रीट (ब्रिटेन में प्रधानमंत्री आवास) के अनुसार, जेलेंस्की सप्ताहांत में यूरोपीय नेताओं के साथ उनकी बैठकों के बारे में सुनक को जानकारी देंगे। यह यात्रा आइसलैंड में काउंसिल ऑफ यूरोप समिट से पहले हो रही है। जापान में जी-7 शिखर सम्मेलन के लिए तोक्यो की यात्रा से पहले सुनक इस सप्ताह आइसलैंड जाएंगे। सुनक ने कहा, यह, भयावह युद्ध में यूक्रेन की जवाबी कार्रवाई में एक महत्वपूर्ण क्षण है.. (ऐसा युद्ध) जिसके लिए उन्होंने नहीं उकसाया। उन्हें अंधाधुंध हमलों से बचने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के निरंतर समर्थन की जरूरत है जो (हमले) एक वर्ष से अधिक समय से उनकी रोजमर्रा की जिंदगी की वास्तविकता रहे हैं। सुनक ने कहा, हमें उन्हें निराश नहीं करना चाहिए।

(रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर) पुतिन के युद्ध की सीमाएं भले ही यूक्रेन तक सीमित हो सकती हैं, लेकिन इसके परिणाम पूरी दुनिया में दिखेंगे। यह सुनिश्चित करना हमारे हित में है कि यूक्रेन सफल हो और पुतिन की बर्बरता नाकाम हो।%% डाउनिंग स्ट्रीट के अनुसार, सुनक आइसलैंड और जापान की अपनी यात्रा के दौरान सैन्य सहायता तथा दीर्घकालिक सुरक्षा आश्वासन दोनों के संदर्भ में यूक्रेन को निरंतर अंतरराष्ट्रीय समर्थन दिलाने के लिए काम करेंगे।

चीन के आक्रामक बर्ताव तथा यूक्रेन पर रूसी आक्रमण जैसे मुद्दों के जी7 में प्रमुखता से उठने की उम्मीद

तोक्यो। एजेंसी

दुनिया की सात विकसित अर्थव्यवस्थाओं वाले समूह जी7 के इस सप्ताह होने जा रहे शिखर सम्मेलन में आठ अन्य अतिथि देश भी हिस्सा लेंगें। इस शिखर सम्मेलन में चीन के आक्रामक बर्ताव तथा यूक्रेन पर रूस के आक्रमण जैसे मुद्दों के प्रमुखता से उठने की उम्मीद है । जी7 शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता जापान कर रहा है और जापान के प्रधानमंत्री फूमिओ किशिदा ने दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया, भारत, ब्राजील, वियतनाम, इंडोनेशिया, कोमोरोस तथा कुक द्वीपसमूहों को इसमें आमंत्रित किया है। विश्लेषकों के अनुसार किशिदा को उम्मीद है कि ये देश चीन के आक्रामक बर्ताव तथा यूक्रेन पर रूस के आक्रमण जैसे गंभीर मुद्दों पर बात करेंगे। वह अमेरिका के सहयोगी देशों के साथ ही विकासशील देशों के साथ भी मजबूत संबंध चाहते हैं तथा परमाणु हथियार मुक्त दुनिया बनाने की दिशा में भी प्रगति चाहते हैं। लेकिन उत्तर कोरिया और रूस जैसे देशों से बढ़ते परमाणु खतरों के मद्देनजर ये मुश्किल प्रतीत होता है। जी7 में अमेरिका,जापान, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, कनाडा, इटली और यूरोपीय संघ शामिल हैं। इन देशों के शीर्ष राजनयिक पिछले माह नगानो में एक बैठक में शामिल हुए थे। सियोल के इवहा विश्विद्यालय में प्रोफेसर लीफ एरिक एस्ले ने कहा, ''जी7 अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को बरकरार रखने के लिए प्रतिबद्ध है साथ ही रूस के आक्रमण के बीच यूक्रेन को समर्थन करना उनकी शीर्ष प्राथमिकता है।'' इस शिखर सम्मेलन में शामिल होने वाले अतिथि देशों के चीन और रूस के साथ जटिल राजनीतिक तथा आर्थिक संबंध है। भारत चार देशों के समूह (क्वाड) का सदस्य है, इसमें भारत के अलावा अमेरिका, जापान तथा ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। चीन ने इस समूह पर ''एशियाई नाटो''के तौर पर काम करने का आरोप लगाया है। यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के दौरान भारत ने रूस के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र के प्रस्तावों पर मतदान में भाग नहीं लिया था, हालांकि उसने बातचीत के जरिए समस्या को हल करने पर हमेशा जोर दिया है।

अफगानिस्तान में मानवीय संकट तेज, संयुक्त राष्ट्र की ओर से 40 मिलियन डॉलर की मदद, लोग भुखमरी की कगार पर

संयुक्त राष्ट्र। एजेंसी

अफगानिस्तान का सेंट्रल बैंक, द अफगानिस्तान बैंक (डीएबी) ने रविवार को घोषणा की कि देश में चल रहे मानवीय संकट के बीच देश को 40 मिलियन डॉलर की सहायता मिली है. बैंक ने कहा कि बीते चार दिनों में काबुल को मिला यह दूसरा नकद पैकेज है. अगस्त 2021 में जब तालिबान ने काबुल की सत्ता पर कब्जा किया है, अफगानिस्तान की स्थिति दयनीय होती जा रही है. अफगानिस्तान में लोग खाने को तरस रहे हैं. बेरोजगारी चरम पर है. खामा प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार, अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक ने घोषणा की कि एक संयुक्त राष्ट्र मानवीय सहायता गुरुवार (11 मई) को काबुल पहुंची थी, और उसे एक निजी वाणिज्यिक बैंक में रखी गई थी. संयुक्त राष्ट्र की मानवीय मौद्रिक सहायता के हिस्से के रूप में अफगानिस्तान के केंद्रीय बैंक द्वारा इसका स्वागत किया गया, और अंतर्राष्ट्रीय समुदाय से सभी क्षेत्रों में एक साथ काम करना जारी रखने का आग्रह किया है. हालांकि, इस सहायता राशि का उपयोग हमेशा एक विवादास्पद मुद्दा रहा है. सहायता राशि देने वाले राष्ट्र, खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका ने इसके उपयोग की जांच करने से परहेज किया है. एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी विदेश विभाग ने पहले अफगानिस्तान को अमेरिकी भुगतान के संबंध में खुलासा करने से इनकार कर दिया था, और अफगानिस्तान पुनर्निर्माण के लिए विशेष महानिरीक्षक (एसआईजीएआर) ने पहले बताया था कि अफगानिस्तान को अमेरिका द्वारा दी गई सहायता राशि के बारे में बहुत स्पष्टता नहीं है. दूसरी ओर, अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) ने पहले यह स्पष्ट कर दिया था कि अफगानिस्तान को सहायता राशि के रूप में दिया जा रहा पैसा एक वाणिज्यिक बैंक में संयुक्त राष्ट्र के खातों में रखा जाता है और इसका उपयोग केवल संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों द्वारा मानवीय सहायता और युद्धग्रस्त अफगानिस्तान में अन्य सहायक कार्यक्रमों के लिए किया जाएगा. वर्षों के संघर्ष, गरीबी और गिरती अर्थव्यवस्था ने इस युद्ध प्रभावित देश में आम लोगों को भीषण भूख और भोजन की कमी का शिकार होने के लिए मजबूर कर दिया है. 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी के बाद से ही लाखों लोग भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं. अर्थव्यवस्था काफी गिर गई है. तालिबान सरकार को अभी तक दुनिया के अधिकतर देशों से मान्यता नहीं मिल पाई है जिसके कारण दूसरे देश सीधे तौर पर अफगानिस्तान की मदद भी नहीं कर पा रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षेप खबर

समाज के नवनिर्माण में नशा मुक्ति अभियान एक सराहनीय पहल : मुख्यमंत्री बघेल

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज प्रजापिता ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा राजधानी रायपुर स्थित शान्ति सरोवर में आयोजित नशामुक्त भारत अभियान के तहत नशामुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के शुभारंभ समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री बघेल ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। इस अवसर पर विधायक सत्यनारायण शर्मा, गृह सचिव अरूण देव गौतम, प्रजापिता ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के डॉ. सचिन परब, डॉ. बनारसी लाल शाह, ब्रम्हकुमारी हेमलता, ऊषा बहन उपस्थित थी। मुख्यमंत्री बघेल ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रजापिता ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय द्वारा शुरू किए गए नशा मुक्त भारत अभियान समाज के निर्माण की दिशा में एक सराहनीय पहल है। इस तारतम्य में चलाए जा रहे नशा मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान को सफल बनाने में हम सबकी महती भागीदारी हो। मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि नशे की शुरूआत आमतौर पर बाल्यकाल या युवावस्था से होती है। पहले शौक-शौक में पीना शुरू करते हैं, जो धीरे-धीरे आदत बन जाती है। यह जीवन में कड़वाहट घोल देता है। नशा एक बड़ी सामाजिक बुराई है, जो शारीरिक और मानसिक रूप से हम सबके लिए काफी नुकसानदेह है। यह व्यक्ति, परिवार और समाज सभी पर दुष्प्रभाव डालता है। नशा मुक्ति के लिए सामाजिक एकजुटता से जागरूकता अभियान चलाना एक अच्छा विकल्प है। मुख्यमंत्री बघेल ने समारोह में उपस्थित लोगों का आह्वान करते हुए कहा कि हमें मानवता की सेवा का नशा करना चाहिए क्योंकि इसका नशा सबसे बड़ा है। जिसके सामने हर नशा पीछे छूट जाता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व में समारोह में उपस्थित सभी लोगों ने नशा मुक्त छत्तीसगढ़ बनाने का संकल्प लिया। मुख्यमंत्री ने ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय को नशामुक्त भारत अभियान के लिए शुभकामनाएं दीं और शासन की ओर से सहयोग का आश्वासन भी दिया। उन्होंने केंद्रीय सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार एवं प्रजापिता ब्रम्हकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के बीच हुए एमओयू के तहत चलाए जा रहे नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत नशा मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के लिए प्रदेश के सभी जिले के लिए अभियान यात्रियों के झण्डा कलश यात्रा का शुभारंभ भी किया।

प्री वेडिंग शूट करवाने से बचें, युवतियों के भविष्य के लिए हानिकारक : महिला आयोग

रायपुर। रिश्ता तय होने पर विवाह की तैयारी जोरशोर से शुरू हुई और युवक-युवती ने प्री वेडिंग शूट भी करवाया। अचानक किसी बात को लेकर मतभेद उभर आए और विवाह होने से पहले ही रिश्ता टूट गया। आवेदिका युवती ने महिला आयोग में शिकायत की थी कि विवाह की तैयारी के लिए किया गया खर्च दिलाया जाए और प्री वेडिंग शूट की फोटो, वीडियो को नष्ट किया जाए। आयोग में शिकायत होने के बाद दोनों पक्षों में समझौता हो गया और आवेदिका ने प्रकरण वापस लेने आवेदन दिया। युवती ने आयोग सदस्यों के समक्ष बताया कि लड़के वालों ने विवाह की तैयारी के लिए किया गया खर्च लौटा दिया है। साथ ही प्री वेडिंग शूट की वीडियो को डिलीट कर दिया है। इस पर महिला आयोग ने युवक पक्ष को हिदायत दी कि भविष्य में युवती की कोई भी फोटो, वीडियो यदि इंटरनेट मीडिया में प्रसारित किया गया तो युवती, साइबर क्राइम के तहत रिपोर्ट दर्ज करा सकती है। महिला आयोग ने सुनवाई करते हुए युवा पीढ़ी को सलाह दी कि पश्चिमी संस्कृति को हावी न होने दें। प्री वेडिंग शूट करवाने से बचें क्योंकि यह युवतियों के भविष्य के लिए हानिकारक है।

संत समाज के मार्गदर्शक : मुख्यमंत्री

दुर्ग। कबीर पंथ भक्त जनों द्वारा सदुरु कबीर आश्रम सेलूद में 13 मई से दो दिवसीय विराट संत समागम समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए। जहां उन्होनें सदुरु कबीर साहेब की मूर्ति पर दीप प्रज्वलित का माल्यार्पण करते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की। समारोह को सम्बोधित करते हुए मुख्यमंत्री बघेल ने कहा कि संत समाज के मार्गदर्शक होते हैं। उन्होंने संत कबीर का जिक्र करते हुए कहा की वो ऐसे महान संत थे जिन्होंने सामाजिक आडम्बर पर कड़ा प्रहार किया और अंधविश्वास के उन्मूलन के लिए ज्ञान के दिव्य प्रकाश का प्रसार किया। संत कबीर की वाणी, दोहों के माध्यम से आज भी समाज के सामने है और अनंत काल तक समाज के पथ प्रदर्शन का कार्य करेगी। संत कबीर प्रेम के अनुरागी थे। आज 650 वर्ष बीतने के बाद भी उनकी वाणी प्रसंगिग है। वे जाति, धर्म से परे मानवता और समाज को एक सूत्र में बांधने की बात किया करते थे। उन्होंने कहा जो ब्रम्हाण्ड मे है, वही पिंड में भी इसलिए उन्होंने उपस्थित जनों से अपने आप को पहचानने की बात कही। सन्त समागम में उपस्थित भक्त जनों को उन्होनें कहा मन रूपी बर्तन को खाली रखे तभी आप सन्त के वाणी को आत्मसात कर पाएं और ज्ञान को ग्रहण कर सकें। अपने उद्बोधन में उन्होने बताया कि सरकार भी सन्तो के बताए मार्ग पर चल कर शिक्षा, स्वास्थ व संस्कृति इत्यदि के माध्यम से प्रदेश के विकास का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में, आश्रम स्थल मे डोम बनाने की घोषणा की। कार्यक्रम स्थल मे साहित्य वेदान्ताचार्य सुकृत साहेब शास्त्री, संचालक छोटे महन्त परमेश्वर दास साहेब, अध्यक्ष सन्त भूपत साहेब, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अध्यक्ष राजेंद्र साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष अशोक साहू, कृषि उपज मंडी के अध्यक्ष अश्विनी साहू व अन्य जनप्रतिनिधि, श्रद्धालु और अधिकारीगण उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने की जनसुनवाई, कहा- राहत कैंपों और प्रशासन शहरों संग अभियानों से मिल रही राहत

जयपुर। मुख्यमंत्री की जन सुनवाई के दौरान आम लोगों ने कहा कि राहत कैंपों और प्रशासन शहरों और गांवों के संग अभियानों से काफी राहत मिल रही है। महंगाई राहत कैंपों में गारंटी कार्ड मिलने से आर्थिक स्थिति में भी सुधार होगा और परिवार की बचत भी बढ़ेगी। ऐसी योजनाएं पूरे देश में लागू होनी चाहिए। ग्रामीण क्षेत्र से आए लोगों ने कहा कि कृषि उपभोक्ताओं को 2000 यूनिट तक निःशुल्क बिजली मिलने से आर्थिक संबल मिलेगा। मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई में दिव्यांगजनों के पास जाकर आत्मीयता से बातचीत की। उन्होंने समस्याओं के बारे में पूछा और अधिकारियों से भी जानकारी ली। गहलोत ने दिव्यांगजनों से संबंधित सभी प्रकार के लम्बित प्रकरणों को जल्द निपटाने करने के लिए निर्देश दिए। इस दौरान विभिन्न सेवाओं के कार्मिकों ने पुरानी पेंशन योजना फिर से लागू करने के लिए धन्यवाद दिया। वर्तमान में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सोमवार को जनसुनवाई करते हैं। जब मुख्यमंत्री जयपुर में नहीं होते, तो मंत्री या अधिकारी जनसुनवाई करते हैं।

राउत ने दी शिंदे-फडणवीस सरकार को चुनाव कराने की चुनौती

मुंबई। उद्धव बाला साहेब ठाकरे (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद संजय राउत ने सोमवार को शिंदे-फडणवीस राज्य सरकार को चुनौती देते हुए कहा कि अगर दम है तो राज्य में चुनाव कराएं हम कर्नाटक की तरह जीत दर्ज करेंगे। श्री राउत ने आज यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा, ÷मुझे आत्मसमर्पण करने और शिवसेना छोड़ने के लिए मजबूर करने के लिए दबाव की रणनीति बनायी जा रही है लेकिन मैं दबाव के आगे नहीं झुकूंगा।÷ ठाकरे समूह के नेता श्री राउत ने शिंदे- फडणवीस सरकार को सीधे चुनौती देते हुए कहा है कि अगर उनमें साहस है तो मुंबई निगम चुनाव कराओ हम कर्नाटक चुनाव की तरह जीत दर्ज करेंगे।

बजरंग दल को बैन करने का वायदा : खड़गे को मानहानि मामले में नोटिस

संगरुर। कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान सत्ता में आने पर बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का वायदा करने को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के खिलाफ दायर मानहानि के एक मामले में अदालत ने एक नोटिस जारी कर 10 जुलाई को तलब किया है। नोटिस हिंदू सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष हितेश भारद्वाज की तरफ से दाखिल मामले में पिछले शुक्रवार को जारी किया गया है। श्री भारद्वाज के दाखिल मामले में कहा गया है कि कांग्रेस के घोषणापत्र में बजरंग दल की तुलना राष्ट्र विरोधी संगठनों से करते हुए सत्ता में आने पर इसे प्रतिबंधित करने का वायदा किया गया है और बजरंग दल के बारे में कथित रूप से अपमानजनक टिप्पणियां की गई हैं।

भ्रष्टाचार सहित तीन मांगे पन्द्रह दिन में नहीं मानी गई तो पूरे राजस्थान में होगा आंदोलन : सचिन पायलट

जयपुर। एजेंसी

पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने अपनी ही कांग्रेस सरकार से राजस्थान लोकसेवा आयोग (आरपीएससी) को बंद कर कोई नई व्यवस्था लाई जाने, पेपर लीक से जिन बच्चों का नुकसान हुआ, उन्हें उचित आर्थिक मुआवजा देने और वसुंधरा सरकार के समय भ्रष्टाचार की जांच की मांग करते हुए घोषणा की है कि अगर ये तीनों मांगे पन्द्रह दिन में पूरी नहीं होती है तो पूरे प्रदेश में आंदोलन किया जाएगा।

श्री पायलट भ्रष्टाचार को लेकर अपनी सरकार के खिलाफ अजमेर से जयपुर तक की पांच दिन की अपनी जनसंघर्ष पद यात्रा के समापन पर सोमवार को जयपुर के भांकरोटा में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। जनसभा हजारों लोगों ने भाग लिया। उन्होंने कहा सरकार के सामने ये तीन मांगे रखी गई अगर इस महीने के आखिर तक ये मांगें नहीं मानी गईं तो पूरे प्रदेश में हम आंदोलन करेंगे। उन्होंने सरकार के सामने तीन मांगें रखते कहा कि उनकी पहली मांग यदि जनता पर दोबारा भरोसा जीतना है तो आरपीएससी को बंद करो और कोई नई व्यवस्था लाई जाए। एक कानून बने, जिसमें मेंबर और अध्यक्ष की नियुक्ति की पूरी तरह जांच हो, जैसे हाईकोर्ट के जज की होती है। इस पूरे जंजाल को ध्वस्त करके नया सिस्टम खड़ा करना होगा। उन्होंने कहा कि दूसरी मांग पेपर लीक से जिन बच्चों का नुकसान हुआ है, उन्हें उचित आर्थिक मुआवजा दिया जाना चाहिए और तीसरी वसुंधरा सरकार के भ्रष्टाचार की जांच हो। उन्होंने कहा कि अभी तक गांधीवादी तरीके से अपनी बात रख रहे थे और इसके तहत अपनी मांगों को लेकर चिट्ठियां लिखी, अनशन किया और जनसंघर्ष पद यात्रा निकाली। उन्होंने कहा कि इससे पहले हमारी मांग पर कोई कार्यवाही नहीं हुई लेकिन इस यात्रा के बाद उन्हें उम्मीद है कि अब कार्यवाही होगी, अगर अब भी कोई कार्यवाही नहीं होती है तो हम पुरजोर तरीके से पूरे प्रदेश में आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा मैं किसी पद पर रहूं या ना रहूं। राजस्थान की जनता की सेवा करता रहूंगा। मैं डरने वाला नहीं हूं, दबने वाला नहीं हूं। आपके लिए लड़ा हूं और लड़ता रहूंगा।

श्री पायलट ने कहा कि वसुंधरा सरकार के समय हुए भ्रष्टाचार की जांच के लिए अनशन रखा। उन्हें लगा कि हमें जनता के बीच जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो बच्चे मेहनत करते हैं, लाखों रुपए खर्च करते हैं, किराए के मकान में रहते हैं और फिर पेपर लीक हो जाता है। इसकी जड़ तक जाना होगा। उन्होंने कहा कि कहा जा रहा है कि कानून अपना काम कर रहा है, अगर कान्त अपना काम कर रहा है तो भेदभाव नहीं होना चाहिए। मछली, छोटी हो या बड़ी, पकड़ना ही पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि पहले कहा गया कि पेपर लीक मामले में कोई अधिकारी एवं नेता शामिल नहीं है, जब जांच पूरी नहीं हुई तो पहले से कैसे कहा जा सकता है कि ये लोग इसमें शामिल नहीं है। अब कटारा को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि कटारा किसके कहने पर आरपीएससी के सदस्य बने, इसकी भी जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यह कहां की नीति है कि अपनी पार्टी के नेता को बदनाम करो, भाजपा के नेताओं का गुणगान करो। यह चलने वाला नहीं है। जो कुर्सी पर बैठता है, उसे न्याय करना पड़ेगा। पक्षपात करने का अधिकार नहीं है। अगर दूध का दूध और पानी का पानी नहीं होगा तो विरोधी पूछेंगे कि कहीं कोई गड़बड़ तो नहीं है। उन्होंने कहा कि आजकल दूध और नींबू बहुत चल रहा है। उन्होंने कहा कि किसी को गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। नौजवान के मन में यदि मायूसी आ गई तो देश का भविष्य बेहतर नहीं होगा। यह यात्रा किसी का विरोध करने के लिए नहीं बल्कि

युवाओं के दिल में आग जलाने एवं उनका संरक्षण करने के लिए निकाली है।

उन्होंने कहा ÷मैं भी बीस साल से राजनीति कर रहा हूं। बड़े-बड़े पद मिले। जनता और पार्टी मेरे काम करने के तरीके के बारे में जानती है। कोई विरोधी भी मुझ पर अंगुली नहीं उठा सकता। उन्होंने युवाओं के पैरों के छालों की कसम खाते हुए कहा कि वह अब पीछे हटने वाला नहीं है। जो भी कुर्बानी देनी होगी, देने को तैयार है। कोई दूध और नींबू की सफाई दे रहा है। कोई कह रहा है कि दस बार बात हुई, नहीं हुई। मैंने तो कहा ही नहीं कि मिलीभगत है। सिर्फ यह कह रहा हूं कि जो मांग रखी है वह पूरी कर दो।

मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना का लाभ सभी पात्र किसानों को मिले : मंत्री सखलेचा

भोपाल। सूक्ष्म, लघु, मध्यम उद्यम मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा ने कहा है कि मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना का लाभ सभी पात्र किसानों को सुनिश्चित करने के लिए किसानों के फॉर्म भरवाए जाएं। मंत्री सखलेचा ने आज जावद क्षेत्र के झांतला एवं ताल सेहनातलाई के प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति कार्यालय में मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना के फार्म भरवाए। मंत्री सखलेचा ने कहा कि सरकार जो कहती है, वह करती है। पिछले 20 सालों में किसान, मजदूर, विद्यार्थी, बहन-बेटियों के कल्याण के लिए प्रदेश सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। प्रदेश में सड़कों का जाल बिछ गया है, पर्याप्त मात्रा में बिजली मिल रही है, किसान खुशहाल और समृद्ध हुआ है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना के तहत झांतला सोसाइटी के 384 किसानों को 19 लाख रुपए से अधिक की ब्याज माफी का लाभ मिलेगा। जावद क्षेत्र के 6600 से अधिक किसानों को ?24 करोड़ से अधिक की राशि की ब्याज माफी का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों की पीड़ा को समझा और उन्हें डिफाल्टर होने से बचाने के लिए मुख्यमंत्री कृषक ब्याज माफी योजना शुरू की है।

जब तक सूरज-चांद रहेगा, भारत में राष्ट्रवाद और सनातन धर्म मौजूद रहेगा : हिमंत बिस्वा सरमा

हैदराबाद। एजेंसी

असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) जल्द ही देश में लागू की जाएगी और बहुविवाह प्रथा समाप्त हो जाएगी. वह भारतीय जनता पार्टी की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष एवं लोकसभा सदस्य बी. संजय कुमार द्वारा करीमनगर में आयोजित हिंदू एकता यात्रा को संबोधित कर रहे थे. हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा, ''भारत में कुछ लोग सोचते हैं कि वे चार महिलाओं से शादी कर सकते हैं. लेकिन, मेरा कहना है कि आप चार शादी नहीं कर पाएंगे. वह वक्त अब समाप्त होने जा रहा. वह दिन दूर नहीं है. समान नागरिक संहिता भारत में लागू होने वाली है और देश को सही मायने में एक पंथनिरपेक्ष राष्ट्र बनाने का भी वक्त आ गया है.'' असम के मुख्यमंत्री ने हाल में कहा था कि राज्य सरकार ने बहुविवाह प्रथा समाप्त करने के लिए कानून लागू करने के वास्ते राज्य विधानसभा की विधायी शक्ति की पड़ताल के लिए चार सदस्यीय एक विशेषज्ञ समिति गठित की है. तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव का नाम लिए बगैर सरमा ने कहा कि तेलंगाना में राजा के शासन की जगह राम राज्य आने वाला है. उन्होंने कहा कि 'राजा' के पास पांच महीने ही बचे हैं. तेलंगाना में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होना है. असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने कर्नाटक विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद टेलीविजन पर कुछ लोगों को यह कहते सुना कि देश में हिंदू के नाम पर और कुछ नहीं होगा. शर्मा ने कहा, ''जब तक सूरज-चांद रहेगा, भारत में राष्ट्रवाद और सनातन धर्म मौजूद रहेगा।

केबिनेट मंत्री पटेल ने चलित पशु चिकित्सा इकाईयो को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना

बड़वानी। एजेंसी

प्रदेश के पशुपालन, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण मंत्री प्रेमसिंह पटेल द्वारा बिमार पशुओं के उपचार हेतु घर पहुंच सेवा चलित पशु चिकित्सा इकाई सेवा टोल फ्री नम्बर 1962 का शुभारंभ कर साथ ही चलित पशु चिकित्सा इकाई वाहन एंबुलेंस चालक का श्रीफल देकर सम्मान निधि देकर सम्मानित कर वाहन को हरी झण्डी दिखाकर विकासखण्ड की और रवाना किया गया।

मध्यप्रदेश को 406 एवं बड़वानी जिले को 09 चलित पशु चिकित्सा इकाई की सौगात मिली हैं। जो बड़वानी जिले के सात विकासखण्ड हेतु उपलब्ध हैं। कैबिनेट मंत्री ने बताया कि इससे इलाज कराने में सहुलियत मिलेगी व बिमार पशुओं का उपचार घर पर ही हो सकेगा। पशु पालकों को पशुओं को उपचार हेतु चिकित्सालय में ले जाने हेतु असुविधा होती थी। अब यह असुविधा नहीं होगी व समय पर बिमार पशुओं को उपचार मिलेगा। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष बलवन्त पटेल द्वारा भी इस योजना हेतु शुभकामनाओं सहित सम्पूर्ण सहयोग हेतु आश्वासन दिया हैं। इस अवसर पर संयुक्त संचालक पशु चिकित्सा सेवायें इन्दौर संभाग इन्दौर डॉ. नरेन्द्र कुमार बामनिया ने बताया कि इन्दौर संभाग के 54 विकासखण्ड में 67 चलित पशु चिकित्सा इकाई वाहन की सुविधा भी रहेगी। उन्होंने बताया कि सभी चलित इकाई की मानिटरिंग जीपीएस से होगी। चलित इकाई राज्य स्तरीय कॉल सेन्टर से जुड़ी रहेगी। चलित पशु चिकित्सा इकाई कि विशेष बात यह हैं कि इन चलित इकाई में डॉक्टर सहित अन्य स्टॉफ भी मौजुद रहेंगे। साथ ही चलित इकाई में जॉच सहित कई सुविधाएं मौके पर ही मिलेगी व दवायें भी निःशुल्क मिलेगी। डॉक्टर को यदि लगता हैं कि पशु का ईलाज स्पॉट पर सम्भव नहीं हैं, तो वह पशु को निकटस्थ पशु चिकित्सालय भी ले जाऐंगे। केन्द्र सरकार और राज्य सरकार की संयुक्त योजना के तहत चलित पशु चिकित्सा इकाई बड़वानी जिले को मिलीं हैं।

रंग-बिरंगे खुबसूरत फूलों की खेती जिले के किसानों के जीवन में भर रहे नया रंग

राजनांदगांव। रंग-बिरंगे खुबसूरत फूलों की खेती जिले के किसानों के जीवन में नया रंग भर रही है। राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम बरगाही की कृषक श्रीमती अनीता नायडू एवं उनके पति राजीव नायडू के खेत विविध फूलों से गुलजार हैं। उन्होंने फूलों की खेती के लिए पॉली हाऊस का निर्माण किया है। जिसके लिए उन्हें राष्ट्रीय बागवानी मिशन के तहत 16 हजार 88 रूपए की राशि शासन से अनुदान मिला है। उन्होंने संरक्षित खेती योजना के अंतर्गत जरबेरा फूलों की वेरायटी लगाई है। किसान राजीव साहू ने बताया कि उन्हें संरक्षित खेती के तहत 14 लाख रूपए का अनुदान प्राप्त हुआ है। उन्होंने बताया कि यहां लगभग 36 हजार पौधे लगे हैं। अपने खेतों में उन्होंने जरबेरा की वेरायटी अंकुर, सिल्वेस्टर, दून, दानाएलन, व्हाइट हाऊस एवं फोर्ब्स के साथ गुलाब, विन्सेन्ट फूल भी लगाया है। फूलों की खेती से उन्हें लगभग 10 लाख रूपए की आमदनी हो रही है।

आर्म्सडेल भवन चरण-3 का लोकार्पण, कामकाज को सुगम बनाएगा नया ब्लॉक : सीएम

शिमला। एजेंसी

मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने सोमवार को 43.07 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित हिमाचल प्रदेश सचिवालय आर्म्सडेल भवन चरण-3 का लोकार्पण किया। इस आठ मंजिला भवन में आधुनिक सुविधाएं और 123 चार पहिया और 60 दोपहिया वाहनों के लिए पार्किंग की सुविधा उपलब्ध है। इसमें डिजास्टर मैनेजमेंट सेल, कमांड एंड कंट्रोल सेंटर, जनजातीय विकास कार्यालय, सम्मेलन कक्ष, मीटिंग हॉल, अधिकारियों और वाहन चालकों के लिए कमरे और एसबीआई और पीएनबी की शाखाओं के विभिन्न कार्यालय हैं।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि सचिवालय का पुराना भवन एक विरासत भवन है, जहां जन कल्याण के लिए कई ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि नया भवन आधुनिक तकनीक के साथ सामंजस्य से कार्य करने की सरकार की कार्य प्रणाली को प्रदर्शित करता है। उन्होंने राज्य सरकार की नीतियों और कार्यक्रमों को प्रभावी तरीके से कार्यान्वित करने में कर्मचारियों के सहयोग के महत्व पर भी विशेष बल दिया। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि आगामी चार वर्षों के दौरान हिमाचल प्रदेश को आत्मनिर्भर राज्य बनाने की दिशा में राज्य सरकार आर्थिक रूप से विवेकपूर्ण निर्णय ले रही है। प्रदेश सरकार के कल्याणकारी निर्णयों में कर्मचारियों का सहयोग भी वांछित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार ने अपने वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने के लिए कई निर्णय लिए हैं और आने वाले समय में कई कड़े निर्णयों के साथ प्रशासनिक स्तर पर भी महत्वपूर्ण सुधार किए जाएंगे। प्रदेश को विकास पथ पर तेजी से अग्रसर करने के लिए कार्यों के निष्पादन में तेजी लानी होगी। सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करने में सचिवालय के अधिकारी व कर्मचारी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सभी को पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर राज्य सरकार का सहयोग करना चाहिए। ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि राज्य सरकार कर्मचारियों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। आर्थिक तंगी के बावजूद राज्य के कर्मचारियों और पेंशनरों को तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता जारी किया गया है। एनपीएस का पैसा केंद्र सरकार के पास है और राज्य सरकार की हिस्सेदारी वापस लाने में कर्मचारियों को सहयोग करना होगा। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर पूजा अर्चना भी की। मुख्य सचिव प्रबोध सक्सेना ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए कहा कि ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने मुख्यमंत्री का पद ग्रहण करने के उपरान्त प्रशासन को नई दिशा दी है। सचिवालय का नया भवन पूरे प्रदेश के लिए संदेश है कि नई सरकार लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि अधिकारी और कर्मचारी मुख्यमंत्री की उम्मीदों पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. कर्नल (सेवानिवृत्त) धनी राम शांडिल, लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह, पूर्व मंत्री ठाकुर सिंह भरमौरी, प्रधान सचिव राजस्व ओंकार शर्मा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव भरत खेड़ा, हिमाचल प्रदेश सचिवालय सेवा कर्मचारी संघ के अध्यक्ष भूपिंदर सिंह और अन्य गणमान्य व्यक्ति इस अवसर पर उपस्थित थे।

अशोक सिंह प्रांत अध्यक्ष के मार्गदर्शन में यातायात सड़क सुरक्षा नियम के बारे में मार्गदर्शन दिया

टीकमगढ़। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार सुरक्षा संगठन टीकमगढ़ शाखा के अध्यक्ष रामरतन दीक्षित एवं पदाधिकारियों के सहयोग से तथा प्रदेश के कुशल नेतृत्व करने वाले अशोक सिंह प्रांत अध्यक्ष के मार्गदर्शन में यातायात सड़क सुरक्षा नियम के बारे में माननीय पुलिस अधीक्षक रोहित जी टीकमगढ़।एवं जतारा एसडीओ पुलिस गौतम जी एवं पुलिस निरीक्षक हिमांशु साहब। के सहयोग से थाना जतारा के समक्ष एक सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियम के संबंध में। पेन ड्राइव के माध्यम से विस्तार पूर्वक सड़क सुरक्षा एवं यातायात के नियम की समझाइश दी जो लगातार माइक के द्वारा चलता रहा वाहन चालकों ने ध्यानपूर्वक सुना एवं उन्हें मानने के लिए स्वीकार किया। कार्यक्रम का आरंभ हरी झंडी के माध्यम से अभिषेक गौतम जी एसडीओपी जीके द्वारा किया गया जिसमें काफी संख्या में संगठन के पदाधिकारी एवं पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

समिति समान नागरिक संहिता का मसौदा 30 जून तक सौंप देगी : धामी

देहरादून। एजेंसी

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को कहा कि राज्य के लिए समान नागरिक संहिता पर 90 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है और 30 जून तक इसका मसौदा तैयार हो जाएगा। उधमसिंह नगर जिले के काशीपुर में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए धामी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाली समिति ने समान नागरिक संहिता के मसौदे से संबंधित 90 प्रतिशत काम पूरा कर लिया है। धामी ने कहा, 'समान नागरिक संहिता के मसौदे को तैयार करने वाली समिति ने कहा है कि वह इसे 30 जून तक सौंप देगी जिसके बाद हम इसे लागू करने के लिए कदम उठाएंगे।' मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही जोड़ा, 'हमें आशा है कि दूसरे राज्य भी हमारा अनुसरण करेंगे और समान नागरिक संहिता को लागू करेंगे।' समान नागरिक संहिता को लागू करना पिछले साल फरवरी में हुए उत्तराखंड विधानसभा चुनावों में भाजपा के प्रमुख चुनावी मुद्दों में से एक था जहां भाजपा ने जबरदस्त बहुमत हासिल कर प्रदेश में सत्ता में लगातार दूसरी बार आने का रिकार्ड बनाया था। धामी ने कहा, 'हम हरेक ऐसा फैसला लेंगे जो जनता के हित में है।' धामी 355 करोड़ रू की लागत वाली 113 परियोजनाओं की आधारशिला और लोकार्पण करने के लिए काशीपुर आए थे। उन्होंने कहा कि पेयजल और बिजली से संबंधित ये परियोजनाएं काशीपुर के विकास की रफ्तार को तेज करेंगी।

जहरीली शराब से हुई मौतों के मामले की जांच सीबी-सीआईडी करेगी : स्टालिन

चेन्नई। एजेंसी

देश में जहरीली शराब से मौतों का मामला थमने का नाम नहीं ले रहा है। अब तमिलनाडु में दो अलग-अलग घटनाओं में जहरीली शराब पीने से 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग अस्पताल में भर्ती हैं। तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन ने पीड़ित लोगों से अस्पताल में जाकर मुलाकात की। साथ ही कहा कि इस केस की जांच सीबी-सीआईडी करेगी।

जहरीली शराब का कहर

तमिलनाडु के विल्लुपुरम जिले के मरक्कनम में जहरीली शराब पीने से नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि चेंगलपट्टू जिले के मदुरंथकम में पांच लोगों की जिंदगी चली गई। इस घटना के बाद ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में 7 पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। इस घटना पर तमिलनाडु के सीएम एमके स्टालिन का कहना है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि नकली शराब बनाने के लिए मेथनॉल का इस्तेमाल किया गया। सीएम ने इस मामले में एक्शन लेते हुए विल्लुपुरम के एसपी को निलंबित करने और चेंगलपट्टू के एसपी के तबादले का आदेश दिया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

'द केरल स्टोरी' जैसी आगरा की महिला की कहानी

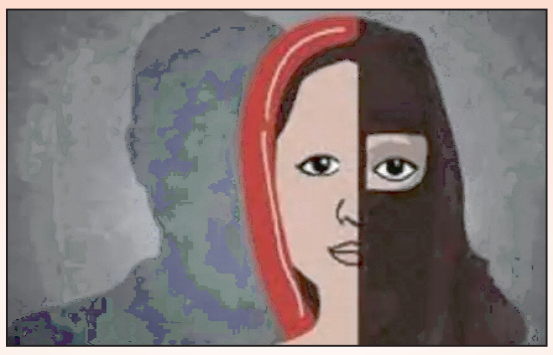

लव-जिहाद पर बेस्ड फिल्म 'द केरल स्टोरी' यूपी में चर्चा में है। आगरा में 'द केरल स्टोरी' जैसा ही मामला सामने आया है। महिला का कहना है कि उसके साथ भी ऐसा ही हुआ है। विशेष समुदाय के युवक ने हिंदू बनकर उसको प्रेम जाल में फंसाया। फिर उसका अश्लील वीडियो बना लिया। ब्लैकमेल कर शादी करने के लिए मजबूर किया। जबरन धर्म परिवर्तन कराकर निकाह पढ़ा। इसके बाद बच्चे होने के बाद तीन तलाक देकर भगा दिया। फिल्म देखने के बाद पीड़िता को हिम्मत आई। उसने आरोपी पर ऋक्ष्म दर्ज कराई है। पुलिस उसको तलाश कर रही है। वहीं, अब पीड़िता ने दैनिक भास्कर से अपना दर्द बयां किया। रकाबगंज की रहने वाली महिला ने बताया,"2017 में मेरे मोबाइल पर एक नंबर से मिस कॉल आई। मैंने कॉल बैक किया, तो उसने अपना नाम राजा बताया। मैं उसे जानती नहीं थी, इसलिए मैंने फोन काट दिया। इसके बाद राजा लगातार अलग-अलग नंबर से फोन करने लगा। वह मुझे मेरे परिवार का मिलने वाला बताता था। हर बार वह फ्रेंडशिप का ऑफर देता। जब वह कई दिनों तक लगातार फोन करता रहा, तो मैंने उससे मुलाकात की। मुलाकात के बाद मेरी उससे दोस्ती हो गई।' महिला ने बताया, "राजा ने मुझसे कहा, मैं हिंदू हूं। कुछ दिनों बाद हमारी दोस्ती प्यार में बदल गई। इसी बीच उसने चुपके से मेरा अश्लील वीडियो बना लिया। उसने वीडियो दिखाकर मेरे सामने शादी का प्रस्ताव रखा। मैंने हां कर दी। लेकिन, मैंने कहा कि शादी से पहले एक बार तुम्हारा घर देखना चाहती हूं। इसके बाद वह मुझे अपने घर ले गया।' पीड़िता ने बताया, "जब मैं उसके घर गई, तो देखा कि घर मुस्लिम बस्ती में था। ये देखकर मैं परेशान हो गई। मैंने राजा की मम्मी से पूछा कि आप हिंदू नहीं हैं, तो उन्होंने कहा कि नहीं, हम दूसरे धर्म के हैं। तुम्हें पता नहीं था। मैंने कहा कि राजा ने मुझे हिंदू बताया था। हिंदू होने के चलते ही मैंने उससे प्यार किया था। मैं दूसरे धर्म के लड़के से प्यार नहीं कर सकती। अब मैं शादी नहीं करूंगी। महिला ने बताया, "शादी के लिए मना करने पर राजा और उसके पिता ने मुझे धमकाया। कहा कि शादी तो तुम्हें करनी ही होगी। मेरे पास तुम्हारे अश्लील वीडियो हैं। ये वीडियो मैं तुम्हारे परिवार और रिश्तेदारों को भेज दूंगा। तुम्हें आत्महत्या करनी पड़ेगी। तुम्हारे परिवार को भी मार दूंगा। बदनामी के डर से मैंने शादी के लिए हामी भर दी।' उसने बताया, "इसके बाद राजा ने शर्त रख दी कि शादी से पहले धर्म परिवर्तन करना होगा। मेरी मां इसके लिए तैयार नहीं थी। उन्होंने रिश्ता तोड़ने की बात कही थी, लेकिन मैंने उन्हें समझा लिया। इसके बाद शादी से दो महीने पहले राजा और उसके परिवार ने मेरा धर्म परिवर्तन कराया। मेरी मर्जी के खिलाफ शादी के कार्ड पर दूसरे धर्म का नाम छपवा दिया। शादी भी हिंदू रीति-रिवाज से नहीं की। पीड़िता ने बताया, "निकाह के बाद राजा और उसके परिवार ने मेरा घर जाना बंद करवा दिया।

मेरठ में पति और टीचर पत्नी का मर्डर

मेरठ में घर के अंदर पति-पत्नी की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। मंगलवार सुबह खून से लथपथ दोनों की लाश कमरे में बेड पर पड़ी थी। धारदार हथियार से हमला किया गया है। दोनों के गले, सिर और हाथ पर जख्म हैं। जिस कमरे में वारदात हुई वह पहली मंजिल में है। पुलिस के मुताबिक, कोई लूट नहीं हुई है। कमरे में महिला टीचर का लैपटॉप ऑन था। घर के बाहर खड़ी स्कूटी गायब बताई जा रही है। ये हत्या क्यों हुई, ये अभी स्पष्ट नहीं है। मृतक का नाम प्रमोद कर्णवाल (50) जबकि मृतका का नाम ममता (45) था। पुलिस ने बताया कि नौचंदी इलाके के सेक्टर-6 में प्रमोद, पत्नी और माता-पिता के साथ रहते थे। उनका दो मंजिला मकान है। प्रमोद साहिबाबाद की लोहा फैक्ट्री में काम करते थे। उनकी पत्नी ममता इऊ स्कूल में टीचर थीं। घर के नीचे ग्राउंड फ्लोर पर प्रमोद के माता-पिता रहते हैं। ऊपर की मंजिल में प्रमोद अपनी पत्नी के साथ रहते थे। उनके एक बेटा और बेटी है। दोनों बाहर रहते हैं। प्रमोद के दो बच्चे हैं। बेटा आर्यन और बेटी कनिष्का। बेटी गुड़गांव में जॉब करती है। जबकि बेटा पढ़ाई करता है। मंगलवार को बेटे ने पिता प्रमोद के मोबाइल पर कॉल किया। कई रिंग के बाद भी फोन नहीं उठा तो उसको शक हुआ। फिर बेटे ने पड़ोस के परिवार को फोन किया। कहा कि मम्मी, पापा फोन नहीं उठा रहे हैं। आप मेरी बात करा दीजिए। इसके बाद पड़ोस में रहने वाले शुभम, प्रमोद के घर आए। नीचे प्रमोद के बुजुर्ग मां-बाप को बताया कि वह बच्चों का फोन नहीं उठा रहे हैं। इसके बाद सभी ऊपर की मंजिल पर पहुंचे। आवाज लगाने पर जब कोई रिस्पांस नहीं मिला तो सभी कमरे के अंदर गए। बेडरूम में प्रमोद और ममता के शव बेड पर पड़े हुए थे। चद्दर खून से सनी हुई थी। इसके बाद हल्ला मच गया। पड़ोसी और भीड़ मौके पर जमा हो गई। तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। बेटा भी गुड़गांव से मेरठ आ गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने कमरे की जांच की। यहां सामान अस्त-व्यस्त नहीं मिला। नीचे खड़ी स्कूटी गायब थी। घर का मेन गेट बंद था। ऊपर की मंजिल के सभी दरवाजे खुले थे। पुलिस का मानना है कि कमरे में मिला लैपटॉप ऑन था। इसके दो मतलब हैं- या तो हत्यारे ने लैपटॉप ऑन किया है। या फिर काम करने के दौरान ही दोनों पर हमला हुआ है। हालांकि, इसकी आशंका इसलिए कम है क्योंकि, अगर जागते वक्त हमला होता तो फिर चीख-पुकार मचती। आसपास के लोगों तक आवाज पहुंचती। जबकि नीचे रहने प्रमोद के मां-बाप को भी हत्या का पता नहीं चल पाया। टीम को किचन में खाना मिला है। अंदाजा लगाया गया है कि दोनों ने रात में एक साथ खाना खाया है। इसके बाद सोने के लिए बेड पर लेटे हैं। बॉडी जिस तरह से मिली हैं, उससे अंदाजा लग रहा है कि सोते वक्त ही दोनों को निशाना बनाया गया है। एसएसपी रोहित सिंह सजवाण ने बताया कि कातिल एक था या एक से ज्यादा, इसका पता लगाने के लिए फोरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाए हैं। कोई लूटपाट नहीं हुई है। सीसीटीवी फुटेज चेक की जा रही है।

अब पूरे ज्ञानवापी परिसर की कार्बन डेटिंग GPR सर्वे की मांग

अब पूरे ज्ञानवापी परिसर की कार्बन डेटिंग और ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (GPR) के द्वारा अरक (आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया) सर्वे कराने की मांग पर आज वाराणसी कोर्ट में दोपहर 2 बजे सुनवाई होगी। हिंदू पक्ष के अधिवक्ता विष्णु जैन की तरफ से 6 वादी वाराणसी जिला न्यायालय में आज इससे जुड़ा केस दाखिल किया जा रहा है। विष्णु जैन ने इसकी जानकारी आज सुबह ट्वीट करके दी। मंगलवार सुबह विष्णु जैन के साथ 4 वादियों ने काशी विश्वनाथ धाम के दर्शन किए। विष्णु जैन ने कहा कि केवल शिवलिंग वाली आकृति ही नहीं, बल्कि पूरे परिसर की साइंटिफिक जांच होगी, तो एक-एक सच्चाई बाहर निकलकर आएगी। भगवान आदि विश्वेश्वर के मंदिर को तोड़कर कब मस्जिद बनाई गई, तीन गुंबद के नीचे मंदिर के शिखर हैं

और वेस्टर्न वाल की आदि जांच हो। पूरा परिसर हिंदू मंदिर का है। मस्जिद के वेस्टर्न वाल के जांच की मांग कर रहे हैं। हाईकोर्ट ने ऑर्डर कर दिया है कि जब शिवलिंग का साइंटिफिक सर्वे किया जा सकता है तो फिर पूरे परिसर का भी सर्वे कराया जा सकता है। आज वाराणसी कोर्ट में यह याचिका चारो वादिनी महिलाओं, महंत शिव प्रसाद पांडेय और राम प्रसाद सिंह की ओर से दाखिल किया जाएगा। हिंदू पक्ष के साथ श्रीकाशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन करने पहुंचे विष्णु जैन ने कहा कि यदि ज्ञानवापी के पूरे परिसर में GPR सर्वे के बाद कोई विवादित स्थल के नीचे कोई चीजें मिलती हैं तो फिर खुदाई का आदेश दिया जाए। दिया था। अरविंद कुमार मिश्रा की पीठ ने आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया (अरक) को आदेश दिया था कि शिवलिंग के अपर पार्ट का सर्वे करें। दस ग्राम से ज्यादा हिस्सा उसमें से न लिया जाए। हाईकोर्ट ने अरकके वकीलों से कहा है कि वाराणसी जिला कोर्ट के सामने 22 मई को पेश हों। इसके बाद जिला कोर्ट इस मामले में आगे आदेश देगा कि कैसे साइंटिफिक सर्वे होना है।

आज ही ज्ञानवापी परिसर में मिली थी शिवलिंग आकृति

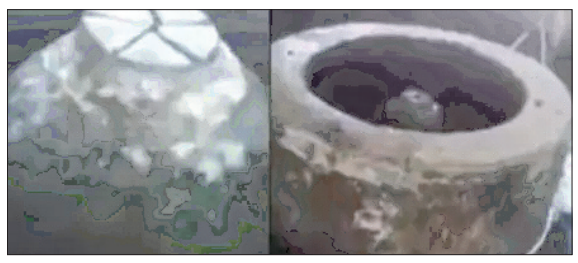

वाराणसी के ज्ञानवापी परिसर में सर्वे का आज एक साल पूरा हो चुका। एक साल पहले 16 मई 2022 को सर्वे टीम को कुएं से शिवलिंग जैसी आकृति मिली थी। इसको हिंदू पक्ष शिवलिंग और मुसलिम पक्ष फव्वारा बता रहा है। एक साल में तमाम उतार-चढ़ाव के बीच आकृति की कार्बन डेटिंग नहीं हो सकी है। हिन्दू पक्ष के वकील हरीशंकर जैन के आवेदन पर अदालत ने कथित शिवलिंग वाली जगह को सील करने का आदेश दिया, जिसे सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है। हालांकि कार्बन डेटिंग का आदेश हाईकोर्ट ने दिया है लेकिन अभी तारीख तय होना बाकी है। काशी विश्वनाथ ज्ञानवापी केस में 1991 में वाराणसी कोर्ट में पहला

मुकदमा दाखिल हुआ था। इस याचिका में ज्ञानवापी परिसर में पूजा की अनुमति मांगी गई। प्राचीन मूर्ति स्वयंभू भगवान विश्वेश्वर की याचिका के विरोध में मस्जिद कमेटी ने याचिका को हाईकोर्ट में चुनौती दी। 1993 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने स्टे लगाकर यथास्थिति कायम रखने का आदेश दिया था। 2019 में वाराणसी कोर्ट में फिर से इस मामले में सुनवाई शुरू हुई। 2021 में वाराणसी की सिविल जज सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट से ज्ञानवापी मस्जिद के पुरातात्विक सर्वेक्षण की मंजूरी दे दी। विश्वेश्वर का स्वयंभू ज्योतिर्लिंग है। काशी विश्वनाथ मंदिर का निर्माण करीब 2050 साल पहले महाराजा विक्रमादित्य ने करवाया था। मुगल सम्राट औरंगजेब ने साल 1664 में मंदिर को तुड़वा दिया। दावे में कहा गया है कि मस्जिद का निर्माण मंदिर को तोड़कर उसकी भूमि पर किया गया है जो कि अब ज्ञानवापी मस्जिद के रूप में जाना जाता है। याचिकाकताओं ने मांग की है कि ज्ञानवापी परिसर का पुरातात्विक सर्वेक्षण कर यह पता लगाया जाए कि जमीन के अंदर का भाग मंदिर का अवशेष है या नहीं। साथ ही विवादित ढांचे का फर्श तोड़कर ये भी पता लगाया जाए कि ज्योतिर्लिंग स्वयंभू विश्वेश्वरनाथ भी वहां मौजूद हैं या नहीं। मस्जिद की दीवारों की भी जांच कर पता लगाया जाए कि ये मंदिर की हैं या नहीं। याचिकाकर्ता का दावा है कि काशी विश्वनाथ मंदिर के अवशेषों से ही ज्ञानवापी मस्जिद का निर्माण हुआ था।

27 जिलों में आंधी बारिश का अलर्ट

यूपी में मौसम एक बार फिर करवट लेने लगा है। साइक्लोन 'मोका' का वेस्ट यूपी में 48 घंटे तक असर रह सकता है। इसको लेकर मौसम विभाग ने 27 जिलों में आंधी-पानी का अलर्ट जारी किया है। आसमानी बिजली भी गिर सकती है। मंगलवार सुबह गाजियाबाद में धूल भरी हवाएं चली। इससे दिन में अंधेरा जैसा छा गया। मथुरा, आगरा और फिरोजाबाद के साथ ही बुंदेलखंड के ललितपुर, झांसी, जालौन, हमीरपुर, महोबा, बांदा, चित्रकूट, इलाहाबाद, मिजार्पुर और सोनभद्र में आंधी के साथ तेज बारिश के आसार हैं। इसके अलावा यूपी के अन्य जिलों में तेज धूप के साथ आसमान साफ रहेगा। तापमान में 2-3 त्उ की कमी आ सकती है। दिल्ली-ठउफके शहरों में आज सुबह से आसमान में धूल का गुबार छाया हुआ है। इस वजह से हवा में मिट्टी के कण बढ़ गए हैं। लोगों को इससे खासी दिक्कतें हो रही हैं। डॉ. प्रदीप यादव बताते हैं कि इस तरह के मौसम में सांस रोगियों को परेशानी हो सकती है। वे मास्क लगाकर ही बाहर निकले है। क्टऊ के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ 17 मई से शुरू होगा। इसके प्रभाव से 18 मई को बारिश की संभावना है। उच्च नमी और गर्मी जैसी स्थानीय परिस्थितियों के कारण आज भी कुछ इलाकों में बारिश की 50 फीसदी संभावना है। अयोध्या में एक बार फिर मौसम बदला हुआ है। सुबह से आसमान में हल्के बादल छाए हुए हैं। लोगों को उमस भरी गर्मी से निजात मिली है। बीते 2 दिनों से अयोध्या और आसपास के जनपदों में उमस भरी गर्मी और तेज धूप ने लोगों की परेशानियां बढ़ा दी थीं। आचार्य नरेंद्र देव कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम विभाग के वैज्ञानिक डॉ अमरनाथ मिश्र के अनुसार, आगामी 24 घंटे में पूर्वी उत्तर प्रदेश में मौसम शुष्क बने रहने की संभावना है। पूर्वी हवा के सामान्य गति से चलने की संभावना है। मथुरा में सुबह से मौसम खुशनुमा बना हुआ है। सुबह का तापमान 29त्उ दर्ज हुआ। काले बादल छाए हुए हैं। बीते 24 घंटे के मौसम की बात करें तो सोमवार को तेज धूप के कारण सड़कें सुनसान थीं। सोमवार को तापमान 39त्उ तक

पहुंच गया था। सोमवार की बात करें, तो आगरा में हल्की बारिश हुई। कानपुर में काले घने बादल छाए रहे। वहीं, कई जिलों में आंधी भी चली। मौसम विभाग की मानें, तो मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। मई की शुरूआत आंधी-पानी के साथ हुई थी। 7 दिन पहले तक यूपी के कई जिलों में जोरदार बारिश हुई। ओले भी गिरे। उरअ यूनिवर्सिटी के मौसम वैज्ञानिक डॉ. एसएन सुनील पांडेय ने बताया, अगले 5 दिनों तक हल्के बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। हालांकि बादलों की वजह से रात के तापमान में बढ़ोतरी हो सकती है। यूपी में अभी रात का तापमान 28 डिग्री सेल्सियस को पार कर चुका है। यूपी में बीते 24 घंटे की बात करें, तो मथुरा-वृंदावन में अधिकतम तापमान 44 डिग्री को पार कर गया। वहीं चित्रकूट की रात सबसे गर्म रही। यहां का न्यूनतम तापमान 29.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। आगरा, इटावा, झांसी और कानपुर में भी तापमान 41 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। बागपत, बरेली, बदायूं, आगरा, मथुरा, मुरादाबाद, अमरोहा, गाजियाबाद, नोएडा, बुलंदशहर, मेरठ, हापुड़, सहारनपुर, अलीगढ़, हाथरस, मुजफ्फरनगर, रामपुर, शाहजहांपुर, एटा, फिरोजाबाद, मैनपुरी, शामली, बिजनौर, नजीबाबाद , फरुर्खाबाद, इटावा और औरैया। मेरठ में सोमवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। तेज हवाओं की वजह से बिजली की लाइन टूटकर रोड साइड खड़ी गाड़ियों पर गिरी। इससे करीब 6 गाड़ियां धूं-धूंकर जलने लगीं। थाने के सामने खड़ी इन गाड़ियों में लगी आग को बुझाने के लिए दमकल की 2 गाड़ियां मौके पर पहुंची। ये मामला मेरठ में खरखौदा थाने के बाहर का है। इसका धुआं 2 किमी तक देखा गया

संक्षिप्त -समाचार

कुश्ती संघ अध्यक्ष के समर्थन में उतरे समर्थक

जंतर मंतर पर कुश्ती खिलाड़ियों द्वारा चल रहे धरना प्रदर्शन का विरोध श्रावस्ती जिले में भी अब दिखाई देने लगा है। वहीं राष्ट्रीय कुश्ती संघ अध्यक्ष सांसद बृजभूषण सिंह के समर्थन में समर्थक सड़क पर उतर आए। समर्थकों ने दीवानी न्यायालय से पैदल चलकर कलेक्ट्रेट पहुंचकर। राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन डीएम प्रभारी को सौंपा है। बताते चले कि समर्थन में आए लोगों का कहना है कि सांसद बृजभूषण सिंह के द्वारा शिक्षा और खेल जगत में अभूतपूर्व काम किए गए हैं, जिससे प्रदेश ही नहीं देश का नाम रोशन हुआ है। इसे विपक्षी बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। वही एक षड्यंत्र के तहत महिला खिलाड़ियों को आगे कर कुश्ती संघ के अध्यक्ष सांसद बृजभूषण सिंह की छवि धूमिल करने का प्रयास करने का काम कर रहे है। वहीं, समर्थकों ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन मजिस्ट्रेट को सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने और देश विरोधी ताकतों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष ओम प्रकाश शुक्ला, राघवेंद्र प्रकाश पांडे, रामचंद्र दाढ़ीवाला, युवा नेता अमरिंदर सिंह,अजय सिंह, पुंजू सिंह, प्रहलाद सिंह सहित भारी संख्या में अधिवक्ता व समर्थक भी इस अवसर पर मौजूद रहे।

शाइस्ता, गुड्डू और साबिर के खिलाफ लुकआउट नोटिस

उमेश पाल हत्याकांड में वांटेड अतीक की पत्नी शाइस्ता परवीन, बमबाज गुड्डू मुस्लिम और शूटर साबिर के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। ये तीनों उमेश पाल की हत्या के बाद से यानी 81 दिन से फरार हैं। वढ पुलिस, STF की टीम इन तीनों की तलाश में महाराष्ट्र, ओडिशा, बिहार, राजस्थान समेत 8 राज्यों में अब तक छापेमारी कर चुकी है। शाइस्ता पर 50 हजार और गुड्डू मुस्लिम और साबिर पर 5-5 लाख का इनाम है। शाइस्ता पर हत्या की साजिश रचने और गुड्डू मुस्लिम और साबिर पर हत्या करने का आरोप है। गुड्डू मुस्लिम और साबिर हत्याकांड से जुड़े CCTV में भी नजर आए थे। प्रयागराज पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा ने बताया शाइस्ता और दोनों शूटर्स के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया गया है। आशंका है कि ये विदेश भाग सकते हैं। दूसरे देशों की जांच एजेंसियों की मदद से भी इनकी तलाश का प्रयास किया जाएगा।

भगवान द्वारिकाधीश ने किया नौका विहार

मथुरा में द्वारिकाधीश मंदिर में भगवान को गर्मी से राहत देने के लिए नौका विहार कराया गया। भगवान का दर्शन कर भक्त आनंदित हो गए। भीषण गर्मी पड़ने के साथ ही मंदिरों में भगवान को राहत देने के लिए भक्त तरह- तरह के प्रयास कर अपनी आस्था जताते हैं। भगवान द्वारिकाधीश के मुंबई के रहने वाले भक्त कागजी परिवार ने अपने आराध्य को नौका विहार कराने का मनोरथ किया। जिसके बाद भक्त की इच्छा मंदिर के गोस्वामी तृतीय पीठाधीश्वर कंकरौली नरेश बगीश कुमार से की। इस दौरान उन्होंने अनुमति दी। जिसके बाद परिवार ने मनोरथ के आयोजन की व्यवस्था किया। नौका विहार उत्सव के लिए द्वारिकाधीश मंदिर में गर्भ गृह के बाहर जग मोहन में कृत्रिम तालाब बनाया गया। इस तालाब में शुद्ध जल भरा गया। इसके बाद सोमवार की देर शाम एक आकर्षक नौका सजाई गई। जिसमें भगवान राधा कृष्ण की प्रतिमा को विराजमान कर नौका विहार कराया गया। भगवान को नौका विहार कराने के लिए आकर्षक तरीके से नौका सजाई गई। नौका के आगे हंस लगाया गया जो ऐसा लग रहा था जैसे वह आराध्य को यमुना नदी में नौका विहार करा रहा हो। पूरी नाव और मंदिर को सुगंधित फूलों से सजाया गया। गर्भ गृह में विराजमान भगवान द्वारिकाधीश की छवि एसी कि किसी की नजर न हटे। द्वारिकाधीश मंदिर में अपरा एकादशी के अवसर पर आयोजित किए गए इस वर्ष के प्रथम नौका विहार के दर्शनों के लिए पहुंचे भक्त आनंद से भर गए। भक्त अपने आराध्य की एक झलक पा कर धन्य हो गए। पूरे मंदिर में की गई आकर्षक लाइटों से की गई सजावट मन को मोह रही थी। भक्त अपने आराध्य के दर्शन कर जयकारे लगा रहे थे।

वो मस्जिदें जिनके नीचे मंदिर होने की लड़ाई

आगरा की जामा मस्जिद के नीचे श्रीकृष्ण की मूर्तियां दबी हैं। मुस्लिम हमारे भगवान की मूर्तियों को पैरों तले रौंदकर सीढ़ियों से चढ़कर मस्जिद में जाते हैं॥ यह कहना है कथावाचक देवकी नंदन ठाकुर का। उन्होंने पिछले महीने मुस्लिम समुदाय के लोगों से मस्जिद की सीढ़ियां खुदवाकर श्रीकृष्ण की मूर्तियों को हिंदू समाज को सौंप देने की बात कही थी। मुस्लिम समुदाय का कहना है कि 3 साल पहले सीढ़ियों की मरम्मत हुई थी, तब ऐसा कुछ भी नहीं मिला था। देवकी नंदन ने आगरा कोर्ट में जामा मस्जिद की सीढ़ियों की खुदाई के लिए वाद दायर कर दिया है। कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को 31 मई, 2023 तक अपना पक्ष रखने का वक्त दिया है। वाराणसी के सरायगोवर्धन में एक महिला रहती हैं। नाम है सीता साहू। सीता हाउस वाइफ हैं और घर के काम-काज में व्यस्त रहती थीं। लेकिन साल में एक बार खुलने वाले श्रृंगार गौरी मंदिर में पूजा करना नहीं भूलती थीं। ऐसे ही कई सालों तक दर्शन के दौरान सीता की मुलाकात मंजू व्यास, लक्ष्मी देवी और रेखा पाठक नाम की तीन महिलाओं से हुई। बातचीत हुई, तो इन चारों महिलाओं को मंदिर का साल में सिर्फ एक दिन खुलना बहुत खटकता था। महिलाओं को लगता था कि जिन श्रृंगार गौरी माता के उन्हें दर्शन करने हैं, उनका असल में कोई मंदिर नहीं बल्कि सिर्फ मां गौरी के मंदिर की चौखट है। सीता बताती हैं, ह्लमंदिर को लेकर दो चीजें हमें परेशान करती थीं। पहली ये कि आखिर ऐसी क्या वजह है कि हम साल के 365 दिन माता के दर्शन नहीं कर सकते। दूसरी ये कि हमने पढ़ा और सुना था कि ज्ञानवापी परिसर में हमारे देवी-देवता हैं। ऊपर से नंदी बाबा का ज्ञानवापी मस्जिद की तरह मुंह होना भी हमें बहुत खटकता था। सीता कहती हैं कि हम ज्ञानवापी परिसर की असलियत जानना चाहते थे। इसलिए इस मामले में हमने वकील हरिशंकर जैन से मुलाकात की। उन्होंने हमारी बात को गंभीरता से लिया और 18 अगस्त, 2021 को वाराणसी की कोर्ट में याचिका दाखिल की गई। इसके बाद फास्ट ट्रैक कोर्ट ने ज्ञानवापी के आर्कियोलॉजिकल सर्वे को मंजूरी दी। साल 2022 में कोर्ट ने परिसर में वीडियोग्राफी करने के आदेश दिए। साल 2022 में हुए सर्वे और वीडियोग्राफी के बाद परिसर के अंदर की एक तस्वीर सामने आई। तस्वीर में ओवल आकार की एक चीज दिखाई दी। हिंदू पक्ष ने दावा किया कि ओवल आकार की दिखने वाली ये चीज शिवलिंग है। इस पर वकील हरिशंकर जैन का कहना था